अध्यायवार प्रश्न बैंक

कक्षा - दसवीं

विषयः सामाजिक विज्ञान (087)

नोटः प्रत्येक प्रश्न के साथ उपयुक्त उत्तर के निर्माण हेतु सांकेतिक मूल्य बिंदु प्रदान किए गए हैं।

अध्याय 1: यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र 1966 में एकीकृत इटली का हिस्सा बना?** A. सार्डिनिया- पीडमाँट B. वेनेशिया C. सिसली D. पेपल राज्य **उपयुक्त विकल्प: B**. वेनेशिया	32-1-1
	5 अंक	
2	**प्रशासनिक व्यवस्था को तर्कसंगत और कुशल बनाने में 'नेपोलियन संहिता' के महत्व का विश्लेषण कीजिए।** (i) 1804 की नागरिक संहिता जिसे आमतौर पर नपोलियन की संहिता के नाम से जाना जाता है- (ii) इसने जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए थे। (iii) इसने क़ानून के समक्ष बराबरी को स्थापित किया। (iv) इसने संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया। (v) इसने प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया। (vi) इसने सामंती व्यवस्था को खत्म किया और किसानों को भू दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई। (vii) शहरों में भी कारीगरों के श्रेणी संघों के नियंत्रणों को हटा दिया गया। (viii) यातायात और संचार-व्यवस्थाओं को सुधारा गया। (ix) किसानों, कारीगरों, मज़दूरों और नए उद्योगपतियों ने नयी-नयी मिली आज़ादी चखी। (x) उद्योगपतियों और ख़ासतौर पर समान बनाने वाले लघु उत्पादक यह समझने लगे कि एकसमान कानून, मानक भार तथा नाप और एक राष्ट्रीय मुद्रा से एक इलाके से दुसरे इलाके में वस्तुओं और पूँजी के आवागमन में सहूलियत होगी। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	32-1-1
3	**उन्नीसवी सदी के शुरूआती दशकों में यूरोप में उदारवाद किस प्रकार राष्ट्रीय एकता से जुड़ा हुआ था ? विश्लेषण कीजिए ।** (i) नए मध्य वर्गों के लिए उदारवाद का मतलब था व्यक्ति के लिए आज़ादी (ii) इसका अर्थ था कानून के समक्ष सबकी बराबरी । (iii) राजनीतिक रूप से उदारवाद एक ऐसी सरकार पर जोर देता था जो सहमति से बनी हो। (iv) फ्रांसीसी क्रांति के बाद से उदारवाद निरंकुश शासक और पादरीवर्ग के विशेषाधिकारों की समाप्ति, संविधान तथा संसदीय प्रतिनिधि सरकार का पक्षधर था। (v) आर्थिक क्षेत्र में, उदारवाद, बाज़ारों की मुक्ति और चीज़ों तथा पूँजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाए गए नियंत्रणों को खत्म करने के पक्ष में था। (vi) आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ज़ोल्वेराइन का गठन । (vii) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु । **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	

	5 अंक	32-1-2
4	**इटली के एकीकरण में ज्युसेपे मेत्सिनी की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) ज्यूसेप्पी मैटिनी इटली का क्रांतिकारी था। उनका जन्म 1807 में जेनोआ में हुआ था। (ii) वह कार्बोनारी नामक गुप्त संगठन का सदस्य बन गया। (iii) चौबीस साल की युवावस्था में लिगुरिया में क्रांति करने के लिए उसे बहिष्कृत कर दिया गया। (iv) उसने दो और भूमिगत संगठनों की स्थापना की। पहला था मार्सेई में यंग इटली और दूसरा बर्न में यंग यूरोप। (v) मैटिनी का विश्वास था कि ईश्वर की मर्ज़ी के अनुसार राष्ट्र ही मनुष्यों की प्राकृतिक इकाई थी। अतः इटली छोटे राज्यों और प्रदेशों के पैबंदों की तरह नहीं रह सकता था। (vi) उसे जोड़ कर राष्ट्र के व्यापक गठबंधन के अंदर एकीकृत गणतंत्र बनाना ही था। (vii) यह एकीकरण ही इटली की मुक्ति का आधार हो सकता था। (viii) ज्यूसेप्पी मैटिनी ने एकीकृत इतालवी गणराज्य के लिए एक सुविचारित कार्यक्रम प्रस्तुत करने की कोशिश की थी। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
5	**"1830 का दशक यूरोप में भारी कठिनाइयों का आगमन माना जाता है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।** (i) उन्नीसवीं सदी के प्रथम भाग में पूरे यूरोप में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई। (ii) ज्यादातर देशों में नौकरी ढूँढने वालों की तादाद उपलब्ध रोजगार से अधिक थी। (iii) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़ से भरी गरीब बस्तियों में रहने लगी। (iv) नगरों के लघु उत्पादकों को अक्सर इंग्लैंड से आयातित मशीन से बने सस्ते कपड़े से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि इंग्लैंड में औद्योगीकरण का स्तर महाद्वीप से ऊँचा था। (v) यूरोप के उन इलाकों में जहाँ कुलीन वर्ग अभी भी सत्ता में था, कृषक-समिति शुल्कों और जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे थे। (vi) खाने-पीने की चीजों के मूल्य बढ़ने या किसी वर्ष फसल के खराब होने से शहर और गाँवों में व्यापक गरीबी फैल जाती थी। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है)**	
	5 अंक	32-1-3
6	**उन्नीसवीं सदी में यूरोप में "राष्ट्र के विचार के निर्माण में संस्कृति ने एक अहम भूमिका निभाई।" रूमानीवाद के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।** (i) कला, काव्य, कहानियाँ-किस्से और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को व्यक्त करने में सहयोग दिया। (ii) रोमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आन्दोलन था जो एक खास तरह की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था। (iii) आमतौर पर रूमानी कलाकारों और कवियों ने तर्क-वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की और उसकी जगह भावनाओं, अंतर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर दिया। (iv) उनका प्रयास था कि एक साझा-सामूहिक विरासत की अनुभूति और एक साझा सांस्कृतिक अतीत को राष्ट्र का आधार बनाया जाए।	

	(v) जर्मन दार्शनिक योहान गॉटफ्रीड हर्डर रूमानी चिंतकों ने दावा किया कि सच्ची जर्मनी संस्कृति उसके आम लोगों (das volk) में मिलती थी। (vi) राष्ट्र (volkgeist) की सच्ची आत्मा लोकगीतों, जन-काव्य और लोकनृत्यों में प्रकट होती थी। (vii) इसलिए लोक संस्कृति के इन स्वरूपों को एकत्र और अंकित करना राष्ट्र के निर्माण की परियोजना के लिए आवश्यक था। ग्रीस, बंधु फ्रेंच के वर्चस्व को जर्मन संस्कृति के लिए खतरा मानते थे और उनकी राय थी कि उन्होंने जो लोक-कथाएं इकट्ठी की हैं वो विशुद्ध और सच्ची जर्मन भावना की अभिव्यक्ति हैं। (viii) भाषा ने भी राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। रूसी प्रभुत्व के विरोध में पोलैंड में लोगों ने राष्ट्रवादी विरोध के लिए भाषा को एक हथियार बनाया। चर्च के भाषाओं और संपूर्ण धार्मिक शिक्षा में पोलिश का इस्तेमाल हुआ। (ix) कैरोल कुर्फिस्की ने राष्ट्रीय संघर्ष का अपने ओपेरा और संगीत से गुणगान किया और बोलेनस और माजुरका जैसे लोकनृत्यों को राष्ट्र प्रतीकों में बदल दिया। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।**	
7	**"1871 के बाद यूरोप में गंभीर राष्ट्रवादी तनाव का स्रोत बालकन क्षेत्र था।" स्लाव आंदोलन के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।** (i) बाल्कन क्षेत्र में भौगोलिक और जातीय भिन्नता थी। इसमें आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बेनिया, यूनान, मैसिडोनिया, क्रोएशिया, बोस्निया-हर्ज़ेगोविना, स्लोवेनिया, सर्बिया और मॉन्टेनेग्रो शामिल थे। क्षेत्र के निवासियों को आमतौर पर स्लाव्स् कहा जाता था। (ii) बाल्कन क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। (iii) बाल्कन क्षेत्र में रूमानी राष्ट्रवाद के विचारों के फैलने और ऑटोमन साम्राज्य के पतन से स्थिति काफी विस्फोटक हो गई। (iv) एक के बाद एक उसके अधीन यूरोपीय राष्ट्रोत्तरों उसके चंगुल से निकल कर स्वतंत्रता की घोषणा करने लगे। (v) बाल्कन लोगों ने आजादी या राजनीतिक अधिकारों के अपने दावों को राष्ट्रीयता का आधार दिया। उन्होंने इतिहास का इस्तेमाल यह साबित करने के लिए किया कि वे कभी स्वतंत्र थे किंतु तत्पश्चात विदेशी शक्तियों ने उन्हें अधीन कर लिया। (vi) बाल्कन क्षेत्र के विद्रोही राष्ट्रीय समूहों ने अपने संघर्षों को लंबे समय से खोई आजादी को वापस पाने के प्रयासों के रूप में देखा। (vii) जैसे-जैसे विभिन्न स्लाव्स् राष्ट्रीय समूहों ने अपनी-अपनी पहचान और स्वतंत्रता की परिभाषा तय करने की कोशिश की, बाल्कन क्षेत्र टकराव का क्षेत्र बन गया। (viii) बाल्कन राज्य एक-दूसरे से भारी ईर्ष्या करते थे और हर एक राज्य अपने लिए ज्यादा से ज्यादा इलाका हथियाने की उम्मीद रखता था। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण/मूल्यांकन अपेक्षित है)**	
	1 अंक	**32-2-1**
8	निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए: I. लीपज़िग के युद्ध में नेपोलियन की हार II. यूनानी स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष प्रारंभ III. शुल्क संघ ज़ोलवेराइन की स्थापना IV. वियना संधि पर हस्ताक्षर	

	विकल्प: (A) I, IV, II, III (B) I, II, IV, III (C) II, I, III, IV (D) II, I, IV, III **उपयुक्त विकल्प: A.** I, IV, II, III	
	5 अंक	
9	**फ़्रांस की क्रांति ने यूरोप में किस प्रकार राष्ट्रवाद की भावना का संचार किया? उपयुक्त तर्कों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के साथ हुई। (ii) फ्रांसीसी क्रांति के कारण प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकल कर फ्रांसीसी नागरिकों के समूह में हस्तांतरित हो गई। (iii) फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने विभिन्न कदम उठाए जिनसे फ़्रांसिसी लोगों में सामूहिक पहचान की भावना पैदा हो सकती थी। (iv) क्रांतिकारियों ने घोषणा की कि फ़्रांसिसी राष्ट्र का यह भाग्य और लक्ष्य था कि वह यूरोप के लोगों को निरंकुश शासकों से मुक्त कराए, दूसरे शब्दों में फ्रांस यूरोप के अन्य लोगों को राष्ट्रों में गठित होने में मदद देगा। (v) जब फ्रांस की घटनाओं की खबर यूरोप के विभिन्न शहरों तक पहुंची, तो छात्र और शिक्षित मध्य वर्गों के अन्य सदस्य जैकोबिन क्लब की स्थापना करने लगे। (vi) उनकी गतिविधियों और अभियानों ने फ्रांसीसी सेनाओं के लिए रास्ता तैयार किया जो 1790 के दशक में हॉलैंड, बेल्जियम, स्विट्ज़रलैंड और इटली के अधिकांश हिस्सों में घुसे। (vii) क्रांतिकारी युद्धों के फैलने के साथ, फ्रांसीसी सेनाओं ने राष्ट्रवाद के विचार को विदेशों में ले जाना शुरू कर दिया। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
10	**यूनान के स्वतंत्रता संग्राम ने किस प्रकार यूरोप में राष्ट्रवादी भावनाओं का संचार किया? उपयुक्त तर्कों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) एक घटना जिसने पूरे यूरोप के शिक्षित अभिजात वर्ग में राष्ट्रवादी भावनाओं का संचार किया वह थी- यूनान का स्वतंत्रता संग्राम। (ii) यूनान पंद्रहवीं शताब्दी से ऑटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। (iii) यूरोप में क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की प्रगति से यूनानियों का आज़ादी के लिए संघर्ष 1821 में आरम्भ हो गया। (iv) यूनान में राष्ट्रवादियों को निर्वासन में रह रहे अन्य यूनानियों और कई पश्चिमी यूरोपीय लोगों का भी समर्थन मिला, जो प्राचीन यूनानी संस्कृति के प्रति सहानुभूति रखते थे। (v) कवियों और कलाकारों ने यूनान को यूरोपीय सभ्यता का पालना बता कर प्रशंसा की और एक मुस्लिम साम्राज्य के विरुद्ध यूनान के संघर्ष के लिए जनमत जुटाया।	

	(vi) अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ने धन की व्यवस्था की और बाद में युद्ध में लड़ने भी गए, जहां 1824 में बुखार से उनकी मृत्यु हो गई। (vii) अंततः, 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-2-2**
11	**बाल्कन क्षेत्र का तनाव किस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध का कारण बन गया था? व्याख्या कीजिए।** (i) बाल्कन भौगोलिक और जातीय विविधता वाला एक क्षेत्र था जिसमें आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बानिया, यूनान, मैसिडोनिया, क्रोएशिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, स्लोवेनिया, सर्बिया और मोंटेनेग्रो शामिल थे, जिनके निवासियों को मोटे तौर पर स्लाव के रूप में जाना जाता था। (ii) बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। (iii) बाल्कन क्षेत्र में रूमानी राष्ट्रवाद के विचारों के फैलने और ओटोमन साम्राज्य के विघटन से स्थिति काफी विस्फोटक हो गयी। (iv) उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान ओटोमन साम्राज्य ने आधुनिकीकरण और आंतरिक सुधारों के माध्यम से खुद को मजबूत करने की कोशिश की लेकिन उसे बहुत कम सफलता मिली। (v) एक के बाद एक इसके अधीन यूरोपीय राष्ट्रीयताएँ उसके चंगुल से निकलकर स्वतंत्रता की घोषणा करने लगी। (vi) बाल्कन लोगों ने स्वतंत्रता या राजनीतिक अधिकारों के अपने दावों को राष्ट्रीयता का आधार दिया और उन्होंने इतिहास का इस्तेमाल यह साबित करने के लिए किया कि वे कभी स्वतंत्र थे लेकिन बाद में विदेशी शक्तियों के अधीन हो गए थे। (vii) बाल्कन राज्य एक-दूसरे से बहुत ईर्ष्या करते थे और हर एक राज्य अपने लिए ज्यादा से ज्यादा इलाका हथियाने की उम्मीद रखता था। (viii) इस समय यूरोपीय शक्तियों के बीच व्यापार और उपनिवेशों के साथ-साथ नौसैनिक और सैन्य शक्ति के गहरी प्रतिस्पर्धा थी। (ix) प्रत्येक शक्ति - रूस, जर्मनी, इंग्लैंड, ऑस्ट्रो-हंगरी - बाल्कन पर अन्य शक्तियों की पकड़ का मुकाबला करने और क्षेत्र पर अपना नियंत्रण बढ़ाने के लिए उत्सुक थी। इसके कारण इस क्षेत्र में कई युद्ध हुए और अंततः प्रथम विश्व युद्ध हुआ। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
12	**ब्रितानी राष्ट्र का निर्माण किस प्रकार किया गया? व्याख्या कीजिए।** (i) अठारहवीं सदी से पहले कोई ब्रितानी राष्ट्र नहीं था। (ii) ब्रितानी द्वीपसमूहों में रहने वाले लोगों जैसे अंग्रेज़, वेल्श, स्कॉट या आयरिश की मुख्य पहचान नृजातीय थी। (iii) इन सभी जातीय समूहों की अपनी-अपनी सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपराएँ थीं।	

	(iv) लेकिन जैसे-जैसे आंग्ल राष्ट्र की संपत्ति, महत्व और शक्ति में लगातार वृद्धि हुई, वह द्वीपसमूह के अन्य राष्ट्रों पर पर अपना प्रभुत्व बढ़ाने में सफल हुआ। (v) एक लंबे संघर्ष के बाद आंग्ल संसद ने 1688 में राजतंत्र से ताकत छीन ली थी जिसके माध्यम से एक राष्ट्र-राज्य का निर्माण हुआ, जिसके केंद्र में इंग्लैंड था। (vi) इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच एक्ट ऑफ़ यूनियन (1707) से 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन' का गठन हुआ, इससे इंग्लॅण्ड, व्यवहार में स्कॉटलैंड पर अपना प्रभुत्व जमा पाया। (vii) इसके बाद ब्रितानी संसद में आंग्ल सदस्यों का दबदबा रहा। (viii) एक ब्रितानी पहचान के विकास का अर्थ था कि स्कॉटलैंड की विशिष्ट संस्कृति और राजनीतिक संस्थानों को योजनाबद्ध रूप से दबा दिया गया था। (ix) स्कॉटिश हाइलैंड्स में रहने वाले कैथलिक कुलों ने जब भी अपनी स्वतंत्रता का दावा करने का प्रयास किया, उन्हें जबरदस्त दमन का सामना करना पड़ा। (x) स्कॉटिश हाइलैंडर्स को अपनी गेलिक भाषा बोलने या अपनी राष्ट्रीय पोशाक पहनने से मना किया गया था, और बड़ी संख्या में लोगों को अपना वतन छोड़ने पर मजबूर किया गया। (xi) आयरलैंड का भी कुछ ऐसा हीं हश्र हुआ। वह देश कैथलिक और प्रोटेस्टेंट धार्मिक गुटों में गहराई में बँटा हुआ था। (xii) अंग्रेजों ने आयरलैंड में प्रोटेस्टेंट धर्म मानने वालों को बहुसंख्यक कैथलिक देश पर प्रभुत्व स्थापित करने में मदद की। (xiii) ब्रितानी प्रभुत्व के विरुद्ध कैथलिक विद्रोहों को निर्ममता से कुचल दिया गया। (xiv) वोल्फ टोन और उनके यूनाइटेड आयरिशमेन (1798) के नेतृत्व में एक असफल विद्रोह के बाद, 1801 में आयरलैंड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया। (xv) एक नए ब्रितानी राष्ट्र का निर्माण किया गया जिसपर हावी आंग्ल संस्कृति का प्रचार- प्रसार किया गया। (xvi) नए ब्रिटेन के प्रतीक – ब्रितानी झंडा (यूनियन जैक), राष्ट्रगान (गॉड सेव अवर नोबल किंग), अंग्रेजी भाषा - को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया और पुराने राष्ट्र इस संघ में केवल मातहत सहयोगी के रूप में रह गए। (xvii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(समग्रता में मूल्यांकन अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-2-3**
13	**1830 का दशक किस प्रकार यूरोप में भारी कठिनाइयाँ लेकर आया था? व्याख्या कीजिए।** (i) 1830 के दशक यूरोप में बड़ी आर्थिक कठिनाई के वर्ष थे। (ii) उन्नीसवीं सदी के प्रथम भाग में पूरे यूरोप में जनसंख्या में भारी वृद्धि देखी गई। (iii) अधिकांश देशों में नौकरी ढूँढने वालों की तादाद उपलब्ध रोजगारों से ज्यादा थी । (iv) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़ से भरी गरीब बस्तियों में रहने लगी। (v) नगरों के लघु उत्पादकों को अक्सर इंग्लैंड से सस्ते मशीन-निर्मित सामानों के आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता था, जहां औद्योगीकरण महाद्वीप की तुलना में अधिक उन्नत था।	

	(vi) यूरोप के उन क्षेत्रों में जहां कुलीन वर्ग अभी भी सत्ता का आनंद ले रहा था, किसान सामंती शुल्कों और दायित्वों के बोझ के नीचे दबे थे। (vii) खाने पीने की चीजों की कीमतों के बढ़ने या एक वर्ष में खराब फसल के कारण शहर और देश में बड़े पैमाने पर गरीबी फैल गई (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
14	**उन्नीसवीं सदी के पूर्वार्ध में रूमानीवाद ने यूरोप में किस प्रकार राष्ट्रवाद के विकास में योगदान दिया? व्याख्या कीजिए।** (i) रूमानीवाद एक सांस्कृतिक आंदोलन था जो राष्ट्रवादी भावना का एक विशेष रूप विकसित करने की कोशिश करता था। (ii) रूमानी कलाकारों और कवियों ने आम तौर पर तर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की और इसके बजाय भावनाओं, अंतर्दृष्टि और रहस्यमय भावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। (iii) उनका प्रयास एक राष्ट्र के आधार के रूप में एक साझा सामूहिक विरासत, एक साँझा सांस्कृतिक अतीत की भावना पैदा करना था। (iv) जर्मन दार्शनिक जोहान गॉटफ्राइड हर्डर (1744-1803) ने दावा किया कि सच्ची जर्मन संस्कृति की खोज आम लोगों (दास वोल्क) में निहित थी । (v) लोक गीतों, जन-काव्य और लोक नृत्यों के माध्यम से राष्ट्र की सच्ची भावना (वोल्क्सजिस्ट) को लोकप्रिय बनाया गया। (vi) उदाहरण के लिए, कैरोल कुर्पिंसकी ने अपने ऑपेरा और संगीत के माध्यम से राष्ट्रीय संघर्ष का गुणगान किया और पोलेनेस और माजुरका जैसे लोक नृत्यों को राष्ट्रवादी प्रतीकों में बदल दिया। (vii) ग्रिम बंधुओं ने लोककथाओं को इकट्ठा करने और जर्मन भाषा को विकसित करने के अपने प्रयासों को फ्रांसीसी प्रभुत्व का विरोध करने और जर्मन राष्ट्रीय पहचान बनाने के व्यापक प्रयास के हिस्से के रूप में माना। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
15	**जर्मेनिया रूपक के संदर्भ में, 'तलवार पर लिपटी जैतून की डाली' निम्नलिखित में से किसका प्रतीक थी?** A. आज़ादी मिलने की B. बहादुरी और शक्ति की C. शांति की चाह की D. एक नए युग के सूत्रपात की **उपयुक्त विकल्प: C शांति की चाह की**	

	4 अंक	
16	**दिए गए स्रोत्र को पढ़िए और उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **क्रन्तिकारी** 1815 के बाद के वर्षों में दमन के भय ने अनेक उदारवादी-राष्ट्रवादियों को भूमिगत कर दिया। बहुत सारे यूरोपीय राज्यों में क्रांतिकारियों को प्रशिक्षण देने और विचारों का प्रसार करने के लिए गुप्त संगठन उभर आए। उस समय क्रन्तिकारी होने का मतलब उन राजतंत्रीय व्यवस्थाओं का विरोध करने से था जो वियना कांग्रेस के बाद स्थापित की गई थीं। साथ ही स्वतंत्रता और मुक्ति के लिए प्रतिबद्ध होना और संघर्ष करना क्रन्तिकारी होने के लिए ज़रूरी था। ज़्यादातर क्रन्तिकारी राष्ट्र राज्यों की स्थापना को आज़ादी के इस संघर्ष का अनिवार्य हिस्सा मानते थे। **(1) उदारवादियों की किसी एक राजनीतिक माँग का उल्लेख कीजिए। (1)** (i) राष्ट्र-राज्यों की स्थापना करना । (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(2) यूरोपीय राज्यों में गुप्त संगठनों के उदय के प्रमुख कारण का उल्लेख कीजिए। (1)** (i) क्रांतिकारियों को प्रशिक्षण देने और उनके विचारों के प्रसार के लिए। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(3) 1815 के बाद अनेक उदारवादी राष्ट्रवादियों के भूमिगत होने के कारणों का विश्लेषण कीजिए। (2)** (i) राजशाही द्वारा विरोध का भय । (ii) राजशाही द्वारा उदारवादी-राष्ट्रवादियों के दमन का भय । (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु ।	
	3 अंक	**32-4-1**
17	फ्रांसीसी क्रांतिकारियों द्वारा राष्ट्रीय एकता की भावना पैदा करने के लिए उठाए गए कदमों का वर्णन कीजिए। (i) पितृभूमि **"(la patrie)"** और नागरिक **"(le citoyen)"** के विचार (ii) एक नया फ्रांसीसी झंडा – तिरंगा चुना गया जिसने पहले राजध्वज की जगह ले ली। (iii) इस्टेट जेनरल बदलकर नेशनल असेंबली कर दिया गया। (iv) नई स्तुतियाँ रची गई, शपथें ली गई, शहीदों का गुणगान हुआ– और यह सब राष्ट्र के नाम पर हुआ। (v) एक केंद्रीय प्रशासनिक प्रणाली शुरू की गई। (vi) सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू किए गए। (vii) आंतरिक आयात – निर्यात शुल्क को समाप्त कर दिए गया। (viii) भार और माप की एक समान व्यवस्था लागू की गई। (ix) पेरिस में बोली जाने वाली फ्रेंच भाषा ने क्षेत्रीय बोलियों की जगह ले ली। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।	
18	उन ऐतिहासिक कारकों का वर्णन कीजिए जिन्होंने बाल्कन में राष्ट्रवादी तनावों के उदय में योगदान दिया। (i) बाल्कन भौगोलिक और जातीय भिन्नता वाला क्षेत्र था। (ii) बाल्कन क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। (iii) रूमानी राष्ट्रवाद के विचार फैलने और ऑटोमन साम्राज्य के विघटन से इस क्षेत्र की स्थिति विस्फोटक हो गई। (iv) आंतरिक सुधारों के माध्यम से आधुनिकीकरण के अपने प्रयासों में ऑटोमन विफल रहे।	

	(v) यूरोपीय राष्ट्रवादियों ने ऑटोमन नियंत्रण से अलग होकर अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। (vi) बाल्कन लोगों ने आजादी या राजनीतिक अधिकारों के अपने दावों को राष्ट्रीयता का आधार दिया, जिससे साबित हुआ कि वे कभी स्वतंत्र थे। (vii) बाल्कन क्षेत्र तब तीव्र संघर्ष में बदल गया जब प्रत्येक बाल्कन राष्ट्र ने दूसरे की कीमत पर अपने क्षेत्र का विस्तार करने की कोशिश की। (viii) इस क्षेत्र में बड़ी शक्तियों की प्रतिद्वंद्विता के कारण परिस्थितियां अधिक जटिल हो गई। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-5-1**
19	**''फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीतिक और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकलकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूहों में हस्तांरित हो गई।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) फ्रांसीसी क्रांति ने घोषणा की कि अब लोगों द्वारा राष्ट्र का गठन होगा और वे ही उसकी नियति तय करेंगे। (ii) प्रारंभ से ही फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए जिनसे फ्रांसीसी लोगो में एक सामूहिक पहचान की भावना उत्पन्न हुई। (iii) पितृभूमि **"(la patrie)"** और नागरिक **"(le citoyen)"** जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया जिसे एक संविधान के अंतर्गत समान अधिकार प्राप्त थे। (iv) एक नया फ्रांसीसी – झंड़ा तिरंगा चुना गया जिसने पहले के राष्ट्रध्वज की जगह ले ली। (v) इस्टेट जेनरल का चुनाव सक्रिय नागरिकों के समूह द्वारा किया जाने लगा और उसका नाम बदलकर नेशनल एसेंबली कर दिया गया। (vi) नयी स्तुतियाँ रची गई, शपथें ली गईं, शहीदों का गुणगान हुआ – और यह सब राष्ट्र के नाम पर हुआ। (vii) एक केन्द्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई जिसने अपने भू – भाग पर रहने वाले सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाए। (viii) आंतरिक आयात – निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए और भार तथा नापने की एकसमान व्यवस्था लागू की गई। (ix) क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया गया और पेरिस में बोली व लिखी जाने वाली फ्रेंच को राष्ट्र की साझा भाषा बना दिया गया। (x) क्रांतिकारियों ने यह भी घोषणा की कि फ्रांसीसी राष्ट्र का यह भाग्य व लक्ष्य था कि वह यूरोप के लोगों को निरंकुश शासकों से मुक्त करवाए। (xi) दूसरे शब्दों में फ्रांस यूरोप के अन्य लोगों को राष्ट्रों में गठित होने में मदद करेगा। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

20	**''उन्नीसवीं सदी में आर्थिक क्षेत्र में, उदारवाद बाज़ारों की मुक्ति और वस्तुओं तथा पूँजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाए गए नियंत्रणों को समाप्त करने के पक्ष में था।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) नेपोलियन के प्रशासनिक कदमों से अनगिनत छोटे प्रदेशों से 39 राज्यों का एक महासंघ बनाया गया। (ii) इनमें से प्रत्येक के पास अपनी मुद्रा और नाप–तौल प्रणाली थी। (iii) शुल्क अक्सर वस्तुओं के वज़न या आकार के अनुसार लगाए जाते थे। (iv) चूंकि प्रत्येक क्षेत्र में वज़न और माप की अपनी प्रणाली थी, अतः हिसाब लगाने में समय लग जाता था। (v) नया वाणिज्यिक वर्ग ऐसी परिस्थितियों को आर्थिक विनिमय और विकास में बाधक मानते हुए एक ऐसे एकीकृत आर्थिक क्षेत्र के निर्माण के पक्ष में तर्क दे रहा था जहाँ वस्तुओं, लोग और पूँजी का आवागमन बाधारहित हो। (vi) 1834 में, प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ या ज़ॉलवेराइन स्थापित किया गया, जिसमें अधिकांश जर्मन राज्य शामिल हो गए। (vii) इस संघ ने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया और मुद्राओं की संख्या तीस से घटाकर दो कर दी। (viii) रेलवे जाल ने गतिशीलता को बढ़ाया, जिसने आर्थिक हितों के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण हो सका। (ix) आर्थिक राष्ट्रवाद की लहर ने उस समय बढ़ रही व्यापक राष्ट्रवादी भावनाओं को मजबूत किया। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-5-2**
21	**1871 में बाल्कन क्षेत्र का तनाव किस प्रकार प्रथम विश्व युद्ध का प्रमुख कारण बना? व्याख्या कीजिए।** (i) 1871 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत बाल्कन क्षेत्र था। (ii) बाल्कन भौगोलिक और जातीय विविधता वाला क्षेत्र था जिसमें आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बानिया, ग्रीस, मैसेडोनिया, क्रोएशिया, बोस्निया–हर्जेगोविना, स्लोवेनिया, सर्बिया और मोंटेनेग्रो शामिल थे, जिनके निवासियों को मोटे तौर पर स्लाव के रूप में जाना जाता था। (iii) बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। (iv) ऑटोमन साम्राज्य के विघटन के साथ–साथ बाल्कन में रूमानी राष्ट्रवाद के विचारों के प्रसार ने इस क्षेत्र को काफी विस्फोटक बना दिया। (v) उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान ऑटोमन साम्राज्य ने आधुनिकीकरण और आंतरिक सुधारों के माध्यम से खुद को मजबूत करने की कोशिश की, लेकिन बहुत कम सफलता मिली। (vi) एक–एक करके उसके अधीन यूरोपीय राष्ट्रीयताएँ इसके नियंत्रण से अलग हो गईं और स्वतंत्रता की घोषणा करने लगी। (vii) बाल्कन के लोगों ने स्वतंत्रता या राजनीतिक अधिकारों के लिए अपने दावों को राष्ट्रीयता का आधार दिया। (viii) उन्होंने इतिहास का इस्तेमाल यह साबित करने के लिए किया कि वे कभी स्वतंत्र थे, लेकिन बाद में विदेशी शक्तियों के अधीन हो गए।	

	(ix) इसलिए बाल्कन में विद्रोही राष्ट्रीयताओं ने अपने संघर्षों को अपनी खोई हुई स्वतंत्रता को वापस जीतने के प्रयासों के रूप में सोचा। (x) जैसे–जैसे विभिन्न स्लाव राष्ट्रीयताएँ अपनी पहचान और स्वतंत्रता को परिभाषित करने के लिए संघर्ष करती गईं, बाल्कन क्षेत्र तीव्र संघर्ष का क्षेत्र बन गया। (xi) बाल्कन राज्य एक–दूसरे से भारी ईर्ष्या करते थे। (xii) उनमें से प्रत्येक को दूसरों की कीमत पर अधिक क्षेत्र हासिल करने की उम्मीद थी। (xiii) मामले और भी जटिल हो गए क्योंकि बाल्कन भी बड़ी शक्तियों की प्रतिद्वंद्विता का दृश्य बन गया। (xiv) इस अवधि के दौरान, व्यापार और उपनिवेशों के साथ–साथ नौसेना और सैन्य शक्ति को लेकर यूरोपीय शक्तियों के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता थी। (xv) बाल्कन समस्या के सामने आने के तरीके में ये प्रतिद्वंद्विताएँ बहुत स्पष्ट थीं। (xvi) रूस, जर्मनी, इंग्लैंड, ऑस्ट्रो–हंगरी की हर ताकत बाल्कन पर अन्य शक्तियों की पकड़ को कमजोर करके क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाना चाहती थी। (xvii) इसके कारण क्षेत्र में युद्धों की एक श्रृंखला शुरू हुई और अंततः प्रथम विश्व युद्ध हुआ। (xviii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
22	**1830 के दशक में ज्युसेपे मेत्सिनी द्वारा एकीकृत इतालवी गणराज्य के लिए प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम की व्याख्या कीजिए।** (i) 1805 में जेनोआ में जन्मे इतालवी क्रांतिकारी ज्यूसेपे मेत्सिनी कार्बोनारी के गुप्त समाज के सदस्य बन गए। (ii) 1830 के दशक के दौरान, उन्होंने एक एकीकृत इतालवी गणराज्य के लिए एक सुसंगत कार्यक्रम तैयार करने की कोशिश की थी। (iii) उन्हें 1831 में लिगुरिया में क्रांति का प्रयास करने के लिए निर्वासन में भेज दिया गया था। (iv) बाद में उन्होंने दो और भूमिगत समाजों की स्थापना की, पहला, मार्सिले में यंग इटली और फिर, बर्न में यंग यूरोप। (v) मेत्सिनी का मानना था कि ईश्वर ने राष्ट्रों को मानव जाति की प्राकृतिक इकाइयाँ बनाने का इरादा किया था। इसलिए, इटली छोटे राज्यों और साम्राज्यों का एक टुकड़ा बनकर नहीं रह सकता था। (vi) इसे राष्ट्रों के व्यापक गठबंधन के भीतर एक एकीकृत गणराज्य में बदलना था। (vii) यह एकीकरण ही इतालवी स्वतंत्रता का आधार हो सकता है। (viii) मेत्सिनी के राजशाही के प्रति अथक विरोध और लोकतांत्रिक गणराज्यों के उनके दृष्टिकोण ने रूढ़िवादियों को भयभीत कर दिया। (ix) मैटरनिख ने उन्हें 'हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन' बताया। (x) 1831 और 1848 में क्रांतिकारी विद्रोहों की विफलता का मतलब था कि अब युद्ध के माध्यम से इतालवी राज्यों को एकीकृत करने की जिम्मेदारी सार्डिनिया–पीडमोंट के शासक राजा विक्टर इमैनुएल द्वितीय पर आ गई। (xi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	5 अंक	32-5-3
23	**''फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीतिक और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकलकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूहों में हस्तांरित हो गई।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) फ्रांसीसी क्रांति ने घोषणा की कि अब लोगों द्वारा राष्ट्र का गठन होगा और वे ही उसकी नियति तय करेंगे। (ii) प्रारंभ से ही फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए जिनसे फ्रांसीसी लोगो में एक सामूहिक पहचान की भावना उत्पन्न हुई। (iii) पितृभूमि **"(la patrie)"** और नागरिक **"(le citoyen)"** जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया जिसे एक संविधान के अंतर्गत समान अधिकार प्राप्त थे। (iv) एक नया फ्रांसीसी – झंड़ा तिरंगा चुना गया जिसने पहले के राष्ट्रध्वज की जगह ले ली। (v) इस्टेट जेनरल का चुनाव सक्रिय नागरिकों के समूह द्वारा किया जाने लगा और उसका नाम बदलकर नेशनल एसेंबली कर दिया गया। (vi) नयी स्तुतियाँ रची गई, शपथें ली गईं, शहीदों का गुणगान हुआ – और यह सब राष्ट्र के नाम पर हुआ। (vii) एक केन्द्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई जिसने अपने भू – भाग पर रहने वाले सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाए। (viii) आंतरिक आयात – निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए और भार तथा नापने की एकसमान व्यवस्था लागू की गई। (ix) क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया गया और पेरिस में बोली व लिखी जाने वाली फ्रेंच को राष्ट्र की साझा भाषा बना दिया गया। (x) क्रांतिकारियों ने यह भी घोषणा की कि फ्रांसीसी राष्ट्र का यह भाग्य व लक्ष्य था कि वह यूरोप के लोगों को निरंकुश शासकों से मुक्त करवाए। (xi) दूसरे शब्दों में फ्रांस यूरोप के अन्य लोगों को राष्ट्रों में गठित होने में मदद करेगा। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
24	**''उन्नीसवीं सदी में आर्थिक क्षेत्र में, उदारवाद बाज़ारों की मुक्ति और वस्तुओं तथा पूँजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाए गए नियंत्रणों को समाप्त करने के पक्ष में था।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) नेपोलियन के प्रशासनिक कदमों से अनगिनत छोटे प्रदेशों से 39 राज्यों का एक महासंघ बनाया गया। (ii) इनमें से प्रत्येक के पास अपनी मुद्रा और नाप–तौल प्रणाली थी। (iii) शुल्क अक्सर वस्तुओं के वज़न या आकार के अनुसार लगाए जाते थे। (iv) चूंकि प्रत्येक क्षेत्र में वज़न और माप की अपनी प्रणाली थी, अतः हिसाब लगाने में समय लग जाता था। (v) नया वाणिज्यिक वर्ग ऐसी परिस्थितियों को आर्थिक विनिमय और विकास में बाधक मानते हुए एक ऐसे एकीकृत आर्थिक क्षेत्र के निर्माण के पक्ष में तर्क दे रहा था जहाँ वस्तुओं, लोग और पूँजी का आवागमन बाधारहित हो। (vi) 1834 में, प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ या ज़ॉलवेराइन स्थापित किया गया, जिसमें अधिकांश जर्मन राज्य शामिल हो गए।	

	(vii) इस संघ ने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया और मुद्राओं की संख्या तीस से घटाकर दो कर दी। (viii) रेलवे जाल ने गतिशीलता को बढ़ाया, जिसने आर्थिक हितों के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण हो सका। (ix) आर्थिक राष्ट्रवाद की लहर ने उस समय बढ़ रही व्यापक राष्ट्रवादी भावनाओं को मजबूत किया। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-6-1**
25	**नेपोलियन की संहिता- 1804 के प्रमुख प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।** (i) 1804 की नागरिक संहिता जिसे आमतौर पर नेपोलियन की संहिता के नाम से जाना जाता है, ने जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए थे। उसने कानून के समक्ष बराबरी और संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया। (ii) डच गणतंत्र, स्विट्ज़रलैंड, इटली और जर्मनी में नेपोलियन ने प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया, (iii) नेपोलियन सामंती व्यवस्था को खत्म किया और किसानों को भू-दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई। (iv) शहरों में भी कारीगरों के श्रेणी-संघों के नियंत्रणों को हटा दिया गया। (v) यातायात और संचार-व्यवस्थाओं को सुधारा गया। (vi) किसानों, कारीगरों, मजदूरों और नए उद्योगपतियों ने नयी-नयी मिली आज़ादी चखी। (vii) उद्योगपतियों और ख़ासतौर पर समान बनाने वाले लघु उत्पादक यह समझने लगे कि एकसमान कानून, मानक भार तथा नाप और एक राष्ट्रीय मुद्रा से एक इलाके से दूसरे इलाके में वस्तुओं और पूँजी के आवागमन में सहूलियत होगी। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-6-2**
26	**"यूरोप में उन्नीसवीं सदी के शुरूआती दशकों में राष्ट्रीय एकता से सम्बंधित विचार उदारवाद के करीब से जुड़े थे?" इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) नए मध्य वर्गों के लिए उदारवाद का मतलब था व्यक्ति के लिए आजादी और कानून के समक्ष सबकी बराबरी। (ii) राजनीतिक रूप से उदारवाद एक ऐसी सरकार पर जोर देता था जो सहमति से बनी हो। (iii) फ्रांसीसी क्रांति के बाद से उदारवाद निरंकुश शासक और पादरी वर्ग के विशेषाधिकारों की समाप्ति, संविधान तथा संसदीय प्रतिनिधि सरकार का पक्षधर था। (iv) उन्नीसवीं सदी के उदारवादी निजी संपत्ति के स्वामित्व की अनिवार्यता पर भी बल देते थे। (v) आर्थिक क्षेत्र में उदारवाद, बाजारों की मुक्ति के पक्ष में था। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-6-3**
27	**1815 में फ़्रांस में स्थापित रुढ़िवादी शासन व्यवस्था की कार्य-प्रणाली की व्याख्या कीजिए।** (i) 1815 में स्थापित रूढ़िवादी शासन व्यवस्थाएँ निरंकुश थीं। (ii) वे आलोचना और असहमति बर्दाश्त नहीं करती थीं और उन्होंने उन गतिविधियों को दबाना चाहा जो निरंकुश सरकारों की वैधता पर सवाल उठाती थीं।	

	(iii) ज्यादातर सरकारों ने संसर्शिप के नियम बनाए जिनका उद्देश्य अखबारों, किताबों, नाटकों और गीतों में व्यक्त उन बातों पर नियंत्रण लगाना था जिनसे फ्रांसीसी क्रांति से जुड़े स्वतंत्रता और मुक्ति के विचार झलकते थे। (iv) लेकिन फिर फ्रांसीसी क्रांति की स्मृति उदारवादियों को सताता प्रेरित कर रही थी। (v) नयी रूढ़िवादी व्यवस्था के आलोचक उदारवादी राष्ट्रवादियों द्वारा उठाया गया एक मुख्य मुद्दा था- प्रेस की आजादी। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**s-1**
28	**''1830 का दशक यूरोप में भारी आर्थिक कठिनाई लेकर आया।'' इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए।** (i) उन्नीसवीं सदी के पूर्वाद्ध में पूरे यूरोप में जनसंख्या में भारी वृद्धि देखी गई। (ii) अधिकांश देशों में उपलब्ध रोज़गार से ज्यादा नौकरियाँ चाहने वाले थे। (iii) ग्रामीण इलाकों से आबादी शहरों की ओर पलायन कर गई। (iv) कस्बों में छोटे उत्पादकों को अक्सर इंग्लैंड से सस्ते मशीन – निर्मित सामानों के आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता था। जहां औद्योगीकरण महाद्वीप की तुलना में अधिक उन्नत था। (v) यूरोप के उन क्षेत्रों में जहां अभिजात वर्ग अभी भी सत्ता का आनंद ले रहा था, किसान सामंती कर्ज के बोझ के नीचे संघर्ष कर रहे थे। (vi) खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि या एक वर्ष में खराब फसल के कारण शहर और देश में बड़े पैमाने पर गरीबी फैल गई। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
29	**उन्नीसवीं शताब्दी के अंत मे यूरोप में राष्ट्रवाद की भावनाओं को जागृत करने में संस्कृति ने एक अहम भूमिका निभाई।'' इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए।** (i) राष्ट्र के विचार के निर्माण में संस्कृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कला, काव्य, कहानियों और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को आकार देने व व्यक्त करने में मदद की। (ii) रूमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोलन था जिसने राष्ट्रवादी भावनाओं का एक विशेष रूप विकसित करने की मांग की। (iii) रूमानी कलाकारों और कवियों ने तर्क– वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की और उसकी जगह भावनाओं, अंतर्ज्ञान और रहस्यमय भावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। (iv) उनका प्रयास एक राष्ट्र के आधार के रूप में एक साझा सामूहिक विरासत, एक सामान्य सांस्कृतिक अतीत की भावना पैदा करना था। (v) जर्मन दार्शनिक जोहान गॉटफ्रीड हर्डर (1744–1803) जैसे अन्य लोगों ने दावा किया कि सच्ची जर्मन संस्कृति की खोज आम लोगों (दास वोल्क) के बीच की जाएगी । (vi) लोक गीतों, लोक कविता और लोक नृत्यों के माध्यम से राष्ट्र की सच्ची भावना (वोल्क्सजिस्ट) को लोकप्रिय बनाया गया था। इसलिए लोक	

	संस्कृति के इन रूपों को एकत्र करना और रिकॉर्ड करना राष्ट्र–निर्माण की परियोजना के लिए आवश्यक था। (vii) स्थानीय भाषा और स्थानीय लोककथाओं के संग्रह पर जोर न केवल एक प्राचीन राष्ट्रीय भावना को पुनः प्राप्त करने के लिए था, बल्कि आधुनिक राष्ट्रवादी संदेश जनसंख्या के बड़े हिस्से तक ले जाने के लिए भी था, जो ज्यादातर निरक्षर थे। (viii) पोलैंड, जिसे अठारहवीं शताब्दी के अंत में महान शक्तियों – रूस, प्रशिया और ऑस्ट्रिया द्वारा विभाजित किया गया था, उस देश ने भी संगीत और भाषा के माध्यम से राष्ट्रीय भावनाओं को जीवित रखा। (ix) उदाहरण के लिए, कैरोल कुर्पिस्की ने अपने ऑपेरा और संगीत के माध्यम से पोलिश राष्ट्रीय संघर्ष का गुणगान किया गया। पोलोनेस और माजुरका जैसे लोक नृत्यों को राष्ट्रवादी प्रतीकों में बदल दिया। (x) पोलिश के प्रयोग को रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की उदाहरणों सहित पुष्टि किया जाना अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**s-2**
30	**1815 में वियना संधि के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।** (i) 1815 की वियना संधि नेपोलियन युद्धों के दौरान यूरोप में आए अधिकांश परिवर्तनों को पूर्ववत करने के उद्देश्य से तैयार की गई थी। (ii) बूर्बों राजवंश, जिसे फ्रांसीसी क्रांति के दौरान अपदस्थ कर दिया गया था, सत्ता में बहाल हो गया और फ्रांस ने नेपोलियन के अधीन अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को खो दिया। (iii) भविष्य में फ्रांसीसी विस्तार को रोकने के लिए फ्रांस की सीमाओं पर राज्यों की एक श्रृंखला स्थापित की गई। (iv) नीदरलैंड का साम्राज्य, जिसमें बेल्जियम भी शामिल था, उत्तर में स्थापित किया गया था और जेनोआ को दक्षिण में पीडमोंट में जोड़ा गया था। (v) प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमा पर महत्वपूर्ण नए क्षेत्र दिए गए। (vi) ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण दिया गया। (vii) रूस को पोलैंड का हिस्सा दिया गया जबकि प्रशा को सैक्सोनी का एक हिस्सा दिया गया। (viii) नेपोलियन द्वारा स्थापित 39 राज्यों का जर्मन परिसंघ अछूता रह गया था। (ix) मुख्य उद्देश्य नेपोलियन द्वारा उखाड़ फेंकी गई राजशाही को बहाल करना और यूरोप में एक नई रूढ़िवादी व्यवस्था बनाना था। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

31	**यूनान के स्वतंत्रता संग्राम ने किस प्रकार पूरे यूरोप में शिक्षित अभिजात वर्ग में राष्ट्रीय भावनाओं का संचार किया? व्याख्या कीजिए।** (i) एक घटना जिसने पूरे यूरोप में शिक्षित अभिजात वर्ग के बीच राष्ट्रवादी भावनाओं को जागृत किया वह यूनान का स्वतंत्रता संग्राम था। (ii) यूनान पंद्रहवीं शताब्दी से ऑटोमन साम्राज्य का हिस्सा रहा था। यूरोप में क्रांतिकारी राष्ट्रवाद के विकास ने यूनानियों के बीच स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की भावना को जन्म दिया। (iii) यूनान में राष्ट्रवादियों को निर्वासन में रह रहे अन्य यूनानियों और कई पश्चिमी यूरोपीय लोगों से भी समर्थन मिला, जिनकी प्राचीन यूनानी संस्कृति के प्रति सहानुभूति थी। (iv) कवियों और कलाकारों ने यूरोपीय सभ्यता के उद्गम स्थल के रूप में यूनान की सराहना की और मुस्लिम साम्राज्य के खिलाफ उसके संघर्ष का समर्थन करने के लिए जनमत जुटाया। (v) अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ने धन की व्यवस्था की और बाद में युद्ध में लड़ने गए, जहां 1824 में बुखार से उनकी मृत्यु हो गई। (vi) अंततः, 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**s-3**
32	**1931 में पोलिश भाषा किस प्रकार रूसी प्रभुत्व के विरूद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी थी?** (i) पोलैंड का विभाजन महान शक्तियों—रूस, ऑस्ट्रिया और प्रशिया द्वारा किया गया था। हालाँकि पोलैंड एक स्वतंत्र क्षेत्र के रूप में अस्तित्व में नहीं था, फिर भी भाषा के माध्यम से राष्ट्रीय भावनाओं को जीवित रखा गया था। (ii) रूसी कब्जे के बाद, पोलिश भाषा को स्कूलों से बाहर कर दिया गया और हर जगह रूसी भाषा थोप दी गई। (iii) 1831 में रूसी शासन के विरुद्ध एक सशस्त्र विद्रोह हुआ जिसे अंततः कुचल दिया गया। इसके बाद, पोलैंड में पादरी वर्ग के कई सदस्यों ने भाषा को राष्ट्रीय प्रतिरोध के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। (iv) चर्च की सभाओं और सभी धार्मिक निर्देशों के लिए पोलिश का उपयोग किया जाता था। (v) परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में पुजारियों और बिशपों को रूसी भाषा में उपदेश देने से इनकार करने की सजा के रूप में रूसी अधिकारियों द्वारा जेल में डाल दिया गया या साइबेरिया भेज दिया गया। (vi) पोलिश के प्रयोग को रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	

	किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।	
33	1871 के बाद किस प्रकार बाल्कन क्षेत्र यूरोप में गंभीर राष्ट्रवादी तनाव के स्रोत बन गया? (i) बाल्कन भौगोलिक और जातीय विविधता वाला क्षेत्र था। (ii) बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। (iii) आटोमन साम्राज्य के विघटन के साथ बाल्कन में रूमानी राष्ट्रवाद के विचारों के प्रसार ने इस क्षेत्र को बहुत विस्फोटक बना दिया। (iv) एक–एक करके, इसकी यूरोपीय विषय राष्ट्रीयताएँ इसके नियंत्रण से अलग हो गईं और स्वतंत्रता की घोषणा की। (v) बाल्कन लोगों ने स्वतंत्रता या राजनीतिक अधिकारों के लिए अपने दावों को राष्ट्रीयता पर आधारित किया। (vi) चूंकि विभिन्न स्लाव राष्ट्रीयताओं ने अपनी पहचान और स्वतंत्रता को परिभाषित करने के लिए संघर्ष किया, बाल्कन क्षेत्र तीव्र संघर्ष का क्षेत्र बन गया। (vii) बाल्कन राज्य एक–दूसरे से बहुत ईर्ष्या करते थे और प्रत्येक को दूसरे की कीमत पर अधिक क्षेत्र हासिल करने की आशा करते थे। (viii) मामला और भी जटिल हो गया क्योंकि बाल्कन भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता का स्थल बन गया। (ix) इस अवधि के दौरान, व्यापार और उपनिवेशों के साथ–साथ नौसैनिक और सैन्य शक्ति को लेकर यूरोपीय शक्तियों के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता थी। (x) प्रत्येक शक्ति – रूस, जर्मनी, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया–हंगरी – बाल्कन पर अन्य शक्तियों की पकड़ का मुकाबला करने और क्षेत्र पर अपना नियंत्रण बढ़ाने के लिए उत्सुक थी। (xi) इसके कारण क्षेत्र में कई युद्ध हुए और अंततः प्रथम विश्व युद्ध हुआ। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।	

अध्याय 2: भारत में राष्ट्रवाद

		सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
	2 अंक	**32-1-1**
1	**भारत में "आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय के उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलनों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** (i) औपनिवेशिक शासकों के खिलाफ संघर्ष के दौरान लोग आपसी एकता को पहचानने लगे थे। (ii) उपनिवेशवाद के अंतर्गत उत्पीड़न और दमन के साझा भाव ने विभिन्न समूहों को एक दुसरे से बाँध दिया था। (iii) हर वर्ग और समूह पर उपनिवेशवाद का असर एक जैसा नहीं था, उनके अनुभव भी अलग थे और स्वतंत्रता के मायने भी भिन्न थे। (iv) असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन आदि जैसे उपनिवेश विरोधी आंदोलनों ने भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय में बड़ा योगदान दिया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
2	**गाँधीजी ने क्यों कहा कि "सत्याग्रह तो शुद्ध आत्मबल है"? दो तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।** (i) सत्याग्रह तो शुद्ध आत्मबल है। सत्य ही आत्मा का आधार होता है इसलिए इस बल को सत्याग्रह का नाम दिया गया है। (ii) आत्मा ज्ञान से हमेशा लैस होती है। इसमें प्यार की लौ जलती है। अहिंसा सर्वोच्च धर्म है। (iii) महात्मा गांधी के अनुसार, सत्याग्रह शारीरिक बल नहीं है। (iv) सत्याग्रही अपने शत्रु को कष्ट नहीं पहुँचाताः वह अपने शत्रु का विनाश नहीं चाहता। सत्याग्रह के प्रयोग में दुर्भावना के लिए कोई स्थान नहीं होता । (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	
3	**"आदिवासी किसानों ने महात्मा गांधी के सन्देश और स्वराज के विचार का कुछ और हीं मतलब निकाला।" असहयोग आन्दोलन के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) असहयोग आंदोलन की शुरुआत पहले शहरों में हुई, फिर यह तेजी से गांवों और जनजातीय क्षेत्रों में फैल गया। सभी ने स्वराज के आह्वान को स्वीकार तो किया, लेकिन उनके लिए उसके अर्थ अलग-अलग थे। (ii) आदिवासी किसानों ने महात्मा गांधी के संदेश और स्वराज के विचार का कुछ और ही मतलब निकाला। (iii) आंध्र प्रदेश के गूडेम पहाड़ियों में, 1920 के दशक की शुरुआत में एक उग्र गुरिल्ला आंदोलन फैल गया। कांग्रेस इस तरह के संघर्ष को कभी स्वीकार नहीं कर सकती थी।	

	(iv) अन्य वन क्षेत्रों की तरह अंग्रेजी सरकार ने बड़े-बड़े जंगलों में लोगों के दाखिल होने पर पाबन्दी लगा दी थी। लोग इन जंगलों में न तो मवेशियों को चरा सकते थे न ही जलावन के लिए लकड़ी और फल बीन सकते थे। इससे पहाड़ों के लोग परेशान और गुस्सा थे। (v) न केवल उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ा था बल्कि उन्हें लगता था कि उनके परंपरागत अधिकार भी छीने जा रहे हैं। (vi) जब सरकार ने उन्हें सड़कों के निर्माण के लिए बेगार करने पर मजबूर किया, तो लोगों ने विद्रोह कर दिया। (vii) उनके नेता, अल्लूरी सीताराम राजू ने दावा किया कि उनके पास बहुत सारी विशेष शक्तियां हैं। (viii) वे असहयोग आन्दोलन से प्रेरित थे तथा उन्होंने लोगों को खादी पहनने तथा शराब छोड़ने के लिए प्रेरित किया। (ix) साथ ही उन्होंने यह दावा भी किया कि भारत अहिंसा के बल पर नहीं बल्कि केवल बल प्रयोग के जरिये ही स्वतंत्र हो सकता है। (x) गुडेम विद्रोहियों ने पुलिस थानों पर हमले किये, ब्रिटिश अधिकारियों को मारने की कोशिश की और स्वराज प्राप्ति के लिए गुरिल्ला युद्ध चलाते रहे। 1924 में राजू को पकड़ लिया गया और फांसी दे दी गई। राजू अपने लोगों के बीच लोक नायक बन गए। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-1-2**
4	**महात्मा गांधी के विचारों और स्वराज की अवधारण के बारे में मजदूरों की अपनी समझ थी।" असम के बागानी मजदूरों के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) महात्मा गाँधी के विचारों और स्वराज की अवधारणा के बारे में मजदूरों की अपनी समझ थी। (ii) असम के बागानी मजदूरों के लिए आजादी का मतलब यह था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहें आ-जा सकते हैं जिनमें उनको बंद करके रखा गया था। (iii) उनके लिए आजादी का मतलब था कि वे अपने गाँवों से संपर्क रख पाएँगे। (iv) 1859 के इनलैंड इमिग्रेशन एक्ट के तहत बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना इजाजत बागान से बाहर जाने की इजाजत नहीं होती थी और यह इजाजत उन्हें विरले ही कभी मिलती थी। (v) जब उन्होंने असहयोग आंदोलन के बारे में सुना तो हजारों मजदूर अपने अधिकारियों की अवहेलना करने लगे। उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घर की घर लौटने की उम्मीद में गाँवों की ओर चल पड़े। (vi) उनकी कल्पना थी कि अब गाँधी राज आ रहा है इसलिए अब तो हरेक को गाँव में जमीन मिल जाएगी। (vii) लेकिन वे अपने मंजिल पर नहीं पहुँच पाए। रेल और स्टीमरों की हड़ताल के कारण वे रास्ते में ही फँस गए। उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और उनकी बुरी तरह पिटाई हुई। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-1-3**
5	**"राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोक कथाओं को पुनर्जीवित करने के आन्दोलन से मज़बूत हुआ।" राष्ट्रीय आन्दोलन के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) उन्नीसवीं सदी के आखिर में राष्ट्रवादियों ने भाटों व चारणों द्वारा गाई-सुनाई जाने वाली लोक कथाओं को दर्ज करना शुरू कर दिया। (ii) वे लोक गीतों व जनश्रुतियों को इकट्ठा करने के लिए गाँव-गाँव घूमने लगे।	

	(iii) उनका मानना था कि यही कहानियाँ हमारी उस परंपरागत संस्कृति की सही तस्वीर पेश करती हैं जो बाहरी ताकतों के प्रभाव से भ्रेष्ठ और दूषित हो चुकी है। (iv) अपनी राष्ट्रीय पहचान को दृढ़ और अपने अतीत में गौरव का भाव पैदा करने के लिए इस लोक परंपरा को बचाकर रखना जरूरी था। (v) बंगाल में खुद रवीन्द्रनाथ टैगोर भी लोक गाथा गीत, बाल गीत और मिथकों को इकट्ठा करने निकल पड़े। उन्होंने लोक परंपराओं को पुनर्जीवित करने वाले आंदोलन का नेतृत्व किया। (vi) मद्रास में नटेसा शास्त्री ने द फोकलॉर्स ऑफ सदर्न इंडिया के नाम से तमिल लोक कथाओं का विशाल संकलन चार खंडों में प्रकाशित किया। (vii) उनका मानना था कि लोक कथाएँ राष्ट्रीय साहित्य होती हैं; यह लोगों के असली विचारों और विशिष्टताओं की सबसे विश्वसनीय अभिव्यक्ति है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-2-1**
6	**महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन वापस लेने का फैसला क्यों किया? किन्हीं तीन कारणों का विश्लेषण कीजिए।** (i) फरवरी 1922 में, महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस लेने का फैसला किया। (ii) उन्हें लगा कि आंदोलन कई जगहों (जैसे चौरी-चौरा) पर हिंसक हो रहा है और बड़े पैमाने पर संघर्षों के लिए तैयार होने से पहले सत्याग्रहियों को उचित रूप से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। (iii) कांग्रेस के भीतर, कुछ नेता इस तरह के जनसंघर्षों से थक चुके थे। (iv) वे 1919 के गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट के तहत गठित की गई प्रांतीय परिषदों के चुनावों में भाग लेना चाहते थे। (v) उन्हें लगता था कि परिषदों में रहते हुए ब्रिटिश नीतियों का विरोध करना, सुधारों की वकालत करना और यह दिखाना भी महत्वपूर्ण है कि ये परिषदें लोकतांत्रिक नहीं हैं। (vi) सी. आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने परिषद राजनीति में वापस लौटने के लिए कांग्रेस के भीतर ही स्वराज पार्टी का गठन किया। (vii) लेकिन जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस जैसे युवा नेताओं ने अधिक उग्र जन आंदोलन और पूर्ण स्वतंत्रता के लिए दबाव बनाए हुए थे। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-2-2**
7	**'सविनय अवज्ञा आंदोलन' में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) सविनय अवज्ञा आन्दोलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता महिलाओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी थी। (ii) गांधीजी के नमक सत्याग्रह के दौरान, हजारों महिलाएं उन्हें सुनने के लिए अपने घरों से बाहर आईं।	

	(iii) उन्होंने जलूसों में भाग लिया, नमक बनाया और विदेशी कपड़े और शराब की दुकानों पर धरना दिया। (iv) बहुत सारी महिलाएं जेल गईं। शहरी क्षेत्रों में ये महिलाएँ उच्च जाति के परिवारों से थीं जबकि ग्रामीण इलाकों में संपन्न किसान परिवारों की महिलाएं आन्दोलन में हिस्सा ले रहीं थीं। (v) गांधीजी के आह्वान से प्रेरित होकर, वे राष्ट्र की सेवा को महिलाओं के पवित्र दायित्व के रूप में देखने लगीं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(कोई तीन बिंदुओं का विश्लेषण किया जाना है।)**	
	2 अंक	**32-2-3**
8	**भारत में उन्नीसवीं वीं सदी के अंत तक आते-आते इतिहास की पुनर्व्याख्या किस प्रकार राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने का साधन बन गई? व्याख्या कीजिए।** (i) उन्नीसवीं सदी के अंत तक कई भारतीयों को लगने लगा कि राष्ट्र में गौरव की भावना पैदा करने के लिए भारतीय इतिहास के बारे में अलग ढंग से सोचना होगा। (ii) अंग्रेज भारतीयों को पिछड़ा और आदिम मानते थे, जो खुद पर शासन करने में असमर्थ थे। जवाब में, भारतीयों ने भारत की महान उपलब्धियों की खोज के लिए अतीत की ओर देखना शुरू किया। (iii) उन्होंने प्राचीन काल के गौरवशाली विकासों के बारे में लिखा जब कला और वास्तुकला, विज्ञान और गणित, धर्म और संस्कृति, कानून और दर्शन, शिल्प और व्यापार विकसित हुए थे। (iv) उनके विचार में, इस गौरवशाली समय के बाद पतन का इतिहास आया, जब भारत का उपनिवेशिकरण हुआ। (v) इन राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने पाठकों से अतीत में भारत की महान उपलब्धियों पर गर्व करने और ब्रिटिश शासन के तहत दुर्दशा से मुक्ति के लिए संघर्ष करने का आग्रह किया। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
9	**भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में चिह्नों और प्रतीकों ने किस प्रकार लोगों में राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने में योगदान दिया? व्याख्या कीजिए।** (i) राष्ट्र की पहचान को अक्सर किसी आकृति या छवि में दर्शाया जाता है। इससे एक ऐसी छवि बनाने में मदद मिलती है जिससे लोग राष्ट्र की पहचान कर सकें। (ii) बीसवीं सदी में, राष्ट्रवाद के विकास के साथ भारत की पहचान भारत माता की छवि के रूप मे होने लगी। इस छवि का आरम्भ सबसे पहले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वन्देमातरम गीत के द्वारा किया। (iii) स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित होकर, अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता की अपनी प्रसिद्ध छवि चित्रित की।	

	(iv) बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान, एक तिरंगा झंडा (लाल, हरा और पीला) तैयार किया गया था। इसमें आठ कमल थे जो ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते थे, और एक अर्धचंद्र था, जो हिंदुओं और मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता था। (v) 1921 तक, गांधीजी ने स्वराज का झंडा तैयार कर लिया था। यह फिर से एक तिरंगा (लाल, हरा और सफेद) था और इसके मध्य में गांधीवादी प्रतीक चरखे को जगह दी गयी थी। (vi) जुलुसों के दौरान झंडा उठाना, उसे ऊंचा रखना, अवज्ञा का प्रतीक बन गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	
10	**'सविनय अवज्ञा आन्दोलन' में किसान समुदायों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) गांवों में समृद्ध किसान समुदाय - जैसे गुजरात के पाटीदार और उपयुक्त विकल्प प्रदेश के जाट - आंदोलन में सक्रिय थे। (ii) व्यावासिक फसलों के उत्पादक होने के कारण, व्यापार मंदी और गिरती कीमत के कारण उनकी नकद आय ख़त्म हो गई। (iii) उन्हें सरकारी लगान चुकाना असंभव लगने लगा और सरकार लगान कम करने को तैयार नहीं थी जिससे चारों तरफ असंतोष था। (iv) ये धनी किसान सविनय अवज्ञा आंदोलन के उत्साही समर्थक बन गए, उन्होंने अपने समुदायों को संगठित किया और कभी-कभी अनिच्छुक सदस्यों को बहिष्कार कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मजबूर किया। (v) उनके लिए स्वराज की लड़ाई भारी लगान के खिलाफ संघर्ष थी। लेकिन उन्हें तब गहरी निराशा हुई जब 1931 में राजस्व दरों में संशोधन किए बिना आंदोलन बंद कर दिया गया। (vi) गरीब किसान केवल लगान में कमी नहीं चाहते थे, बल्कि उनमें से बहुत सारे किसान जमींदारों से किराए पर ली गई जमीन पर खेती करते थे। (vii) जैसे-जैसे मंदी जारी रही और नकद आय कम हो गई, छोटे किरायेदारों को अपना किराया चुकाना मुश्किल हो गया। (viii) वे चाहते थे कि उन्हें जो ज़मींदारों का किराया चुकाना था उसे माफ कर दिया जाए। (ix) वे विभिन्न प्रकार के रेडिकल आंदोलनों में शामिल हुए, जिनका नेतृत्व अक्सर समाजवादियों और कम्युनिस्टों ने किया। (x) अमीर किसानों और जमींदारों को परेशान करने वाले मुद्दों को उठाने से डरते हुए, कांग्रेस ज्यादातर जगहों पर 'लगान नहीं' अभियान का समर्थन करने के लिए तैयार नहीं थी। (xi) इसी कारण गरीब किसानों और कांग्रेस के बीच सम्बन्ध अनिश्चित बने रहे। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	

	1 अंक	**32-3-1**
11	**निम्नलिखित ऐतिहासिक घटनाओं को कालानुक्रमासार व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** **I**. बारदोली सत्याग्रह II. रॉलट सत्याग्रह III. चंपारण सत्याग्रह IV. खेड़ा सत्याग्रह **विकल्प:** (A) I, II, III, IV (B) III, II, I, IV (C) II, I, IV, III (D) III, IV, II, I **उपयुक्त विकल्प: D. III, IV, II, I**	
	2 अंक	
12	**भारत पर प्रथम विश्वयुद्ध के किन्ही दो आर्थिक प्रभावों का उल्लेख कीजिए ।** (i) रक्षा व्यय में भारी वृद्धि की गई। (ii) करों में वृद्धि की गई। (iii) सीमा शुल्क बढ़ा दिया गया और आयकर शुरू किया गया। (iv) जबरन भर्ती शुरू किया गया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	
13	**भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष पर गाँधी-इरविन समझौते के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए ।** (i) इस समझौते के बाद महात्मा गाँधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस ले लिया। (ii) इस समझौते के जरिए गाँधी जी ने लंदन में होने वाले दूसरे गोल मेज सम्मेलन में हिस्सा लेने पर अपनी सहमती व्यक्त कर दी। (iii) इसके बदले सरकार राजनीतिक कैदियों को रिहा करने पर राज़ी हो गई। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
14	**भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में अल्लूरी सीताराम राजू की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।** (i) उन्होंने आंध्र प्रदेश के गुडेम पहाड़ियों में उग्र गुरिल्ला आंदोलन का नेतृत्व किया। (ii) उनका दावा था कि उनके पास बहुत सारी विशेष शक्तियाँ हैं। (iii) राजू के व्यक्तित्व से चमत्कृत विद्रोहियों को विश्वास था कि वह ईश्वर का अवतार है। (iv) राजू महात्मा गाँधी की महानता के गुण गाते थे। उन्होंने लोगों को खादी पहनने तथा शराब छोड़ने के लिए प्रेरित किया। (v) साथ ही, उन्होंने दावा भी किया कि भारत अहिंसा के बल पर नहीं बल्कि केवल बल प्रयोग के ज़रिये ही आज़ाद हो सकता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	

	5 अंक	32-4-1
15	**भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में असहयोग आंदोलन के महत्व की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित किया गया जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ाया जा सके। (ii) भारतीय वस्त्र (खादी) के उत्पादन में वृद्धि हुई। (iii) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया जिससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। (iv) विदेशी कपड़ों के आयात में कमी की गई। (v) भारतीयों द्वारा शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की गई। (vi) भारतीयों द्वारा उद्योगों की स्थापना की गई। (vii) स्वराज का विचार पूरे देश में फैल गया। (viii) राष्ट्रीय आंदोलन एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया। (ix) राष्ट्रवादी भावनाओं का प्रसार हुआ। (x) हिंदू मुस्लिम एकता। (xi) किसानों की भागीदारी। (xii) आदिवासियों की भागीदारी। (xiii) बागान मजदूरों की भागीदारी। (xiv) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
16	**सविनय अवज्ञा आंदोलन किस प्रकार एक जन आंदोलन बन गया? उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी मार्च आरंभ किया गया। (ii) यह आंदोलन 78 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुआ और धीरे – धीरे हजारों लोग इसमें शामिल हो गए। (iii) हजारों लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ा गया। (iv) सरकारी कानून को धता बताकर नमक का निर्माण किया गया। (v) सरकारी नमक कारखानों के सामने प्रदर्शन किया गया। (vi) औपनिवेशिक कानून तोड़े गए; किसानों ने राजस्व देने से इनकार कर दिया। (vii) चौकीदारी कर देने से इनकार किया। (viii) वनवासी लकड़ी इकट्ठा करने और मवेशी चराने के लिए आरक्षित वन में घुस गए। (ix) विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया गया। (x) शराब की दुकानों पर धरना दिया गया। (xi) धनी किसानों (पाटीदार और जाट) द्वारा भागीदारी की गई। (xii) गरीब किसानों द्वारा भागीदारी की गई। (xiii) भारतीय उद्योगपतियों की भागीदारी। (xiv) श्रमिकों ने भी इसमें भागीदारी की। (xv) महिलाओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी। (xvi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	5 अंक	32-4-2
17	**असहयोग आंदोलन में गाँधीजी की भूमिका की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।** (i) गांधीजी का असहयोग का विचार हिंद स्वराज में वर्णित अंग्रेजों के साथ सहयोग न करने के उनके विचार से उपजा है। (ii) गांधीजी चाहते थे कि आंदोलन चरणों में आगे बढ़े। (iii) ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रदान की गई उपाधियों का त्याग। (iv) ब्रिटिश सेवाओं का बहिष्कार जैसे सिविल सेवाओं, सेना, पुलिस, अदालतों, स्कूलों और विधान परिषदों का बहिष्कार। (v) ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार और खादी जैसे भारतीय सामानों को बढ़ावा देना। (vi) दमन के विरोध में पूर्ण सविनय अवज्ञा अभियान शुरू करना। (vii) गांधीजी द्वारा खिलाफत आंदोलन का समर्थन करने से हिंदु–मुस्लिम एकता को बढ़ावा मिला। (viii) कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में असहयोग आंदोलन को स्वीकार करवाने में महात्मा गांधी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। (ix) गांधीजी के आह्वान पर कस्बों और शहरों में मध्यम वर्ग की भागीदारी। (x) गांधीजी के नाम पर किसानों, आदिवासियों और बागान मजदूरों की भागीदारी। (xi) गांधीजी के असहयोग आंदोलन के आह्वान पर भारत के विभिन्न समुदायों को ब्रिटिश साम्राज्य के विरूद्ध इकट्ठा कर दिया। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
18	**सविनय अवज्ञा आंदोलन भारत में किस प्रकार सभी समुदायों को एक साथ लाने में समर्थ रहा? उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) वायसराय इरविन को लिखें पत्र में महात्मा गांधी ने 11 मांगे रखी थी जिसे वायसराय ने नहीं मांगा। जिसके कारण सभी लोग एकजुट हो गए। (ii) नमक कर के मुद्दे को उठाने से भारत भर के समुदाय एकजुट हुए क्योंकि नमक एक ऐसी वस्तु थी जिसका उपभोग अमीर और गरीब दोनों समान रूप से करते थे। (iii) नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी मार्च की शुरुआत हुई। (iv) 78 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुआ और इसमें हज़ारों लोग शामिल हुए। (v) हज़ारों लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ा गया। (vi) वनों में रहने वाले लोगों ने वन कानूनों को तोड़कर आंदोलन में भागीदारी की। (vii) किसानों ने चौकीदारी कर देने से मना कर दिया। (viii) अमीर किसानों (पाटीदार और जाट) की भागीदारी। (ix) गरीब किसानों की भागीदारी। (x) भारतीय उद्योगपतियों की भागीदारी। (xi) श्रमिकों की भागीदारी। (xii) महिलाओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी।	

	(xiii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-4-3**
19	**गांधीजी के नमक मार्च ने विभिन्न समूहों को ब्रिटिश शासन के विरूद्ध कैसे संगठित किया? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) नमक कर के मुद्दे ने संपूर्ण भारत के विभिन्न समुदायों को एकजुट किया क्योंकि नमक एक ऐसी वस्तु थी जिसका उपभोग अमीर और गरीब दोनों समान रूप से करते थे। (ii) नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी मार्च की शुरुआत की गई। (iii) 78 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुआ और इसमें हजारों लोग शामिल हुए। (iv) हजारों लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ा गया। (v) वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने वन कानूनों का उल्लंघन करके भागीदारी की। (vi) गांव के अधिकारियों द्वारा त्यागपत्र। (vii) अमीर किसानों (पाटीदार और जाट) की भागीदारी, जिन्हें सरकारी राजस्व का भुगतान करना असंभव लगा। (viii) गरीब किसानों की भागीदारी, जो जमींदारों को लगान नहीं दे सकते थे। (ix) भारतीय उद्योगपतियों की भागीदारी, जो ऐसी नीतियाँ चाहते थे जो मुक्त व्यापार को प्रतिबंधित न करें। (x) फैक्ट्री श्रमिकों द्वारा भागीदारी। (xi) महिलाओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
20	**''19वीं शताब्दी के दौरान भारत में इतिहास, लोककथाएं, गीत, प्रसिद्ध छाप, प्रतीकों ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना योगदान दिया।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) राष्ट्रवादी इतिहासकारों द्वारा अतीत का महिमामंडन करते हुए इतिहास की पुनर्व्याख्या। प्राचीन भारतीय कला, वास्तुकला, विज्ञान, कानून और दर्शन में रुचि को पुनर्जीवित करने का उद्देश्य भारतीयों में गर्व की भावना उत्पन्न करना था। (ii) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित आनंदमठ ने वंदे मातरम को लोकप्रिय बनाया जिसने लोगों को एकजुट किया क्योंकि इसे स्वदेशी आंदोलन के दौरान मातृभूमि के लिए एक भजन के रूप में व्यापक रूप से गाया गया। (iii) भारतीय लोककथाओं को पुनर्जीवित करने के आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रवाद का विचार विकास हुआ। (iv) उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में भारत में राष्ट्रवादियों ने भाटों द्वारा गाए गए लोक कथाओं को रिकॉर्ड करना शुरू किया और उन्होंने लोकगीतों और किंवदंतियों को इकट्ठा करने के लिए गाँवों का दौरा किया। (v) उनका मानना था कि ये कहानियाँ पारंपरिक संस्कृति की एक सच्ची तस्वीर पेश करती हैं। (vi) रवींद्रनाथ टैगोर ने गाथागीत, नर्सरी राइम्स और मिथकों का संग्रह किया। मद्रास में, नटेसा शास्त्री ने तमिल कहानियों का एक चार–खंड संग्रह प्रकाशित किया, जिसका नाम था ''द फोकलोर्स ऑफ सदर्न इंडिया''	

	(vii) अबनिंद्रनाथ टैगोर ने भारत माता की छवि बनाई। माँ की छवि के प्रति समर्पण को राष्ट्रवाद के प्रमाण के रूप में देखा गया। (viii) जैसे–जैसे राष्ट्रीय आंदोलन विकसित हुआ, नेताओं को लोगों को एकजुट करने के लिए प्रतीकों और रूपकों के बारे में पता चला। (ix) बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान, एक तिरंगा झंडा (लाल, हरा और पीला) डिज़ाइन किया गया था। इसमें आठ कमल थे जो ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते थे और एक अर्धचंद्र था, जो हिंदुओं और मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता था। (x) 1921 तक गांधीजी ने स्वराज ध्वज डिज़ाइन कर लिया था जो बीच में चरखे के साथ एक तिरंगा था। (xi) मार्च के दौरान झंडा लेकर चलना अवज्ञा का प्रतीक बन गया। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-5-1**
21	**'सविनय अवज्ञा आंदोलन' में देश को एकजुट करने के लिए 'नमक' किस प्रकार एक शक्तिशाली हथियार बन गया? किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए।** (i) सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरूआत नमक कानून को तोड़ने से हुई। (ii) नमक का इस्तेमाल अमीर व गरीब सभी समान रूप से करते थे। (iii) यह भोजन का एक अभिन्न हिस्सा था। (iv) नमक पर कर व उसके उत्पादन पर सरकारी इजारेदारी ब्रिटिश शासन का सबसे दमनकारी पहलू था। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
22	**औपनिवेशिक सरकार ने किस प्रकार 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' का दमन किया? व्याख्या कीजिए।** (i) एक – एक करके औपनिवेशिक सरकार ने कांग्रेस के नेताओं को गिरफ्तार करना आरंभ कर दिया। (ii) इससे बहुत सारे स्थानों पर हिंसक टकराव हुए। (iii) अप्रैल 1930 में महात्मा गांधी के समर्पित साथी अब्दुल गफ्फार खान को गिरफ्तार किया गया। (iv) गुस्साई भीड़ सशस्त्र बख्तरबंद गाड़ियों और पुलिस की गोलियों का सामना करने के लिए पेशावर की सड़कों पर उतर गई। (v) बहुत सारे लोग मारे गए। (vi) महीने भर बाद महात्मा गांधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। (vii) शोलापुर के औद्योगिक मजदूरों ने अंग्रेजी शासन के प्रतीक पुलिस चौकियों, नगरपालिका भवनों, अदालतों और रेलवे स्टेशनों पर हमले शुरू कर दिए। (viii) भयभीत सरकार ने निर्मम दमन की नीति का अनुपालन किया। (ix) शांतिपूर्ण सत्याग्रहियों पर हमले किए गए, औरतों व बच्चों को मारा –पीटा गया और काफी लोगों को गिरफ्तार किया गया। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	3 अंक	
23	**आर्थिक मोर्चे पर असहयोग आंदोलन के तीन प्रमुख प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।** (i) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। (ii) शराब की दुकानों की पिकेटिंग की गई। (iii) विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। (iv) विदेशी कपड़ों का आयात आधा हो गया। (v) कई स्थानों पर व्यापारियों और कारोबारियों ने विदेशी वस्तुओं का व्यापार करने या विदेशी व्यापार में पैसा लगाने से इंकार कर दिया। (vi) भारतीय कपड़ा मिलों और हथकरघों का उत्पादन भी बढ़ गया। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
24	**असहयोग आंदोलन शहरों में क्यों धीमा पड़ने लगा था? तीन कारणों का विश्लेषण कीजिए।** (i) खादी का कपड़ा अक्सर बड़े पैमाने पर उत्पादित मिल के कपड़े से अधिक महंगा होता था और गरीब लोग इसे खरीद नहीं पाते थे। (ii) ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार ने समस्या खड़ी कर दी। (iii) आंदोलन को सफल बनाने के लिए, वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना जरूरी थी। ताकि उन्हें ब्रिटिश संस्थानों के स्थान पर इस्तेमाल किया जा सके। (iv) वैकल्पिक संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया काफी धीमी थी। (v) विद्यार्थी और शिक्षक सरकारी स्कूलों में वापस आने लगे और वकील सरकारी अदालतों में काम करने लगे। (vi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-5-2**
25	**'सविनय अवज्ञा आंदोलन' में देश को एकजुट करने के लिए 'नमक' किस प्रकार एक शक्तिशाली हथियार बन गया? किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए।** (i) सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरूआत नमक कानून को तोड़ने से हुई। (ii) नमक का इस्तेमाल अमीर व गरीब सभी समान रूप से करते थे। (iii) यह भोजन का एक अभिन्न हिस्सा था। (iv) नमक पर कर व उसके उत्पादन पर सरकारी इजारेदारी ब्रिटिश शासन का सबसे दमनकारी पहलू था। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
26	**औपनिवेशिक सरकार ने किस प्रकार 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' का दमन किया? व्याख्या कीजिए।** (i) एक – एक करके औपनिवेशिक सरकार ने कांग्रेस के नेताओं को गिरफ्तार करना आरंभ कर दिया। (ii) इससे बहुत सारे स्थानों पर हिंसक टकराव हुए। (iii) अप्रैल 1930 में महात्मा गांधी के समर्पित साथी अब्दुल गफ्फार खान को गिरफ्तार किया गया।	

	(iv) गुस्साई भीड़ सशस्त्र बख्तरबंद गाड़ियों और पुलिस की गोलियों का सामना करने के लिए पेशावर की सड़कों पर उतर गई। (v) बहुत सारे लोग मारे गए। (vi) महीने भर बाद महात्मा गांधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। (vii) शोलापुर के औद्योगिक मजदूरों ने अंग्रेजी शासन के प्रतीक पुलिस चौकियों, नगरपालिका भवनों, अदालतों और रेलवे स्टेशनों पर हमले शुरू कर दिए। (viii) भयभीत सरकार ने निर्मम दमन की नीति का अनुपालन किया। (ix) शांतिपूर्ण सत्याग्रहियों पर हमले किए गए, औरतों व बच्चों को मारा –पीटा गया और काफी लोगों को गिरफ्तार किया गया। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	
27	**आर्थिक मोर्चे पर असहयोग आंदोलन के तीन प्रमुख प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।** (i) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। (ii) शराब की दुकानों की पिकेटिंग की गई। (iii) विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। (iv) विदेशी कपड़ों का आयात आधा हो गया। (v) कई स्थानों पर व्यापारियों और कारोबारियों ने विदेशी वस्तुओं का व्यापार करने या विदेशी व्यापार में पैसा लगाने से इंकार कर दिया। (vi) भारतीय कपड़ा मिलों और हथकरघों का उत्पादन भी बढ़ गया। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
28	**असहयोग आंदोलन शहरों में क्यों धीमा पड़ने लगा था? तीन कारणों का विश्लेषण कीजिए।** (i) खादी का कपड़ा अक्सर बड़े पैमाने पर उत्पादित मिल के कपड़े से अधिक महंगा होता था और गरीब लोग इसे खरीद नहीं पाते थे। (ii) ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार ने समस्या खड़ी कर दी। (iii) आंदोलन को सफल बनाने के लिए, वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना जरूरी थी। ताकि उन्हें ब्रिटिश संस्थानों के स्थान पर इस्तेमाल किया जा सके। (iv) वैकल्पिक संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया काफी धीमी थी। (v) विद्यार्थी और शिक्षक सरकारी स्कूलों में वापस आने लगे और वकील सरकारी अदालतों में काम करने लगे। (vi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-6-1**
29	**भारतीयों ने जलियाँवाला बाग हत्याकांड की प्रतिक्रिया किस प्रकार की? स्पष्ट कीजिए।** (i) 13 अप्रैल को जलियाँवाला बाग् हत्याकांड हुआ। (ii) उस दिन अमृतसर में बहुत सारे लोग सालाना वैसाखी मेले में शिरकत करने के लिए जलियाँवाला बाग मैदान में जमा हुए थे।	

	(iii) शहर से बाहर होने के कारण वहाँ जुटे लोगों को यह पता नहीं था कि इलाके में मार्शल लॉ लागू किया जा चुका है। (iv) जनरल डायर हथियारबंद सैनिकों के साथ वहाँ पहुँचा और जाते ही उसने मैदान से बाहर निकलने के सारे रास्तों को बंद कर दिया। इसके बाद उसके सिपाहियों ने भीड़ पर अंधाधुंध गोलियाँ चला दीं। सैंकड़ों लोग मारे गए। (v) बाद में उसने बताया कि वह सत्याग्रहियों के ज़हन में दहशत और विस्मय का भाव पैदा करके 'एक नैतिक प्रभाव उत्पन्न करना चाहता था। (vi) उपयुक्त विकल्प भारत के कई शहरों में भीड़ सड़कों पर उतर आई। (vii) हड़तालें हुईं, पुलिस के साथ झड़पें हुईं और सरकारी इमारतों पर हमले हुए। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
30	**भारत में उन्नीसवीं वीं सदी के अंत तक आते-आते इतिहास की पुनर्व्याख्या किस प्रकार राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने का साधन बन गई? व्याख्या कीजिए।** (i) उन्नीसवीं सदी के अंत तक कई भारतीयों को लगने लगा कि राष्ट्र में गौरव की भावना पैदा करने के लिए भारतीय इतिहास के बारे में अलग ढंग से सोचना होगा। (ii) अंग्रेज भारतीयों को पिछड़ा और आदिम मानते थे, जो खुद पर शासन करने में असमर्थ थे। जवाब में, भारतीयों ने भारत की महान उपलब्धियों की खोज के लिए अतीत की ओर देखना शुरू किया। (iii) उन्होंने प्राचीन काल के गौरवशाली विकासों के बारे में लिखा जब कला और वास्तुकला, विज्ञान और गणित, धर्म और संस्कृति, कानून और दर्शन, शिल्प और व्यापार विकसित हुए थे। (iv) उनके विचार में, इस गौरवशाली समय के बाद पतन का इतिहास आया, जब भारत का उपनिवेशिकरण हुआ। (v) इन राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने पाठकों से अतीत में भारत की महान उपलब्धियों पर गर्व करने और ब्रिटिश शासन के तहत दुर्दशा से मुक्ति के लिए संघर्ष करने का आग्रह किया। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
31	**भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में चिह्नों और प्रतीकों ने किस प्रकार लोगों में राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने में योगदान दिया? व्याख्या कीजिए।** (i) राष्ट्र की पहचान को अक्सर किसी आकृति या छवि में दर्शाया जाता है। इससे एक ऐसी छवि बनाने में मदद मिलती है जिससे लोग राष्ट्र की पहचान कर सकें। (ii) बीसवीं सदी में, राष्ट्रवाद के विकास के साथ भारत की पहचान भारत माता की छवि के रूप मे होने लगी। इस छवि का आरम्भ सबसे पहले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वन्देमातरम गीत के द्वारा किया । (iii) स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित होकर, अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता की अपनी प्रसिद्ध छवि चित्रित की।	

	(iv) बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान, एक तिरंगा झंडा (लाल, हरा और पीला) तैयार किया गया था। इसमें आठ कमल थे जो ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते थे, और एक अर्धचंद्र था, जो हिंदुओं और मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता था। (v) 1921 तक, गांधीजी ने स्वराज का झंडा तैयार कर लिया था। यह फिर से एक तिरंगा (लाल, हरा और सफेद) था और इसके मध्य में गांधीवादी प्रतीक चरखे को जगह दी गयी थी। (vi) जुलुसों के दौरान झंडा उठाना, उसे ऊंचा रखना, अवज्ञा का प्रतीक बन गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	4 अंक	
32	**निम्नलिखित स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प लिखिए:** **स्वतंत्रता दिवस की शपथ, 26 जनवरी 1930** “हमारा विश्वास है कि किसी भी समाज की तरह भारतीय जनता का भी यह एक अहरणीय (inalienable) अधिकार है कि उन्हें आजादी मिले, अपनी मेहनत का फल मिले और जीवन की सभी आवश्यकताएँ पूरी हो, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के परिपूर्ण अबसर मिलें। हमारा यह भी विश्वास है कि यदि कोई भी सरकार अपनी जनता को इन अधिकारों से वंचित रखती है और दबाती है तो जनता को भी सरकार को बदलने या उसे समूल समाप्त करने का अधिकार है। भारत में ब्रितानी सरकार ने न केवल भारतीय जनता को स्वतंत्रता से वंचित किया है बल्कि उसने जनता का शोषण किया है और देश को आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर नष्ट कर दिया है। इसलिए हमारा विश्वास है कि भारत को अनिवार्य रूप से ब्रिटेन के साथ अपने सभी संबंधों को समाप्त करके पूर्ण स्वराज प्राप्त करना चाहिए।“ **1. भारत में स्वराज को अहरणीय अधिकार क्यों माना गया? (1)** (i) प्रत्येक भारतीय के स्वतंत्रता एवं पूर्ण विकास के लिए स्वराज एक आवश्यक शर्त है। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।** **2. स्रोत में किस प्रकार की सरकार के समर्थन का वर्णन है? (1)** (i) स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक सरकार। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किसी एक बिंदु का वर्णन अपेक्षित है।)** **3. भारत में ब्रितानी शासन के किन्हीं दो प्रभावों की व्याख्या कीजिए। (2)** (i) भारत में ब्रितानी शासन ने इसे आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से बर्बाद कर दिया। (ii) भारत में ब्रितानी शासन ने भारतीय लोगों को उनकी स्वतंत्रता से वंचित कर दिया। (iii) जनता का शोषण किया। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	

	2 अंक	**32-6-2**
33	**भारत में रॉलेट एक्ट का विरोध क्यों किया गया?** (i) गाँधी जी ने 1919 में प्रस्तावित रॉलट एक्ट के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह आंदोलन चलाने का फैसला लिया। (ii) भारतीय सदस्यों के भारी विरोध के बावजूद इस कानून को इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने बहुत जल्दबाजी में पारित कर दिया था। (iii) इस कानून के जरिए सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने का अधिकार मिल गया। (iv) इसके द्वारा राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था। (v) महात्मा गाँधी ऐसे अन्यायपूर्ण कानूनों के खिलाफ अहिंसक ढंग से नागरिक अवज्ञा चाहते थे। इसे 6 अप्रैल को एक हड़ताल से शुरू होना था। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-6-3**
34	**असहयोग आन्दोलन के दौरान असम के बागान मजदूरों के लिए स्वराज की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।** (i) महात्मा गाँधी के विचारों और स्वराज की अवधारणा के बारे में मजदूरों की अपनी समझ थी। (ii) असम के बागानी मजदूरों के लिए आजादी का मतलब यह था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहें आ-जा सकते हैं जिनमें उनको बंद करके रखा गया था। (iii) उनके लिए आजादी का मतलब था कि वे अपने गाँवों से संपर्क रख पाएँगे। (iv) 1859 के इनलैंड इमिग्रेशन एक्ट के तहत बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना इजाजत बागान से बाहर जाने की इजाजत नहीं होती थी और यह इजाजत उन्हें विरले ही कभी मिलती थी। (v) जब उन्होंने असहयोग आंदोलन के बारे में सुना तो हजारों मजदूर अपने अधिकारियों की अवहेलना करने लगे। उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घर की घर लौटने की उम्मीद में गाँवों की ओर चल पड़े। (vi) उनकी कल्पना थी कि अब गाँधी राज आ रहा है इसलिए अब तो हरेक को गाँव में जमीन मिल जाएगी। (vii) लेकिन वे अपने मंजिल पर नहीं पहुँच पाए। रेल और स्टीमरों की हड़ताल के कारण वे रास्ते में ही फँस गए। उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और उनकी बुरी तरह पिटाई हुई। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**s-1**
35	असहयोग आंदोलन के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण कीजिए। (i) विदेशी सामानों का बहिष्कार (ii) स्वदेशी उद्योगों का विकास (iii) ब्रिटिश कंपनियों के राजस्व में गिरावट (iv) सरकार के राजस्व पर बुरा असर (v) स्व आर्थिक निर्भरता (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।	

36	**"भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय की परिघटना उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन के साथ गहरे तौर जुड़ी हुई थी।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।** (i) औपनिवेशिक शासकों के खिलाफ संघर्ष के दौरान लोग आपसी एकता को पहचानने लगे। (ii) उत्पीड़न और दमन के साझा भाव ने विभिन्न समूहों को एक दूसरे से बाँध दिया था। (iii) महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने इन समूहों को इकट्ठा करके एक विशाल आंदोलन खड़ा किया। (iv) भारत माता एवं वंदे मात्रम राष्ट्रवाद के प्रतीक बन गए। (v) ब्रिटिश सरकार विरोधी आंदोलन जैसे – असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन आदि उपनिवेशवाद विरोध का प्रतीक बन गए। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
37	**असहयोग आंदोलन के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।** (i) विदेशी सामानों का बहिष्कार (ii) स्वदेशी उद्योगों का विकास (iii) ब्रिटिश कंपनियों के राजस्व में गिरावट (iv) सरकार के राजस्व पर बुरा असर (v) स्व आर्थिक निर्भरता (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**s-2**
38	**"भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय की परिघटना उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन के साथ गहरे तौर जुड़ी हुई थी।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।** (i) औपनिवेशिक शासकों के खिलाफ संघर्ष के दौरान लोग आपसी एकता को पहचानने लगे। (ii) उत्पीड़न और दमन के साझा भाव ने विभिन्न समूहों को एक दूसरे से बाँध दिया था। (iii) महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने इन समूहों को इकट्ठा करके एक विशाल आंदोलन खड़ा किया। (iv) भारत माता एवं वंदे मात्रम राष्ट्रवाद के प्रतीक बन गए। (v) ब्रिटिश सरकार विरोधी आंदोलन जैसे – असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन आदि उपनिवेशवाद विरोध का प्रतीक बन गए। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	

अध्याय 3: भूमंडलीकृत विश्व का बनना

	1 अंक	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**उन्नीसवीं सदी तक लीगों के यूरोप से अमेरिका जाने के निम्नलिखित कारणों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** I. गरीबी और भूख II. गुलामों की खरीद-फरोख्त III. बीमारियों का बोलबाला IV. धार्मिक टकराव और दंड विकल्प: A. केवल I, II और III सही हैं B. केवल II, III और IV सही हैं C. केवल I, III और IV सही हैं D. केवल I, II और IV सही हैं **उपयुक्त विकल्प: D.** केवल I, II और IV सही हैं	**32-1-1**
2	**'आलू अकाल' का संबंध निम्नलिखित में से किस देश से था?** (A) इंग्लैंड (B) आयरलैंड (C) फ़िनलैंड (D) स्कॉटलैंड **उपयुक्त विकल्प:** आयरलैंड	
3	**सोलहवीं शताब्दी के मध्य में, चेचक जैसी बीमारियाँ निम्नलिखित में से किसके द्वारा अमेरिका पहुँचीं?** (A) स्पेनिश सैनिक (B) फ्रांसीसी व्यापारी (C) पुर्तगाली नाविक (D) ब्रिटिश पर्यटक **उपयुक्त विकल्प: C.** पुर्तगाली नाविक	
	1 अंक	**32-3-1**
4	**सोलहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में किस बीमारी के कीटाणुओं ने अमेरिका पर यूरोप की विजय का मार्ग प्रशस्त किया?** (A) हैजा (B) चेचक (C) पीलिया (D) मलेरिया **उपयुक्त विकल्प B.** चेचक	

	2 अंक	32-4-1
5	**यूरोपीय हस्तक्षेप से पहले भारतीय उपमहाद्वीप व्यापारिक नेटवर्क के लिए क्यों महत्वपूर्ण था? स्पष्ट कीजिए।** (i) भारतीय उपमहाद्वीप पूर्व को पश्चिम से जोड़ने वाले रेशम मार्ग जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्गों पर अवस्थित है। (ii) यह व्यापार नेटवर्क का केंद्र था। (iii) यह व्यापारिक मार्गों को भूमि एवं जल से जोड़ता है। (iv) चीनी पॉटरी, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया से कपड़े व मसाले इन मार्गों के माध्यम से पहुँचाए जाते थे। (v) इसने वस्तुओं, लोगों, ज्ञान, रीति–रिवाजों आदि के आदान–प्रदान में मदद की। (vi) इस प्रकार, भारत इन महाद्वीपों के बीच व्यापार नेटवर्क के केंद्र में था और इस व्यापार में भाग लेता था। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
6	**रेशम मार्ग (सिल्क मार्ग) ने किस प्रकार दुनिया को जोडा था? किन्हीं दो उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) सिल्क मार्ग दुनिया के दूर–दराज के हिस्सों के बीच पूर्व–आधुनिक व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों का जीवंत उदाहरण हैं। (ii) इतिहासकारों ने जमीन और समुद्र के रास्ते कई रेशम मार्गों की पहचान की है, जो एशिया के विशाल क्षेत्रों को एक साथ जोड़ते हैं तथा एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ते हैं। (iii) इसी मार्ग से चीनी मिट्टी के बर्तन (पॉटरी) जाते थे। इसी मार्ग से भारत और दक्षिण पूर्व एशिया से कपड़ा और मसालें दुनिया के दूसरे भागों में पहुचँते थे। वापसी में बहुमूल्य धातुएँ–सोना और चाँदी–यूरोप से यहाँ पहुँची। (iv) व्यापार और सांस्कृतिक आदान – प्रदान, दोनो प्रक्रियाएँ साथ – साथ चलती थी। शुरूआती काल के ईसाई मिशनरी निश्चय ही इसी मार्ग से एशिया में आते होंगे। कुछ सदी बाद मुस्लिम धर्मोपदेशक भी इसी रास्ते से दुनिया में फैले। (v) पूर्वी भारत में उपजा बौद्ध धर्म सिल्क मार्ग की विविध शाखाओं से ही कई दिशाओं में फैला। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

7	**हमारे खाद्य पदार्थों ने दूर देशों के बीच किस प्रकार सांस्कृतिक आदान – प्रदान सुगम किया था? किन्हीं दो उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) व्यापारी और मुसाफिर जब किसी नए देश में जाते तो अपने साथ वहाँ पर नयी फसलों के बीज बो आते थे। संभव है कि दुनिया के विभिन्न भागों में मिलने वाले 'झटपट तैयार होने वाले' खाद्य पदार्थों के भी साझा स्रोत हों। (ii) यह विश्वास किया जाता है कि नूडल्स चीन से पश्चिम में पहुँचे और वहाँ उन्हीं से स्पैघेती का जन्म हुआ। (iii) पास्ता अरब यात्रियों के साथ सिसली पहुँचा जो इटली का एक टापू है। (iv) इसी तरह के आहार भारत और जापान में कभी पाए जाते है इसलिए इनके खाद्य पदार्थों के वास्तविक उद्‌गम स्रोतों का हम कभी पता भी न लगा पाए। (v) आलू, सोया, मूँगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद, और ऐसे ही बहुत सारे दूसरे खाद्य पदार्थ लगभग पाँच सौ वर्ष पूर्व तक हमारे पूर्वजों के पास नहीं थे। (vi) ये खाद्य पदार्थ यूरोप और एशिया में तब पहुँचे जब क्रिस्टोफर कोलम्बस गलती से अज्ञात महाद्वीपों में पहुचँ गया था जिन्हें बाद में अमेरिका के नाम से जाने जाना लगा। (vii) कई नयी फसलों के आने से जीवन में जमीन – आसमान का फर्क आ जाता था। साधारण से आलू का इस्तेमाल शुरू करने पर यूरोप के गरीबों की जिंदगी आमूल रूप से बदल गई। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

अध्याय 5: मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**बुक ऑफ़ मार्वल्स के लेखक हैं:** A. मार्को पोलो B. कोलंबस C. वास्को डी गामा D. अल्फ्रेड क्रोस्बी **उपयुक्त विकल्प: A.** मार्को पोलो	**32-1-1**
2	**मान लीजिए की आप 15वीं शताब्दी की प्रिंट संस्कृति पर शोध कर रहे हैं। निम्नलिखित में से कौन सा शोध का सबसे महत्वपूर्ण लाभ होगा?** A. दुर्लभ पांडुलिपियों तक आसान पहुँच B. पुस्तकालयों की आवश्यकता में कमी C. पाठों को हाथ से कॉपी करने की क्षमता में बढ़ोतरी D. प्रिंट में तेज़ी और सटीकता में वृद्धि **उपयुक्त विकल्प: A.** दुर्लभ पांडुलिपियों तक आसान पहुँच	
	5 अंक	
3	**प्रशासनिक व्यवस्था को तर्कसंगत और कुशल बनाने में 'नेपोलियन संहिता' के महत्व का विश्लेषण कीजिए।** 1804 की नागरिक संहिता जिसे आमतौर पर नपोलियन की संहिता के नाम से जाना जाता है- (i) इसने जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए थे। (ii) इसने क़ानून के समक्ष बराबरी को स्थापित किया। (iii) इसने संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया। (iv) इसने प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया। (v) इसने सामंती व्यवस्था को खत्म किया और किसानों को भू दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई। (vi) शहरों में भी कारीगरों के श्रेणी संघों के नियंत्रणों को हटा दिया गया। (vii) यातायात और संचार-व्यवस्थाओं को सुधारा गया। (viii) किसानों, कारीगरों, मज़दूरों और नए उद्योगपतियों ने नयी-नयी मिली आज़ादी चखी। (ix) उद्योगपतियों और ख़ासतौर पर समान बनाने वाले लघु उत्पादक यह समझने लगे कि एकसमान कानून, मानक भार तथा नाप और एक राष्ट्रीय मुद्रा से एक इलाके से दुसरे इलाके में वस्तुओं और पूँजी के आवागमन में सहूलियत होगी। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
4	**उन्नीसवी सदी के शुरूआती दशकों में यूरोप में उदारवाद किस प्रकार राष्ट्रीय एकता से जुड़ा हुआ था ? विश्लेषण कीजिए ।**	

	(i) नए मध्य वर्गों के लिए उदारवाद का मतलब था व्यक्ति के लिए आज़ादी (ii) इसका अर्थ था कानून के समक्ष सबकी बराबरी । (iii) राजनीतिक रूप से उदारवाद एक ऐसी सरकार पर जोर देता था जो सहमति से बनी हो। (iv) फ्रांसीसी क्रांति के बाद से उदारवाद निरंकुश शासक और पादरीवर्ग के विशेषाधिकारों की समाप्ति, संविधान तथा संसदीय प्रतिनिधि सरकार का पक्षधर था। (v) आर्थिक क्षेत्र में, उदारवाद, बाज़ारों की मुक्ति और चीज़ों तथा पूँजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाए गए नियंत्रणों को खत्म करने के पक्ष में था। (vi) आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ज़ोल्वेराइन का गठन । (vii) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु । **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
	4 अंक	
5	**दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **प्रिंट और प्रतिबंध** मुद्रित शब्द की ताक़त का अंदाज़ा अकसर सरकार द्वारा उसको नियंत्रित करने की कोशिशों से मिलता है। भारत में औपनिवेशिक प्रशासन हमेशा तमाम किताबों और पत्र-पत्रिकाओं पर नज़र रखता था तथा प्रेस पर नियंत्रण रखने के लिए बहुत से कानून पारित करता था। पहले विश्व युद्ध के दौरान, भारतीय रक्षा नियम के तहत, 22 अख़बारों को ज़मानत देनी पड़ी थी। इनमें से 18 ने सरकारी आदेश मानने की जगह खुद को बंद कर देना उचित समझा। रॉलट के अधीन कार्यरत षड्यंत्र समिति ने 1919 में विभिन्न अखबारों के खिलाफ जुर्माना आदि कार्रवाइयों को और सख़्त बना दिया। द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत पर, भारतीय रक्षा अधिनियम पारित किया गया, युद्ध-संबंधी विषयों को सेंसर किया जा सके। भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ी तमाम रपटें इसी के तहत सेंसर होती थीं। अगस्त 1942 में तक़रीबन 90 अखबारों का दमन किया गया। **(1) 'सेंसर' का अर्थ स्पष्ट कीजिए । (1)** (i) सेंसर का मतलब है सभी प्रकाशित पुस्तकों और समाचार पत्रों पर नज़र रखना। (ii) इसका मतलब है सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाली पुस्तकों और समाचार पत्रों के प्रकाशन को नियंत्रित करना। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।** **(2) औपनिवेशिक प्रशासन किताबों और पत्र-पत्रिकाओं पर क्यों नज़र रखता था? (1)** **(i)** कई किताबें और समाचार पत्र अंग्रेजों के कुप्रशासन की आलोचना कर रहे थे और राष्ट्रीयता की गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहे थे। (ii) देसी प्रेस राष्ट्रवाद का मुखर समर्थन कर रहे थे। (iii) औपनिवेशिक शासकों ने किताबों और समाचार पत्रों पर नज़र रखी क्योंकि सरकार प्रेस को दबाना चाहती थी और प्रेस को नियंत्रित करने के लिए कई कानून पास किए। (iv) इन पुस्तकों और समाचारपत्रों से भारतीयों के मध्य एकता की भावना विकसित हो रही थी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	(3) गाँधीजी ने रॉलट एक्ट के विरुद्ध देशव्यापी सत्याग्रह क्यों शुरू किया? किन्हीं दो कारणों को स्पष्ट कीजिए । (2) (i) रॉलेट अधिनियम ने सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने के लिए अनेक शक्तियाँ दी थी। (ii) इस अधिनियम ने राजनीतिक कैदियों को बिना मुकदमे के दो साल तक जेल में रखने की अनुमति दी थी। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
		32-2-1
6	**कोरिया की 'जिकजी' की निम्नलिखित विशेषताओं को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** **विशेषताएँ:** I. यह दुनिया की सबसे पुरानी मौजूदा मुद्रित पुस्तकों में से एक है। II इसमें ईसाई धर्म की मुख्य मान्यताओं का वर्णन हैं। III इसका दूसरा खंड फ्रांस की नेशनल लाइब्रेरी में उपलब्ध है। IV. इसे 2001 में यूनेस्को मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया था। **विकल्प:** (A) केवल I, II और III सही हैं। (B) केवल II, III और IV सही हैं। (C) केवल I, III और IV सही हैं। (D) केवल I, II और IV सही हैं। **उपयुक्त विकल्प: A.** केवल I, II और III सही हैं।	
	4 अंक	
7	**दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दी गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **मुद्रण संस्कृति और फ्रांसीसी क्रांति** कई इतिहासकारों का मानना है कि मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा कीं। इस संबंध में मूलत: कुछ तर्क देखने लायक हैं। पहला : छपाई के चलते ज्ञानोदय के चिंतकों के विचारों का प्रसार हुआ। उनके लेखन ने कुल मिलाकर परंपरा, अंधविश्वास और निरंकुशवाद की आलोचना पेश की। उन्होंने रीति-रिवाजों की जगह विवेक के शासन पर बल दिया, और माँग की कि हर चीज़ को तर्क और विवेक की कसौटी पर ही कसा जाए। उन्होंने चर्च की धार्मिक और राज्य की निरंकुश सत्ता पर प्रहार करके परंपरा पर आधारित सामाजिक व्यवस्था को दुर्बल कर दिया। वॉल्तेयर और रूसो के लेखन का व्यापक पाठक-वर्ग था, और उनके पाठक एक नए, आलोचनात्मक, सवालिया और तार्किक नज़रिये से दुनिया देखने लगे थे। दूसरा : छपाई ने वाद-विवाद-संवाद की नयी संस्कृति को जन्म दिया। सारे पुराने मूल्य, संस्थाओं और मानदंडों पर आम जनता के बीच विचार-विमर्श हुआ और उनके पुनर्मूल्यांकन का सिलसिला शुरू हुआ। तर्क की ताक़त से परिचित यह नयी 'पब्लिक' धर्म और आस्था को प्रश्नांकित करने का मोल समझ चुकी थी। इस तरह बनी 'सार्वजनिक दुनिया' से सामाजिक क्रांति के नए विचारों का सूत्रपात हुआ। **(1) ज्ञानोदय के चिंतकों के विचारों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा? (1)**	

	(i) ज्ञानोदय के चिंतकों के लेखन ने परंपरा, अंधविश्वास और निरंकुशता पर आलोचना पेश की। (ii) उन्होंने रीति-रिवाजों की जगह विवेक के शासन पर बल दिया। (iii) विचारकों ने मांग की कि हर चीज़ को तर्क और विवेक की कसौटी पर हीं कसा जाए। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित है।)** **(2) फ़्रांस में मुद्रण संस्कृति ने धर्म को किस प्रकार प्रभावित किया? (1)** (i) ज्ञानोदय के चिंतकों ने चर्च की पवित्र सत्ता पर हमला किया। (ii) उन्होंने लोगों को दुनिया को नई दृष्टि से देखने के लिए प्रेरित किया, ऐसी दृष्टि जो प्रश्नवाचक, आलोचनात्मक और तर्कसंगत थीं। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित है।)** **(3) मुद्रण संस्कृति ने फ़्रांस में किस प्रकार सामाजिक क्रांति में योगदान दिया? (2)** (i) मुद्रण संस्कृति ने वाद-विवाद की एक नई संस्कृति को जन्म दिया। (ii) सारे पुराने मूल्य, संस्थाओं और कायदों पर आम जनता के बीच बहस-मुबाहिसे हुए और उनके पुनर्मूल्यांकन का सिलसिला शुरू हुआ। (iii) लोगों ने मौजूदा विचारों और मान्यताओं पर सवाल उठाने की आवश्यकता को पहचाना और सामाजिक क्रांति के नए विचार अस्तित्व में आए। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
8	**निम्नलिखित में से किस समाचार-पत्र का संबंध बाल गंगाधर तिलक से है?** (A) हिंदुस्तान (B) बांग्ला पत्रिका (C) वीर भूमि (D) केसरी **उपयुक्त विकल्प: C.** केसरी	
	5 अंक	
9	**"मुद्रित पुस्तक को लेकर समाज के सभी लोग उत्साहित नहीं थे।" सोलहवीं शताब्दी के यूरोप के उदाहरणों के माध्यम से इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** (i) हर कोई मुद्रित किताब को लेकर खुश नहीं था, जिन्होंने इसका स्वागत भी किया, उनके मन में इसको लेकर कई डर थे। (ii) कई लोगों को छपी किताब के व्यापक प्रसार और छपे शब्द की सुगमता को लेकर यह आशंका थी कि न जाने इसका आम लोगों के जेहन पर क्या असर हो। (iii) भय यह था कि अगर छपी हुई और पढ़ी जा रही सामग्री पर कोई नियंत्रण न होगा तो लोगों में बागी और अधार्मिक विचार पनपने लगेगें। (iv) अगर ऐसा हुआ तो 'मूल्यवान साहित्य की सत्ता ही नष्ट हो जाएगी।	

	(v) धर्म गुरुओं और सम्राटों तथा कई लेखकों और कलाकारों द्वारा व्यक्त की गई यह चिंता नव-मुद्रित और नव-प्रसारित साहित्य की व्यापक आलोचना का आधार बनी। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
10	**"सत्रहवीं शताब्दी तक, चीन में शहरी संस्कृति के फलने-फूलने से छपाई के इस्तेमाल में भी विविधता आई।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** (i) सत्रहवीं सदी तक आते-आते चीन में शहरी संस्कृति के फलने-फूलने से छपाई के इस्तेमाल में भी विविधता आई। (ii) अब मुद्रित सामग्री के उपभोक्ता सिर्फ विद्वान् और अधिकारी नहीं रहे। व्यापारी अपनी रोज़मर्रा के कारोबार की जानकारी लेने के लिए मुद्रित सामग्री का इस्तेमाल करने लगे। (iii) पढना एक शगल भी बन गया। (iv) नए पाठक वर्ग को काल्पनिक किस्से, कविताएँ, आत्मकथाएँ, शास्त्रीय साहित्यिक कृतियों के संकलन और रूमानी नाटक पसंद थे। (v) अमीर महिलाओं ने भी पढ़ना शुरू किया। (vi) बहुत सी महिलाओं ने स्वरचित काव्य और नाटक भी छापे। (vii) सरकारी विद्वानों की पत्नियों ने अपने काम को प्रकाशित किया और वेश्यालय की महिलाओं ने अपने जीवन के बारे में लिखा। (viii) पढ़ने की यह नयी संस्कृति एक नई तकनीक के साथ आई। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-3-2**
11	**भारत में प्रेस पर नियंत्रण रखने के लिए औपनिवेशिक सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या कीजिए एवं उनके राष्ट्रवादी आंदोलन पर पड़े प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।** **औपनिवेशिक सरकार द्वारा उठाए गए कदम :** (i) 1878 में वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू किया गया। (ii) इससे सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रचनाओं और सम्पादकीय को सेंसर करने का व्यापक हक मिल गया। (iii) अब सरकार ने विभिन्न प्रदेशों से छपने वाले भाषाई अखबारों पर नियमित रूप से नजर रखना शुरू कर दिया। (iv) अगर किसी रचनाओं को बागी करार दिया जाता था तो अखबार को पहले चेतावनी दी जाती थी और अगर चेतावनी की अनदेखी हुई तो अखबार को जब्त किया जा सकता था और छपाई की मशीनें छीन ली जा सकती थी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **राष्ट्रवादी आन्दोलन पर पड़े प्रभाव :** (i) दमन की नीति के बावजूद राष्ट्रवादी अखबार देश के हर कोने में बढ़ते फैलते गए। (ii) उन्होंने औपनिवेशिक कुशासन की रिपोर्टिंग और राष्ट्रवादी ताकतों की हौसला-अफजाई जारी रखी। (iii) राष्ट्रवादी आलोचना को खामोश करने की तमाम कोशिशों का उल्टा विरोध हुआ। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	

12	**अठारहवीं शताब्दी में छापेखानों ने मुद्रण की नई विधाओं के उद्भव में किस प्रकार योगदान दिया? स्पष्ट कीजिए।** (i) प्रिंट ने नई प्रकार की लेखन के लिए एक भूख पैदा की। (ii) नए पाठकों की रूचि का ध्यान रखते हुए किस्से-किस्सों का साहित्य छपने लगा। (iii) उदाहरण के लिए पेनी, चैपबुक, बिब्लियोथीक ब्लू, पंचांग इत्यादि। (iv) पुस्तक विक्रेताओं ने गाँव-गाँव जाकर छोटी-छोटी किताबें बेचने वाले फेरी वालों को काम पर लगाया। ये किताबें मुख्यतः पंचांग के अलावा लोक-गाथाएँ और लोक-गीतों की हुआ करती थीं। लेकिन जल्द ही मनोरंजन-प्रधान सामग्री भी आम पाठकों तक पहुँचने लगी। (v) अठारहवीं सदी के आरम्भ से पत्रिकाओं का प्रकाशन शुरू हुआ जिनमें समसामयिक घटनाओं की खबर के साथ मनोरंजन भी परोसा जाने लगा। (vi) अखबार और पत्रों में युद्ध और व्यापार से जुड़ी जानकारी के अलावा दूसरे देशों की खबरें होती थीं। (vii) वैज्ञानिकों और दार्शनिकों के विचार अब आम लोगों के लिए अधिक सुलभ हो गए। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-3-3**
13	**प्रिंटिंग प्रेस के विकास में युहान गुटेनबर्ग के योगदान का विश्लेषण कीजिए।** (i) 1430 के दशक में योहान गुटेनबर्ग ने अपनी पहली ज्ञात प्रिंटिंग प्रेस विकसित की। (ii) जैन्ट्रम प्रेस ही प्रिंटिंग प्रेस का मॉडल या आदर्श बना। (iii) उसने सांचे का उपयोग अक्षरों की धातुई आकृतियों को गढ़ने के लिए किया। (iv) उसने जो पहली किताब छापी वह थी बाइबिल। (v) तकरीबन (लगभग) 180 प्रतियाँ बनाने में उसे तीन साल लगे। (vi) यह उस समय के हिसाब से काफी तेज़ था। (vii) पर यह नई तकनीक हाथ से किताब छापने की तकनीक की जगह पूरी तरह से नहीं ले पाई। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	4 अंक	**32-4-1**
14	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **प्रकाशन के नए रूप** उन्नीसवीं सदी के अंत तक, एक नयी तरह की दृश्य–संस्कृति भी आकार ले रही थी। छापेख़ानों की बढ़ती तादाद के साथ छवियों की कई प्रतियाँ अब बड़ी आसानी से बनाई जा सकती थीं। राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकारों ने आम खपत के लिए तसवीरें बनाईं। काठ की तख़्ती पर चित्र उकेरने वाले ग़रीब दस्तकारों ने लेटरप्रेस छापेख़ानों के करीब अपनी दुकानें लगाईं और मुद्रकों से काम पाने लगे। बाज़ार में सुलभ सस्ती तसवीरें और कैलेंडर ख़रीदकर ग़रीब भी अपने घरों एवं दफ़्तरों में सजाया करते थे। इन छपी तसवीरों ने आहिस्ता–आहिस्ता आधुनिकता और परंपरा, धर्म और राजनीति तथा समाज और संस्कृति के लोकप्रिय विचार–लोक को गढ़ना शुरू किया। 1870 के दशक तक पत्र–पत्रिकाओं में सामाजिक–राजनीतिक विषयों पर टिप्पणी करते हुए कैरिकेचर और कार्टून छपने लगे थे। कुछ में शिक्षित भारतीयों की पश्चिमी पोशाक और पश्चिमी अभिरुचियों का मज़ाक उड़ाया गया, जबकि कुछ अन्य में सामाजिक परिवर्तन को लेकर एक डर देखा गया। साम्राज्यवादी व्यंग्यचित्रों में राष्ट्रवादियों का मज़ाक उड़ाया जाता था, तो राष्ट्रवादी भी साम्राज्यवादी सत्ता पर निशाना साधने में पीछे नहीं रहे।	

	(1) प्रिंटिंग तकनीक के विकास ने दृश्य संस्कृति को कैसे प्रभावित किया? (1) (i) राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकारों ने बड़े पैमाने पर प्रचलन के लिए चित्र बनाए। (ii) प्रिंटिंग प्रेस की बढ़ती संख्या के कारण दृश्य छवियों को आसानी से कई प्रतियों में पुनः प्रस्तुत किया जा सकता था। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किसी एक बिन्दु की व्याख्या कीजिए। **(2) राजा रवि वर्मा ने भारत में कला के सामूहिक प्रसार में कैसे योगदान दिया?** (1) (i) बाज़ार में आसानी से उपलब्ध सस्ते प्रिंट और कैलेंडर को गरीब लोग भी अपने घरों या कार्यस्थलों की दीवारों को सजाने के लिए खरीद सकते थे। (ii) राजा रवि वर्मा प्रेस ने असंख्य पौराणिक चित्र बनाए जो अब आम जनता के लिए सुलभ थे। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किसी एक बिन्दु की व्याख्या कीजिए। **(3) दृश्य संस्कृति ने 19वीं शताब्दी के अंत में सामाजिक परिदृश्य की स्मृति को कैसे आकार दिया? स्पष्ट कीजिए।** (2) (i) सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर टिप्पणी करते हुए पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में कैरिकेचर और कार्टून प्रकाशित किए जा रहे थे। (ii) कुछ ने पश्चिमी स्वाद और कपड़ों के प्रति शिक्षित भारतीयों के आकर्षण का उपहास किया। (iii) दूसरों ने सामाजिक परिवर्तन के डर को व्यक्त किया। (iv) राष्ट्रवादी कार्टूनों ने औपनिवेशिक शासन की आलोचना की। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या कीजिए।	
	4 अंक	**32-5-1**
15	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **यूरोप की पहली छपी किताब, गुटेन्बर्ग की बाइबिल से कुछ पन्ने।** गुटेन्बर्ग ने कुल 180 प्रतियाँ छापी थीं, पर उनमें से 50 ही बच पाई हैं। आइए गुटेन्बर्ग की बाइबिल के इन पन्नों को ध्यान से देखें। ये केवल नयी तकनीक की देन नहीं थे। इन्हें गुटेन्बर्ग प्रेस की धातुई टाइप से छापा जरूर गया था, पर इनके हाशिए पर कलाकारों ने हाथ से टीकाकारी और सुघड़ चित्रकारी की थी। कोई दो प्रतियाँ एक–जैसी नहीं थीं। हर प्रति का हर पन्ना अलग था। जहाँ पहली नज़र में वे एक–जैसे लगे भी, गौर से तुलना करने पर फ़र्क़ पता चल जाएगा। हर जगह पर कुलीन तबक़ों ने इस विशिष्टता को पसंद किया। जो उनके पास था, वह अनोखा था, वे यह दावा कर सकते थे, क्योंकि किसी और के पास उसकी हू–ब–हू नक़ल नहीं थी। आप इबारत में देखेंगे कि कई जगहों पर अक्षरों के अंदर रंग भरे गए हैं। इसके दो फ़ायदे थे। पन्ना रंगीन हो जाता था, और साथ ही सारे पवित्र शब्द ज़्यादा दर्शनी और महत्त्वपूर्ण बन जाते थे। लेकिन हर पन्ने पर रंग हाथ से भरे जाते थे। गुटेन्बर्ग ने इबारत या पाठ को काले में छापा और बाद में रंग भरे जाने के लिए जगह छोड़ दी।	

	(1) मुद्रण के क्षेत्र में गुटेन्बर्ग के योगदान का उल्लेख कीजिए। (1) (i) 1430 के दशक में योहान गुटेन्बर्ग प्रिंटिग प्रेस का निर्माण किया। (ii) इससे मुद्रण क्रांति आई – विश्व में हाथ से छपाई की जगह प्रेस से छपाई होने लगी। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किसी एक बिन्दु का उल्लेख अपेक्षित है।** **(2)** किताबों के हाशिए पर टीकाकारी और चित्रकारी किस प्रकार की जाती थी? (1) (i) किताबों के हाशियों पर कलाकारों ने हाथ से टीकाकारी और सुघड़ चित्रकारी की थी। (ii) कोई अन्य बिन्दु। **किसी एक बिन्दु का उल्लेख अपेक्षित है।** **(3)** अक्षरों में रंग भरने के किन्हीं दो लाभों का वर्णन कीजिए। (2) (i) पन्ना रंगीन हो जाता था और साथ ही सारे पवित्र शब्द ज्यादा दर्शनीय और महत्वपूर्ण बन जाते थे। (ii) हर पन्ने पर रंग हाथ से भरे जाते थे। (iii) गुटेन्बर्ग न इबारत या पाठ को काले में छापा और बाद मे ंरंग भर जाने के लिए जगह छोड़ दी। (iv) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित है।	
	5 अंक	**32-6-1**
16	**उन्नीसवीं सदी के अंत तक भारतीय मुद्रण में आये बदलावों का विश्लेषण कीजिए।** (i) छापेखानों की बढ़ती तादात के साथ छवियों की कई नकलें या प्रतियां बड़ी आसानी से बनाई जा रही थी। (ii) राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकारों ने आम खपत के लिए तस्वीरें बनाई। (iii) बाजार में सुलभ, सस्ती तस्वीरें और कैलेंडर आसानी से उपलब्ध थे। (iv) अब गरीब लोग अपने घरों या कार्यस्थलों की दीवारों को सजाने के लिए इन्हें खरीद सकते थे। (v) इन छपी तस्वीरों ने आहिस्ता आहिस्ता आधुनिकता और परंपरा, धर्म और राजनीति, समाज और संस्कृति के लोकप्रिय विचार-लोक को गढ़ना शुरू किया। (vi) 1870 के दशक तक पत्र-पत्रिकाओं में सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर टिपण्णी करती हुए कैरिकेचर और कार्टून छपने अलगे। (vii) कुछ में शिक्षित भारतीयों के पश्चिमी पोशाक और पश्चिमी अभिरुचियों का मज़ाक उड़ाया गया, जबकि अन्य में सामाजिक परिवर्तन को लेकर एक डर देखा गया। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	

17	**विश्व में उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान मुद्रण तकनीक में होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तनों का विश्लेषण कीजिए।** (i) न्यूयॉर्क के रिचर्ड एम. हो. ने शक्ति चालित बेलनाकार प्रेस को कारगर बना लिया था। (ii) सदी के अंत तक ऑफ सेट प्रेस आ गया था, जिससे एक साथ छह रंग की छपाई मुमकिन थी। (iii) बिजली से चलनेवाले प्रेस के बल पर छपाई का काम बड़ी तेजी से होने लगे। (iv) कागज डालने की विधि में सुधार हुआ, (v) प्लेट की गुणवत्ता बेहतर हुई, (vi) स्वचालित पेपर-रील और रंगों के लिए फोटो-विद्युतीय नियंत्रण भी काम में आने लगे। (vii) इस तरह कई छोटी-छोटी मशीनी इकाइयों में कुल सुधार की बदौलत छपे हुए पन्ने का रंग-रूप ही बदल गया। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
		32-6-2
18	**18वीं शताब्दी के दौरान किताबों तक पहुँच आसान होने से किस प्रकार पढने की एक नयी संस्कृति विकसित हुई?** (i) छपाई से किताबों की क़ीमत गिरी। (ii) किताब की हर प्रति के उत्पादन में जो वक़्त और श्रम लगता था, वह कम हो गया, और बड़ी तादाद में प्रतियाँ छापना आसान हो गया। (iii) बाज़ार किताबों से पट गई, पाठक वर्ग भी बुख़्तर होता गया। (iv) किताबों तक पहुँच आसान होने से पढ़ने की एक नयी संस्कृति विकसित हुई। (v) अब तक आमतौर से मौखिक संसार से जीते थे। (vi) वे धार्मिक किताबों का वाचन सुनते थे, गाथा-गीत उनको पढ़कर सुनाए जाते थे, और किस्से भी उनके लिए बोलकर पढ़े जाते थे। (vii) ज्ञान का मौखिक लेन-देन ही होता था। (viii) लोग-बाग समूह में ही दास्तान सुनते, या कोई आयोजन देखते, आए थे। (ix) अब किताबें समाज के व्यापक तबकों तक पहुँच सकती थीं। (x) अगर पहले की जनता श्रोता थी, तो कह सकते हैं कि अब पाठक-जनता अस्तित्व में आ गई थी। (xi) लेकिन यह संक्रमण सरल नहीं था। इसके लिए उन्हें मुद्रित कृति की व्यापक पहुँच का ध्यान रखना था। (xii) जो नहीं पढ़ पाते थे, वे भी बोलकर पढ़े गए को सुनकर उसका लुत्फ़ तो उठाते ही थे। (xiii) इसीलिए मुद्रकों ने लोकगीतों और लोककथाओं को छापना शुरू कर दिया, और ऐसी किताबें आमतौर पर तस्वीरों से खूब सजी-धजी यानी सचित्र होती थीं। (xiv) इन्हें सामाजिक समूहों में या शहरी शराबख़ानों में गाया-सुना जाता था। (xv) इस तरह मौखिक संस्कृति मुद्रित संस्कृति में ढलती रही, और छपी सामग्री मौखिक अंदाज़ में प्रसारित हुई। (xvi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण आवश्यक है।)**	

19	**मुद्रण तकनीक ने भारतीय महिलाओं के जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया? विश्लेषण कीजिए।** (i) महिलाओं की ज़िंदगी और उनकी भावनाएँ बड़ी साफ़गोई और गहराई से लिखी जाने लगीं। (ii) मध्यमवर्गीय घरों में महिलाओं का पढ़ना भी पहले से बहुत ज़्यादा हो गया। (iii) उदारवादी पिता और पति अपने यहाँ औरतों को घर पर पढ़ाने लगे, और उन्नीसवीं सदी के मध्य में जब बड़े-छोटे शहरों में स्कूल बने तो उन्हें स्कूल भेजने लगे। (iv) कई पत्रिकाओं ने लेखिकाओं को जगह दी और उन्होंने नारी-शिक्षा की ज़रूरत को बार-बार रेखांकित किया। (v) उन्होंने पाठ्यक्रम भी छपवाया था, और ज़रूरत के मुताबिक़ पाठ्य-सामग्री भी, जिसका इस्तेमाल घर बैठे स्कूल शिक्षा के लिए किया जा सकता था। (vi) अनेक परंपरावादी मानते थे कि पढ़ी-लिखी औरतें बिगड़ जाती हैं। (vii) कभी कभार बागी औरतों ने इन प्रतिबंधों को अस्वीकार भी किया। (viii) उन्नीसवीं सदी के प्रारंभ में, रूढ़िवादी परिवार में ब्याही कन्या राशसुंदरी देबी ने रसोई में चिप-चिप कर पढना सीखा। (ix) बाद में उन्होंने 'आमार जीवन' नामक आत्मकथा लिखी, जो 1876 में प्रकाशित हुई। यह बंगाली भाषा में प्रकाशित पहली संपूर्ण आत्म-कहानी थी। (x) चूँकि सामाजिक सुधारों और उपन्यासों ने पहले ही नारी जीवन और भावनाओं में दिलचस्पी पैदा कर दी थी। (xi) कैलाशबाशिनी देवी जैसी महिलाओं ने 1860 के दशक से महिलाओं के अनुभवों पर लिखना शुरू किया, कैसे वे घरों में बंदी और अनपढ़ बनाकर रखी जाती हैं, कैसे वे घर-भर के काम का बोझ उठाती हैं, और जिनकी सेवा वे करती हैं, वही उन्हें डाँटते-दुत्कारते हैं। (xii) आज जो महाराष्ट्र है वहाँ 1880 के दशक में ताराबाई शिंदे और पंडिता रमाबाई ने उच्च जाति की नारियों की दयनीय हालत के बारे में जोश और रोष से लिखा। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी पाँच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-6-3**
20	**मुद्रण संस्कृति से पूर्व भारत में पाई जाने वाली पांडुलिपियों की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) भारत में संस्कृत, अरबी, फ़ारसी और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में हस्त-लिखित पांडुलिपियों की पुरानी और समृद्ध परंपरा थी। (ii) पांडुलिपियाँ ताड़ के पत्तों या हाथ से बने काग़ज़ पर नकल कर बनाई जाती थीं। (iii) कभी-कभी तो पत्रों पर बेहतरीन तस्वीरें भी बनाई जाती थीं। (iv) उन्हें उम्र बढ़ाने के ख़याल से तस्लीक़ी के जिल्द में या सिलकर बाँध दिया जाता था। (v) उन्नीसवीं सदी के अंत तक, छपाई के आने के बाद भी, पांडुलिपियाँ छपाई जाती रहीं। (vi) पांडुलिपियाँ नाज़ुक और काफ़ी महँगी भी होती थीं। (vii) उन्हें बड़ी सावधानी से पढ़ना होता था और लिपियों के अलग-अलग तरीक़े से लिखे जाने के चलते उन्हें पढ़ना भी आसान नहीं था। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
21	**मुद्रण संस्कृति के आगमन ने भारत की गरीब जनता को किस प्रकार प्रभावित किया?**	

	(i) उन्नीसवीं सदी के मद्रास के शहरों में काफ़ी सस्ती किताबें चौक-चौराहों पर बेची जा रही थीं, जिसके चलते ग़रीब लोग भी बाज़ार से उन्हें ख़रीदने की स्थिति में आ गए थे। (ii) बीसवीं सदी के आरंभ से सार्वजनिक पुस्तकालय खुलने लगे थे, जिससे किताबों की पहुँच निस्संदेह बढ़ी। (iii) ये पुस्तकालय अक्सर शहरों या कस्बों में होते थे, या यदा-कदा संपन्न गाँवों में भी। (iv) स्थानिक अमीरों के लिए पुस्तकालय खोलना प्रतिष्ठा की बात थी। (v) उन्नीसवीं सदी के अंत से जाति-भेद के बारे में तरह-तरह की पुस्तकों और निबंधों में लिखा जाने लगा था। (vi) ज्योतिबा फुले ने अपनी गुलामगिरी (1871) में जाति प्रथा के अत्याचारों पर लिखा। (vii) बीसवीं सदी के महाराष्ट्र में भीमराव अंबेडकर और मद्रास में ई.वी. रामास्वामी नायकर ने, जो पेरियार के नाम से बेहतर जाने जाते हैं, जाति पर ज़बरदस्त क़लम चलाई और उनके लेखन पूरे भारत में पढ़े गए। (viii) स्थानीय थियेटर आंदोलनों और संपादकों ने भी प्रचलित धर्मग्रंथों की आलोचना करते हुए, नए और न्यायप्रिय समाज का सपना गढ़ने की मुहिम में लघुपत्रों, पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तकों को छापा। (ix) कारखानों में मजदूरों को बहुत ज्यादा काम लिया जा रहा था और उन्हें अपने तजुर्बों के बारे में ढंग से लिखने की शिक्षा तक नहीं मिली थी। (x) लेकिन कानपुर के मिल मजदूर काशीबाबा ने 1938 में 'छोटे और बड़े सवाल' लिख और चाप कर जातीय तथा वर्गीय शोषण के बीच का रिश्ता समझाने की कोशिश की। (xi) 1935 से 1955 के बीच सुदर्शन चक्र के नाम से लिखने वाले एक और मिल मजदूर का लेखन सच्ची कविताएँ नामक एक संग्रह में छापा गया। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	केस आधारित प्रश्न	**s-1**
22	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। जिक्जी *कोरिया की जिक्जी (Jikji) मूवेबल मेटल टाइप (Movable metal type) के साथ मुद्रित दुनिया की सबसे पुरानी मौजूदा पुस्तकों में से है। इसमें ज़ेन (Zen) बौद्ध धर्म की मुख्य विशेषताएँ हैं। पुस्तक में भारत, चीन और कोरिया के लगभग 150 बौद्ध भिक्षुओं का उल्लेख किया गया है। इसे 14वीं शताब्दी के अंत में मुद्रित किया गया था। पुस्तक का पहला खंड उपलब्ध नहीं है, दूसरा खंड फ्रांस की नेशनल लाइब्रेरी में उपलब्ध है। यह कार्य मुद्रण संस्कृति में एक महत्वपूर्ण तकनीकी परिवर्तन साबित हुआ। यही कारण है कि 2001 में यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया।*	

	(1) मुद्रण के इतिहास में जिक्जी के महत्त्व का उल्लेख कीजिए। **(1)** (i) कोरिया की जिक्जी मूवेबल मेटल टाइप के साथ मुद्रित दुनिया की सबसे पुरानी मौजूदा पुस्तकों में से है। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है। **(2) जिक्जी को 2001 में यूनेस्कों मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में क्यों अंकित किया गया?** **(1)** (i) यह कार्य मुद्रण संस्कृति में एक महत्वपूर्ण तकनीकी परिवर्तन साबित हुआ। यही कारण है कि 2001 में यूनेस्कों मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है। **(3) ज़ेन बौद्ध धर्म की समझ में जिक्जी किस प्रकार योगदान देता है?** **(2x1=2)** (i) जिक्जी ज़ेन बौद्ध धर्म की मुख्य विशेषताएँ हैं। (ii) पुस्तक में भारत, चीन और कोरिया के लगभग 150 बौद्ध भिक्षुओं का उल्लेख किया गया है। (iii)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिन्दुओ की व्याख्या अपेक्षित है।	

समकालीन भारत 2

अध्याय 1: संसाधन एवं विकास

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
	2 अंक	**32-1-1**
1	**संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग के कारण उत्पन्न वैश्विक पारिस्थितिकी' की किन्हीं दो समस्याओं की व्याख्या कीजिए।** (i)मानव ने संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग किया है, जिससे अनेक समस्याएँ पैदा हो गयी हैं। (ii) इससे वैश्विक पारिस्थितिकी संकट जैसे भूमंडलीय तापन में वृद्धि हुई है। (iii) ओजोन परत का अवक्षय हो रहा है। (iv) इससे पर्यावरणीय प्रदूषण बढ़ा है। (v) भू-निम्नीकरण भी बढ़ रहा है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-1-2**
2	**भू-निम्नीकरण की समस्या के समाधान के लिए किन्हीं दो उपायों की व्याख्या कीजिए** (i) वनारोपण (ii) पेड़ों की रक्षक मेखला (iii) पशुचारण पर नियंत्रण (iv) कंटीली झाड़ियाँ उगाकर रेत के टीलों को स्थिर बनाना (v) बंजर भूमि का उचित प्रबंधन (vi) खनन गतिविधियों पर नियंत्रण (vii) औद्योगिक जल को परिषकरण के पश्चात् विसर्जित करना (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-1-3**
3	**काली मृदा की दो प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) इन मृदाओं का रंग काला है और इन्हें रेगर मृदाएँ भी कहा जाता है। (ii) काली मृदा कपास की खेती के लिए उचित समझी जाती है और काली कपास मृदा के नाम से भी जाना जाता है। (iii) यह माना जाता है कि जलवायु और जनक शैल ने काली मृदा के बनने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। (iv) काली मृदा बहुत महीन कणों अर्थात् मृतिका से बनी है। (v) इसकी नमी धारण करने की क्षमता बहुत होती है। (vi) ये मृदाएँ कैल्सियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूने जैसे पौष्टिक तत्वों से परिपूर्ण होती हैं। (vii) इनमें फोस्फोरस की मात्रा कम होती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	2 अंक	**32-2-1**
4	**संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन क्यों आवश्यक है? व्याख्या कीजिए।** (i) संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है। (ii) भारत जैसे देश में जहां संसाधनों की उपलब्धता में भारी विविधता है, यह और भी महत्वपूर्ण है। (iii) ऐसे प्रदेश भी हैं जहां एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है लेकिन कुछ अन्य संसाधनों की कमी है। (iv) कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिन्हें संसाधनों की उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर माना जा सकता है और कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों की भारी कमी है। (v) उदाहरण के लिए, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश आदि प्रान्तों में खनिजों और कोयले के प्रचुर भण्डार है। (vi) अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं परंतु मूल विकास का अभाव है। (vii) राजस्थान सौर और पवन ऊर्जा में बहुत समृद्ध है लेकिन जल संसाधनों की कमी है। (viii) लद्दाख का शीत मरुस्थल देश के बाकी हिस्सों से अलग-थलग पड़ता है। इसकी सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध है लेकिन इसमें जल, आधारभूत अवसंरचना और कुछ महत्वपूर्ण खनिजों की कमी है। (ix) इसलिए राष्ट्रीय, प्रांतीय, प्रादेशिक, स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन नियोजन की आवश्यकता है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-2-2**
5	**संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** (i) संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है। (ii) भारत जैसे देश में जहां संसाधनों की उपलब्धता में भारी विविधता है, यह और भी महत्वपूर्ण है। (iii) ऐसे प्रदेश भी हैं जहां एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है लेकिन कुछ अन्य संसाधनों की कमी है। (iv) कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिन्हें संसाधनों की उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर माना जा सकता है और कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों की भारी कमी है। (v) उदाहरण के लिए, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश आदि प्रान्तों में खनिजों और कोयले के प्रचुर भण्डार है। (vi) अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं परंतु मूल विकास का अभाव है। (vii) राजस्थान सौर और पवन ऊर्जा में बहुत समृद्ध है लेकिन जल संसाधनों की कमी है। (viii) लद्दाख का शीत मरुस्थल देश के बाकी हिस्सों से अलग-थलग पड़ता है। इसकी सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध है लेकिन इसमें जल, आधारभूत अवसंरचना और कुछ महत्वपूर्ण खनिजों की कमी है। (ix) इसलिए राष्ट्रीय, प्रांतीय, प्रादेशिक, स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन नियोजन की आवश्यकता है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-2-3**
6	**भू-निम्नीकरण की समस्याओं के समाधान के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) वनारोपण (ii) पेड़ों की रक्षक मेखला (iii) पशुचारण पर नियंत्रण (iv) कंटीली झाड़ियाँ उगाकर रेत के टीलों को स्थिर बनाना (v) बंजर भूमि का उचित प्रबंधन (vi) खनन गतिविधियों पर नियंत्रण (vii) औद्योगिक जल को परिषकरण के पश्चात् विसर्जित करना (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	

	2 अंक	**32-3-1**
7	**"शुष्क मृदा" की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) (i)शुष्क मृदा का रंग लाल और भूरा होता है। (ii) ये मृदाएँ आमतौर पर रेतीली और लवणीय होती हैं। (iii) कुछ क्षेत्रों में नमक की मात्रा इतनी अधिक है कि झीलों से नमक वाष्पीकृत करके खाने का नमक भी बनाया जाता है। (iv) शुष्क जलवायु और उच्च तापमान के कारण जल वाष्पन दर अधिक और मृदाओं में हयूमस और नमी की मात्र कम होती है। (v) मृदा की सतह के नीचे कैल्शियम की मात्रा बढ़ती जाती है और नीचे की परतों में चूने के कंकर की सतह पायी जाती है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
8	**"वन मृदा" की किन्ही दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) ये मृदाएँ आमतौर पर पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं जहाँ पर्याप्त वर्षा-वन उपलब्ध हैं। (ii) इन मृदाओं के गठन में पर्वतीय पर्यावरण के अनुसार बदलाव आता है। (iii) नदी घाटियों में ये मृदाएँ दोमट और सिल्टदार होती हैं परन्तु उपरी ढालों पर इनका गठन मोटे कणों का होता है। (iv) हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों में, इन मृदाओं का बहुत अपरदन होता है और ये अधिसिलिक/अम्लीय (acidic) तथा ह्यूमस रहित होती हैं। (v) नदी घाटियों के निचले क्षेत्रों, विशेषकर नदी सोपानों और जलोढ़ पंखों, आदि में ये मृदाएँ उपजाऊ होती है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंद। **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-4-1**
9	''संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए। (i) नियोजन उन देशों के लिए महत्वपूर्ण है जहाँ संसाधनों की उपलब्धता में अधिक विविधता है। (ii) यह उन प्रदेशों के लिए महत्वपूर्ण है जहाँ एक तरह की संसाधनों की प्रचुरता है और दूसरे तरह के संसाधनों की कमी है। (iii) नियोजन राष्ट्रीय, राज्य और क्षेत्रीय स्तरों पर संसाधनों के संतुलित वितरण में मदद करती है। (iv) नियोजन सतत् विकास में सहायता प्रदान करता है। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
10	''मानव जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए संसाधनों का समाज में न्यायसंगत बंटवारा आवश्यक है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए। (i) सतत अस्तित्व सतत विकास का एक हिस्सा है। (ii) यदि कुछ व्यक्तियों और देशों द्वारा संसाधनों का वर्तमान दोहन जारी रहता है, तो हमारे ग्रह का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। (iii) आर्थिक व पर्यावरणीय सुरक्षा प्रणाली पर ध्यान देने की सख्त आवश्यकता है।	

	(iv) संसाधनों का असमान वितरण क्षेत्रीय विकास में एक बड़ा अंतर पैदा करेगा जो राष्ट्र के लिए खतरा होगा। (v) जीवन के सभी प्रारूपों में सतत अस्तित्व के लिए संसाधन नियोजन आवश्यक है। (vi) संसाधनों के विकास एवं वितरण के लिए उचित प्रौद्योगिकी, कौशल एवं संस्थागत व्यवस्थाओं की आवश्यकता है। (vii) गुणात्मक और मात्रात्मक आकलन के साथ संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-5-1**
11	**भूमि निम्नीकरण की समस्या के समाधान के किन्हीं दो तरीकों का वर्णन कीजिए।** (i) वनारोपण और चरागाहों का उचित प्रबंधन। (ii) वृक्षों की रक्षक मेखला बनाना। (iii) पशुचारण पर नियंत्रण। (iv) कंटीली झाड़ियाँ लगाकर उन्हें स्थिर बनाने की प्रक्रिया से भी भूमि कटाव की रोकथाम शुष्क क्षेत्रों में की जा सकती है। (v) बंजर भूमि का उचित प्रबंधन। (vi) खनन गतिविधियों पर नियंत्रण। (vii) औद्योगिक अपशिष्टों एवं कचरों का उपचार के बाद उचित तरीके से निर्वहन और निपटान, औद्योगिक और उपनगरीय क्षेत्रों में भूमि और जल क्षरण को कम कर सकता है। (viii) कोई महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-5-2**
12	**जलोढ़ मृदा की दो मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) यह मृदाएँ हिमालय की तीन महत्त्वपूर्ण नदी तंत्रों सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा लाए गए निक्षेपों से बनी है। (ii) जलोढ़ मृदा में रेत, सिल्ट और मृत्तिका के विभिन्न अनुपात पाए जाते है। (iii) नदी घाटी के ऊपरी भाग में, जैसे ढाल भंग के समीप मोटे कण वाली मृदा पाई जाती हैं। (iv) ऐसी मृदाएँ पर्वतों की तलहटी पर बने मैदानों जैसे द्वार, 'चो' क्षेत्र और तराई में आमतौर पर पाई जाती हैं। (v) आयु के आधार पर जलोढ़ मृदाओं को दो भागों में बांटा जाता है – पुराना जलोढ़ (बांगर) और नयी जलोढ़ (खादर)। (vi) खादर मृदा में बांगर मृदा की तुलना में ज़्यादा महीन कण होते है। जलोढ़ मृदा अधिक उपजाऊ होती है। (vii) अधिकतर जलोढ़ मृदाएँ पोटाश, फास्फोरस और चूनायुक्त होती है जो गन्नें, चावल, गेहूँ, और अन्य अनाजों और दलहन फसलों की खेती के लिए उपयुक्त है। (viii) अधिक उपजाऊपन के कारण जलोढ़ मृदा वाले क्षेत्रों में गहन कृषि की जाती है एवं यह अधिक बसावट वाले है। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	

	2 अंक	32-5-3
13	लेटराइट मृदा की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (i) लेटराइट मृदा का निर्माण उष्ण कटिबंधीय तथा उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में आर्द्र और शुष्क ऋतुओं के एक के बाद एक आने के कारण होता है। (ii) यह मृदा भारी वर्षा से अत्याधिक निक्षालन का परिणाम है। (iii) लेटराइट मृदा ज्यादातर अम्लीय होती है और इसमें पौधों के पोषक तत्वों की कमी होती है। (iv) यह ज्यादातर दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट क्षेत्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और उत्तर–पूर्व क्षेत्रों में पाई जाती है। (v) जहाँ इस मृदा में पर्णपाती और सदाबहार वन मिलतें हैं वहाँ इसमें ह्यूमस पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। (vi) जहाँ विरल वनस्पति और अर्ध–शुष्क वातावरण होता है वहाँ इसमें ह्यूमस की कमी होती है। (vii) मृदा संरक्षण की उचित तकनीक अपना कर इन मृदाओं पर कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में चाय और कॉफी उगाई जाती है। (viii) तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में लाल लैटेराइट मिट्टी काजू जैसी फसलों के लिए अधिक उपयुक्त है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिन्दुओं की वर्णन अपेक्षित है।	
	5 अंक	32-6-1
14	**जलोढ़ मृदा की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) जलोद मृदाएँ हिमालय की तीन महत्त्वपूर्ण नदी तंत्रों सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा लाए गए निक्षेपों से बनी हैं। (ii) जलोढ़ मृदा में रेत, सिल्ट और मृत्तिका के विभिन्न अनुपात पाए जाते हैं। (iii) जैसे हम नदी के मुहाने से घाटी में ऊपर की ओर जाते हैं मृदा के कणों का आकार बढ़ता चला जाता है। (iv) नदी घाटी के उपरी भाग में, जैसे ढाल भंग के समीप मोटे कण वाली मृदाएँ पाई जाती हैं। ऐसी मृदाएँ पर्वतों की तलहटी पर बने मैदानों जैसे द्वार, चो' क्षेत्र और तराई में आमतौर पर पाई जाती हैं। (v) आयु के आधार पर जलोढ़ मृदाएँ दो प्रकार की हैं- पुराना जलोढ़ (बांगर) और नया जलोढ़ (खादर)। (vi) बांगर मृदा में कंकड़ ग्रंथियों की मात्रा ज्यादा होती है। खादर मृदा में बांगर मृदा की तुलना में ज्यादा महीन कयण पाए जाते हैं और ये बहुत उपजाऊ होती हैं। (vii) अधिकतर जलोढ़ मृदाएँ पोटाश, फास्फोरस और चूनायुक्त होती हैं जो इनको गन्ने, चावल, गेहूँ और अन्य अनाजों और दलहन फसलों की खेती के लिए उपयुक्त बनाती है। (viii) अधिक उपजाऊपन के कारण जलोढ़ मृदा वाले क्षेत्रों में गहन कृषि की जाती है और यहाँ जनसंख्या घनत्व भी अधिक है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	

15	**भारत में संसाधन नियोजन के विभिन्न सोपान एवं इसकी आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए।** संसाधन नियोजन एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें निम्नलिखित सोपान हैं: (i) (i)देश के विभिन्न प्रदेशों में संसाधनों की पहचान कर उनकी तालिका बनाना। (ii) इस कार्य में क्षेत्रीय सर्वेक्षण, मानचित्र बनाना और संसाधनों का गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुमान लगाना व मापन करना है। (iii) संसाधन विकास योजनाएँ लागू करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी, कौशल और संस्थागत नियोजन ढ्राँचा तैयार करना। (iv) संसाधन विकास योजनाओं और राष्ट्रीय विकास योजना में समन्वय स्थापित करना। (v) स्वाधीनता के बाद भारत में संसाधन नियोजन के प्रयास किए गए। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **भारत में इसकी आवश्यकता:** (i) विकास के लिए संसाधनों की उपलब्धता अनिवार्य है। (ii) प्रौद्योगिकी और संस्थाओं में तदनरूपी परिवर्तनों के अभाव में मात्र संसाधनों की उपलब्धता से ही विकास संभव नहीं है। (iii) संसाधनों का असमान वितरण। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **(समग्रता में मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**s-1**
16	संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए किस प्रकार नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। (i) नियोजन उपलब्ध संसाधनों की पहचान करके उनका विभिन्न क्षेत्रकों में समुचित उपयोग हेतु आंवटन करनें में सहायता करता है। (ii) नियोजन गतिविधियों के दौरान उनका अधिकतम उपयोग और न्यूनतम अपव्यय को सुनिश्चित करता है। (iii) नियोजन एक देश के अंतर्गत विभिन्न प्रदेशों और क्षेत्रकों के मध्य संतुलित विकास को बढ़ावा देता है। (iv) विकास की सर्वाधिक मांग वाले क्षेत्रकों का ध्यान रखते हुए नियोजन संसाधनों को समान रूप से वितरित करता है। उदाहरण के लिए नियोजन ने हरित क्रांति के दौरान उन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिया जो कृषि उत्पादन में पिछड़े हुए थे। (v) नियोजन दीर्घ अवधि के लक्ष्यों को निर्धारित करके उन्हें प्राप्त करने की योजनाओं का निर्माण करने में सहायता प्रदान करता है। (vi) नियोजन आधारभूत संरचना के विकास में सहायता करता है। उदाहरण के लिए सड़क, रेलवे, बंदरगाह और संचार साधनों का विकास। यह आधारभूत संरचना आर्थिक क्रियाकलापों का समर्थन करती है और देश के संपूर्ण विकास में सहायता प्रदान करती है। (vii)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित ळें	
	3 अंक	**s-3**

17	**भू– निम्नीकरण की समस्या को सुलझाने के लिए कोई तीन उपाय सुझाइए।** (i) वनीकरण और चराई का उचित प्रबंधन। (ii) पौधों का रक्षक मेखला के रूप में रोपण। (iii) अत्यधिक चराई पर नियंत्रण। (iv) कंटीली झाड़ियाँ उगाकर रेत के टीलों को स्थिर करना शुष्क क्षेत्रों में भूमि क्षरण को रोकने का एक तरीका है। (v) बंजर भूमि का उचित प्रबंधन। (vi) खनन गतिविधियों पर नियंत्रण। (vii) औद्योगिक अपशिष्टों का उचित निर्वहन और निपटान औद्योगिक और उपनगरीय क्षेत्रों में भूमि क्षरण को कम कर सकता है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।**	

अध्याय 2: वन एवं वन्य जीवन

	1 अंक	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**भारत में वनों के निम्नलिखित वर्गों को क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे अधिक से सबसे कम के क्रम में व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** I. आरक्षित II. रक्षित III. अवर्गीकृत विकल्प: A. III, II, I B. I, II, III C. II, III, I D. III, I, II **उपयुक्त विकल्प: B** I, II, III	**32-1-1**
2	**सरिस्का बाघ रिज़र्व' निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?** A. मध्य प्रदेश B. राजस्थान C. उपयुक्त विकल्प प्रदेश D. महाराष्ट्र **उपयुक्त विकल्प: B.** राजस्थान	
	1 अंक	**32-2-1**
3	**निम्नलिखित में से सही सुमेलित युग्म का चयन कीजिए:** **राष्ट्रीय उद्यान/बाघ रिजर्व राज्य** (A) कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान - हिमाचल प्रदेश (B) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान - राजस्थान (C) पेरियार बाघ अभयारण्य - तमिलनाडु (D) मानस बाघ अभयारण्य - असम **उपयुक्त विकल्प:** (**D**) मानस बाघ अभयारण्य - असम	
4	**निम्नलिखित भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम की विशेषताओं में से कौन सी सही हैं? सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए**: **विशेषताएँ:** I. वन्य-जीवों के आवास के लिए प्रावधान करना। II. रक्षित जातियों की सूची प्रकाशित करना। III. संकटग्रस्त जातियों के बचाव के लिए शिकार पर प्रतिबंध लगाना। IV. वन और वन्यजीव जैसे महत्वपूर्ण विषयों को संघ सूची में शामिल करना। **विकल्प:** (A) केवल I, II और III सही हैं। (B) केवल I, II और IV सही हैं। (C) केवल II, III और IV सही हैं। (D) केवल I, III और IV सही हैं **उपयुक्त विकल्प:** (A) केवल I, II और III सही हैं।	

	1 अंक	32-3-1
5	स्तंभ I को स्तंभ II से मिलान कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए: स्तंभ I — स्तंभ II a. सरिस्का वन्यजीव पशुविहार — i. उत्तराखंड b. मानस बाघ रिजर्व — ii. राजस्थान c. पेरियार बाघ रिजर्व — iii. असम d. कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान — iv. केरल **विकल्प:** (A) a-i, b-ii, c-iii, d-iv (B) a-ii, b-iii, c-iv, d-i (C) a-iv, b-i, c-iii, d-ii (D) a-ii, b-i, c-iv, d-iii **उपयुक्त विकल्प: B** a-ii, b-iii, c-iv, d-i	
	4 अंक	**32-4-1**
6	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **पवित्र पेड़ों के झुरमुट – विविध और दुर्लभ जातियों की संपत्ति** प्रकृति की पूजा सदियों पुराना जनजातीय विश्वास है, जिसका आधार प्रकृति के हर रूप की रक्षा करना है। इन्हीं विश्वासों ने विभिन्न वनों को मूल एवं कौमार्य रूप में बचाकर रखा है, जिन्हें पवित्र पेड़ों के झुरमुट (देवी–देवताओं के वन) कहते हैं। इन वन खंडों या बड़े वन के भागों को स्थानीय लोगों द्वारा अछूता छोड़ दिया गया है तथा इनमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप प्रतिबंधित है। कुछ समाज कुछ विशेष पेड़ों की पूजा करते हैं और आदिकाल से उनका संरक्षण करते आ रहे हैं। छोटानागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं। ओडिशा और बिहार की जनजातियाँ शादी के दौरान इमली और आम के पेड़ की पूजा करती हैं। हममें से बहुत से व्यक्ति पीपल और वटवृक्ष को पवित्र मानते हैं। भारतीय समाज में अनेकों संस्कृतियाँ हैं और प्रत्येक संस्कृति में प्रकृति और इसकी कृतियों को संरक्षित करने के अपने पारंपरिक तरीके हैं। आमतौर पर झरनों, पहाड़ी चोटियों, पेड़ों और पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण किया जाता है। आप अनेक मंदिरों के आसपास बंदर और लंगूर पाएँगे। उपासक उन्हें खिलाते–पिलाते हैं और मंदिर के भक्तों में गिनते हैं। राजस्थान में बिश्नोई गाँवों के आसपास आप काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोरों के झुंड देख सकते हैं जो वहाँ के समुदाय का अभिन्न हिस्सा हैं और कोई उनको नुकसान नहीं पहुँचाता। 1 पवित्र वन, आध्यात्मिकता और पारिस्थितिकी के आपसी संबंध को कैसे दर्शाता हैं? (1) (i) पवित्र गुणों को अक्सर झरनों, पर्वत शिखरों, पौधों और जानवरों को माना जाता है जिन्हें बारीकी से संरक्षित किया जाता है। (ii) बहुत सारे समुदायों में पर्वतों, वृक्षों, जानवरों की पूजा की जाती है। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किसी एक बिन्दु की व्याख्या कीजिए। 2 जनजातियों की प्रथाएं वन संरक्षण को कैसे बढ़ावा देती हैं? (1) (i) छोटा नागपुर क्षेत्र के मुंडा और संथाल महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं।	

	(ii) ओडिशा और बिहार के आदिवासी शादियों के दौरान इमली और आम के पेड़ों की पूजा करते हैं। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किसी एक बिन्दु की व्याख्या कीजिए।** **3 वन्य जीव संरक्षण हम सबके लिए महत्वपूर्ण क्यों है? व्याख्या कीजिए। (2)** (i) यह पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखता है। (ii) पारिस्थितिक विविधता को संरक्षित करता है। (iii) हमारे जीवन समर्थन प्रणाली को संरक्षित करता है। (iv) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या कीजिए।**	

अध्याय 3: जल संसाधन

<table>
<tr><td></td><td>< 1 > अंक के प्रश्न</td><td>मुख्य परीक्षा/ पूरक परीक्षा</td></tr>
<tr><td>1</td><td>स्तंभ I का स्तंभ II से मिलान कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
<table>
<tr><td></td><td>स्तंभ I
(बाँध)</td><td></td><td>स्तंभ II
(नदी)</td></tr>
<tr><td>a</td><td>हीराकुंड</td><td>I</td><td>चंबल</td></tr>
<tr><td>b</td><td>गाँधी सागर</td><td>ii.</td><td>कृष्णा</td></tr>
<tr><td>c</td><td>नागार्जुन सागर</td><td>iii.</td><td>कावेरी</td></tr>
<tr><td>d</td><td>मेट्टूर</td><td>iv.</td><td>महानदी</td></tr>
</table>
विकल्प:
A. a-iv, b-i, c-iii, d-ii
B. a-I, b-ii, c-iv, d-iii
C. a-iv, b-i, c-ii, d-iii
D. a-i, b-ii, c-iii, d-iv
उपयुक्त विकल्प: C. a-iv, b-i, c-ii, d-iii</td><td>32-1-1</td></tr>
<tr><td>2</td><td>कृष्णा- गोदावरी मुद्दे में शामिल प्रमुख राज्यों से सम्बंधित सही विकल्प का चयन कीजिए:
A. कर्नाटक, केरल और तामिलनाडु
B. महाराष्ट्र, कर्नाटक, और आंध्र प्रदेश
C. गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
D. झारखण्ड, आंध्र प्रदेश और ओडिशा
उपयुक्त विकल्प: B. महाराष्ट्र, कर्नाटक, और आंध्र प्रदेश</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>32-2-1</td></tr>
<tr><td>3</td><td>स्तंभ I को स्तंभ II से मिलान कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
स्तंभ I   स्तंभ II
(नदी)   (बांध)
a. चंबल   i. सलाल
b. गंगा   ii. भाखड़ा नांगल
c. चिनाब   iii. गांधी सागर
d. सतलुज   iv. टिहरी
विकल्प:
(A) a-ii, b-iii, c-i, d-iv
(B) a-ii, b-iii, c-iv, d-i
(C) a-iii, b-iv, c-i, d-ii
(D) a-iii, b-iv, c-ii, d-i
उपयुक्त विकल्प: (C) a-iii, b-iv, c-i, d-ii</td><td></td></tr>
<tr><td>4</td><td>सरदार सरोवर बांध द्वारा प्रमुख रूप से लाभान्वित राज्यों के सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) राजस्थान, गुजरात, पंजाब और हरियाणा
(B) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान
(C) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश</td><td></td></tr>
</table>

	(D) मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ **उपयुक्त विकल्प:** (B) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान	
	3 अंक	**32-3-1**
5	**औद्योगिकरण एवं शहरीकरण ने जल आपूर्ति को किस प्रकार प्रभावित किया है? स्पष्ट कीजिए ।** (i) (i)इसने हमारे जल संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। (ii) भूजल संसाधनों का अत्यधिक शोषण किया जा रहा है। (iii) भूजल संसाधनों की कमी होती जा रही है। (iv) भूजल संसाधनों की कमी होती जा रही है। (v) उद्योगों द्वारा अब्यवस्थित रूप से अपशिष्ट का प्रवाह जल में विषाक्तता को बढ़ा रहा है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है**	
	3 अंक	**32-3-2**
6	**प्राचीन भारत में जल संरक्षण के लिए प्रयुक्त होने वाली किन्हीं तीन विधियों का वर्णन कीजिए।** (i) भारत में प्राचीन काल से जल के संरक्षण और प्रबंधन के लिए उत्कृष्ट जलीय कृतियों का निर्माण किया गया। (ii) जैसे, बावड़ियाँ, जलाशय और झीलों का निर्माण किया गया। (iii) सिंचाई के लिए तटबंध और नहरों का निर्माण किया गया। (iv) तालाबों का निर्माण किया गया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-3-3**
7	**जल जीवन मिशन के किन्हीं तीन उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।** (i) जल जीवन मिशन (जेजेएम) का प्रथम ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किया गया। (ii) इसमें ग्रामीण लोगों के जीवन यापन को आसान बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। (iii) जल जीवन मिशन (जेजेएम) का लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित रूप से पानी की सप्लाई सुनिश्चित करना है। (iv) यह प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर के सेवा स्तर पर पीने योग्य पाइप के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	

अध्याय 4: कृषि

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**कल्पना कीजिए की आप जनवरी में दिल्ली से चंडीगढ़ एक शादी में शामिल होने के लिए सड़क मार्ग से जा रहे हैं। यात्रा के दौरान आप निम्नलिखित में से कौन सी फसल खेतों में प्रमुखता से देखेंगे?** A. चावल (धान) B. मक्का C. गेहूं D. ज्वार **उपयुक्त विकल्प: C.** गेहूं	32-1-1
	1 अंक	32-2-1
2	**स्वप्ना एक छोटी किसान है। स्वप्ना कपास की खेती करना चाहती है। किस प्रकार की भौगोलिक दशाएं इसके लिए अनुकूल रहेंगी? सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन का चयन कीजिए:** (A) लैटेराइट मृदा , मध्यम वर्षा, निम्न तापमान और खिली धूप (B) काली मृदा, हल्की वर्षा, उच्च तापमान और खिली धूप (C) लैटेराइट मृदा, हल्की वर्षा, उच्च तापमान और मध्यम धूप (D) काली मृदा, अधिक वर्षा, निम्न तापमान और मध्यम धूप **उपयुक्त विकल्प: B.** काली मृदा, हल्की वर्षा, उच्च तापमान और खिली धूप	
	3 अंक	
3	**रिंझा की कहानी पढ़िए और नीचे दी गए प्रश्न के उपयुक्त विकल्प दीजिए-** **रिंझा की कहानी** रिंझा असम में डिफु के बाहरी क्षेत्र में अपने परिवार के साथ एक गाँव में रहती है। वह अपने परिवार के सदस्यों द्वारा एक भूमि के टुकड़े पर उगी वनस्पति को काटकर व जलाकर साफ करते देखकर आनन्द का अनुभव करती है। वह प्राय: परिवार के सदस्यों के साथ बाँस के नाले द्वारा झरने से पानी लाकर अपने खेत को सिंचित करने में सहायता करती है। वह अपने परिवेश से लगाव रखती है और जब तक संभव हो यहाँ रहना चाहती है, परन्तु इस छोटी बच्ची को अपने खेत में मिट्टी की घटती उर्वरता के बारे में कुछ भी पता नहीं है जिसके कारण उसके परिवार को अगले वर्ष नए भूमि के टुकड़े की तलाश करनी होगी। **रिंझा को कोई तीन उपाय सुझाइए जिससे उसके खेत की मिट्टी की उर्वरता लम्बे समय तक बनी रहे।** (i) फसल चक्र विधि का प्रयोग। (ii) खाद का उपयोग। (iii) फलियों वाली फसलें उगाना (iv) कीटों और पादप रोगों का प्रबंधन। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	

	1 अंक	**32-3-1**
4	**श्रीमती मोनिका अपने परिवार के साथ मिलकर ज़मीन के टुकड़े को साफ़ करके उसपर अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए अनाज और अन्य खाद्य फ़सलें उगाती हैं। जब मृदा की उर्वरता कम हो जाती है, तो वह कृषि के लिए ज़मीन का एक और टुकड़ा तैयार करती हैं। वह निम्नलिखित में से किस कृषि की किस विधि का उपयोग करती हैं?** (A) रोपण कृषि (B) कर्तन और दहन कृषि (C) गहन जीविका कृषि (D) वाणिज्यिक कृषि **उपयुक्त विकल्प: (**B) कर्तन और दहन कृषि	
	5 अंक	
5	**भारत सरकार ने कृषि के क्षेत्र में संस्थागत सुधारों हेतु कुछ सुझाव आमंत्रित किये हैं। सरकार को ऐसे कोई पाँच संस्थागत सुधार सुझाइए जो कृषि के हित में हों।** (i) कृषि सुधारों की दिशा में सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग तथा बीमारी के लिए फसल बीमा योजना के प्रावधान का प्रभावशाली क्रियान्वयन होना चाहिए। (i) किसानों को ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों और बैंकों से ऋण लेने को प्रोत्साहित किया जाए। (ii) किसानों के बीच किसान क्रेडिट कार्ड के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाए। (iii) व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना का विस्तार एवं प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। (iv) किसानों को बिचौलियों एवं दलालों से बचाने के लिए प्रत्येक फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का विस्तार करना चाहिए। (v) किसानों के बीच विशेष मौसम बुलेटिन और कृषि कार्यक्रमों के प्रसारण की जागरूकता फैलानी चाहिए। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
6	**मान लीजिए आप एक किसान हैं। आप भारत में चावल की खेती करना चाहते हैं। ऐसी किन्हीं तीन भौगोलिक दशाओं का वर्णन कीजिए जो भारत में चावल की कृषि के लिए उपयुक्त होंगी एवं भारत के दो चावल उत्पादक अग्रणी राज्यों के नाम लिखिए ।** (i) चावल एक खरीफ की फसल है। इसे उगाने के लिए उच्च तापमान (25°C से ऊपर) की आवश्यकता होती है। (ii) इसे उगाने के लिए अधिक आर्द्रता की आवश्यकता होती है। (iii) इसे उगाने के लिए 100 सेमी से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। (iv) कम वर्षा वाले क्षेत्र में इसे सिंचाई करके उगाया जा सकता है। (v) प्रमुख चावल उत्पादक राज्य हैं- पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, पूर्वी उपयुक्त विकल्प प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु (कोई दो) (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-3-3**
7	**भारत में शस्य प्रारूप की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) भारत में तीन शस्य ऋतुएँ हैं - रबी, खरीफ और जायद। (ii) रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसम्बर के मध्य बोया जाता है और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के बीच काटा जाता है। (iii) गेहूँ, जौ, मटर, चना और सरसों रबी फसलों के उदाहरण हैं।	

	(iv) खरीफ फसलें देश के विभिन्न क्षेत्रों में मानसून के आगमन के साथ बोई जाती हैं और सितम्बर-अक्टूबर में काट ली जाती हैं। (v) चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, तूर (अरहर), मूंग, उड़द, कपास, जूट, मूंगफली, सोयाबीन आदि खरीफ फसलों के उदाहरण हैं। (vi) रबी और खरीफ फसल ऋतुओं के बीच, ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली फसल को जायद कहा जाता है। (vii) तरबूज, खरबूज, खीरा, सब्जियाँ आदि जायद फसलों के उदाहरण हैं। (viii) अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
8	**भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख मोटे अनाज की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) ज्वार, बाजरा और रागी भारत में उगाये जाने वाले मुख्य मोटे अनाज हैं। (ii) यद्यपि इन्हें मोटा अनाज कहा जाता है परन्तु इनमें पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। (iii) उदाहरणतया, रागी में प्रचुर मात्रा में लोहा, कैल्शियम, सूक्ष्म पोषक और भूसी है। (iv) क्षेत्रफल और उत्पादन की दृष्टि से ज्वार देश की तीसरी महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। (v) यह फसल वर्षा पर निर्भर होती है। अधिकतर आर्द्र क्षेत्रों में उगाये जाने के कारण इसके लिए सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। (vi) इसके प्रमुख ज्वार उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश हैं। (vii) बाजरा बलुई और उथली काली मिट्टी पर उगाया जाता है। (viii) राजस्थान, उपयुक्त विकल्प प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा इसके मुख्य उत्पादक राज्य हैं। (ix) रागी शुष्क प्रदेश की फसल है और यह लाल काली बलुई दोमट और उथली काली मिट्टी पर उगाई जाती है। (x) रागी के प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश हैं। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-4-1**
9	भारत में कृषि को लाभदायक बनाने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों की परख कीजिए। (i) 1980 और 1990 के दशक में भूमि सुधारों में संस्थागत और तकनीकी सुधार शामिल थे। (ii) सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग और बीमारी के खिलाफ फसल बीमा के प्रावधान पेश किए गए। (iii) कम ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करने के लिए ग्रामीण बैंकों और सहकारी समितियों की स्थापना की गई। (iv) किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा उठाया गया कदम। (v) सरकार द्वारा व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना (PAIS) पेश की गई। (vi) रेडियो और टीवी पर किसानों के लिए विशेष मौसम बुलेटिन और कृषि कार्यक्रम का प्रसारण।	

	(vii) सरकार द्वारा महत्वपूर्ण फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, लाभकारी और खरीद मूल्य की घोषणा। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।	
	4 अंक	**32-5-1**
10	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि** यह 'कर्तन दहन प्रणाली' (slash and burn) कृषि है। किसान जमीन के टुकड़े साफ करके उन पर अपने परिवार के भरण–पोषण के लिए अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं। जब मृदा की उर्वरता कम हो जाती है तो किसान उस भूमि के टुकड़े से स्थानांतरित हो जाते हैं और कृषि के लिए भूमि का दूसरा टुकड़ा साफ करते हैं। कृषि के इस प्रकार के स्थानांतरण से प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा मिट्टी की उर्वरता शक्ति बढ़ जाती है। चूँकि किसान उर्वरक अथवा अन्य आधुनिक तकनीकों का प्रयोग नहीं करते, इसलिए इस प्रकार की कृषि में उत्पादकता कम होती है। देश के विभिन्न भागों में इस प्रकार की कृषि को विभिन्न नामों से जाना जाता है। उत्तर–पूर्वी राज्यों असम, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में इसे 'झूम' कहा जाता है; मणिपुर में पामलू (pamlou) और छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में इसे 'दीपा' कहा जाता है। 1 'कर्तन दहन प्रणाली' कृषि के किस प्रकार के अंतर्गत आती है? (1) प्रारंभिक जीवन निर्वाह कृषि 2 'कर्तन दहन प्रणाली' में उत्पादकता कम क्यों होती है? (1) (i) इस प्रकार की कृषि में भू उत्पादकता कम हो जाती है क्योंकि कृषक खादों और आधुनिक तरीकों का उपयोग नहीं करते हैं। (ii) इस प्रणाली में कृषि के परंपरागत संसाधनों का उपयोग किया जाता है। (iii) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु। किसी एक बिन्दु का वर्णन अपेक्षित है। 3 कृषि की 'कर्तन दहन प्रणाली' की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (2) (i) भूमि के छोटे टुकड़े पर आदिम कृषि औजारों से की जाती है। (ii) यह भूमि प्राकृतिक उत्पादकता और मानसून पर निर्भर करती है। (iii) कृषि क इस प्रकार से मिट्टी की उर्वरता शक्ति बढ़ जाती है। (iv) इसे विभिन्न भागों में विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। (v) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-6-1**
11	**रोपण कृषि की किन्हीं तीन विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) इस प्रकार की खेती में लंबे-चौड़े क्षेत्र में एकल फसल बोई जाती है। (ii) रोपण कृषि, उद्योग और कृषि के बीच एक अंतरापृष्ठ है। (iii) रोपण कृषि व्यापक क्षेत्र में की जाती है (iv) यह अत्यधिक पूँजी की सहायता से की जाती है।	

	(v) इससे प्राप्त सारा उत्पादन उद्योग में कच्चे माल के रूप में प्रयोग होता है। (vi) भारत मे चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना, केला इत्यादि महत्त्वपूर्ण रोपण फसले हैं। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-6-2**
12	**गहन जीविका कृषि की किन्हीं तीन विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) इस प्रकार की कृषि उन क्षेत्रों में की जाती है जहाँ भूमि पर जनसंख्या का दबाव अधिक होता है। (ii) यह श्रम-गहन खेती है। (iii) अधिक उत्पादन के लिए अधिक मात्रा में जैव-रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग किया जाता है। (iv) भूसामित्व में विरासत के अधिकार के कारण पीढ़ी दर पीढ़ी जोतों का आकार छोटा और अलाभप्रद होता जा रहा है। (v) किसान वैकल्पिक रोज़गार न होने के कारण सीमित भूमि से अधिकतम पैदावार लेने की कोशिश करते हैं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)	
	3 अंक	**32-6-3**
13	**वाणिज्यिक कृषि की किन्हीं तीन विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) इस प्रकार की कृषि के मुख्य लक्षण आधुनिक निवेशों का अधिक मात्रा में प्रयोग है। (ii) किसानों द्वारा अधिक पैदावार देने वाली बीजों, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है। (iii) कृषि के वाणिज्यीकरण का स्तर विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग है। (iv) उदाहरण के लिए हरियाणा और पंजाब में चावल वाणिज्य की एक फसल है परन्तु ओडिशा में यह एक जीविका फसल है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
		s-1
14	भारतीय किसानों को शस्यावर्तन क्यों करना चाहिए? किन्हीं तीन कारणों की व्याख्या कीजिए। (i) फसल की उपज बढ़ाने के लिए। (ii) मिट्टी की उर्वरता की रक्षा करने के लिए। (iii) उनकी फसल में विविधता लाने के लिए। (iv) उनकी आय में वृद्धि करने के लिए। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है। (शस्यावर्तन से संबंधित विद्यार्थी के अन्य विचारों पर भी उचित अंक प्रदान करें।)	
15	भारत में वाणिज्यिक कृषि की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (i) इस प्रकार की खेती की मुख्य विशेषता आधुनिक निवेशों जैसे अधिक पैदावार देन वाले बीज़ों,रासयनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग है। (ii) इससे उच्च उत्पादकता प्राप्त होती है।	**s-2**

	(iii) कृषि के व्यावसायीकरण के स्तर एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होते हैं। (iv) उदाहरण के लिए चावल हरियाणा में एक व्यावसायिक फसल है लेकिन ओडिशा में यह एक निर्वाह फसल है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**s-3**
16	**प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) इस प्रकार की खेती अभी भी भारत के कुछ हिस्सों में की जाती है। (ii) यह कृषि जमीन के छोटे–छोटे टुकड़ों पर की जाती है। (iii) इस कृषि में कुदाल, दाव और खोदने वाली छड़ियों जैसे आदिम औजारों का उपयोग करते है। (iv) इस प्रकार की खेती प्रायः मानसून पर आधारित होती है। (v) इस प्रकार की कृषि मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता और फसल उगाने के लिए अन्य पर्यावरणीय परिस्थितियों की उपयुक्तता पर निर्भर करती ळें (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	

अध्याय 5: खनिज तथा उर्जा संसाधन

<table>
<tr><td></td><td>< 1 > अंक के प्रश्न</td><td>सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा</td></tr>
<tr><td>1</td><td>नीचे दो कथन दिए गए हैं। ये अभिकथन (A) और कारण(R) हैं। दोनो कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
अभिकथन (A) : खनिज हमारे जीवन के अति अनिवार्य भाग हैं।
कारण (R) : सभी सजीव वस्तुओं को खनिजों की आवश्यकता होती है।
विकल्प:
A. (A) और (R) दोनो सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
B. (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
C. (A) सही है परंतु (R) गलत है।
D. (A) गलत है परंतु (R) सही है।

उपयुक्त विकल्प: A. (A) और (R) दोनो सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।</td><td>32-1-1</td></tr>
<tr><td>2</td><td>स्तंभ I का स्तंभ II से मिलान कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
<table>
<tr><td></td><td>स्तंभ I
(खनिज)</td><td></td><td>स्तंभ II
(प्रमुख खानें)</td></tr>
<tr><td>a</td><td>लौह अयस्क</td><td>I</td><td>गया</td></tr>
<tr><td>b</td><td>अभ्रक</td><td>ii.</td><td>सिंगरौली</td></tr>
<tr><td>c</td><td>बॉक्साइट</td><td>iii.</td><td>चंद्रपुर</td></tr>
<tr><td>d</td><td>कोयला</td><td>iv.</td><td>मैकाल</td></tr>
</table>
विकल्प:
A. a-iii, b-i, c-iv, d-ii
B. a-iii, b-i, c-ii, d-iv
C. a-ii, b-iii, c-i, d-iv
D. a-ii, b-iii, c-iv, d-i
उपयुक्त विकल्प: A. a-iii, b-i, c-iv, d-ii</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>32-2-1</td></tr>
<tr><td>3</td><td>नीचे दो कथन दिए गए हैं। वे अभिकथन (A) और कारण (R) हैं। दोनों कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
अभिकथन (A) : भारत में सौर ऊर्जा के उत्पादन की असीम संभावनाएँ हैं।
कारण (R) : भारत का अधिकांश भू-भाग शीत कटिबन्ध के अंतर्गत आता है।
विकल्प:
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

उपयुक्त विकल्प: C. (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।</td><td></td></tr>
</table>

4	**स्तंभ I को स्तंभ II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** ***स्तंभ I*** ***स्तंभ II*** *(तापीय ऊर्जा संयंत्र)* *(राज्य)* a. तलचर i. तेलंगाना b. रामागुंडम ii. ओडिशा c. भुसावल iii. आंध्र प्रदेश d. विजयवाड़ा iv. महाराष्ट्र **विकल्प :** (A) a-ii, b-i, c-iv, d-iii (B) a-iii, b-iv, c-i, d-ii (C) a-iv, b-iii, c-ii, d-i (D) a-ii, b-i, c-iii, d-iv **उपयुक्त विकल्प:** (A) a-ii, b-i, c-iv, d-iii	
	4 अंक	**32-3-1**
5	**दिए गए स्रोत्र को पढ़िए और उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **लौह अयस्क** लौह अयस्क एक आधारभूत खनिज है तथा औद्योगिक विकास की रीढ़ है। भारत में लौह अयस्क के विपुल संसाधन विद्यमान हैं। भारत उच्च कोटि के लोहांशयुक्त लौह अयस्क में धनी है। मैग्नेटाइट सर्वोत्तम प्रकार का लौह अयस्क है जिसमें 70 प्रतिशत लोहांश उच्च मात्रा में पाया जाता है। इसमें सर्वश्रेष्ट चुंबकीय गुण होते हैं, जो विद्‌युत उद्योगों में विशेष रूप से उपयोगी हैं। हेमेटाइट सर्वाधिक महत्वपूर्ण औद्योगिक लौह अयस्क है जिसका अधिकतम मात्रा में उपयोग हुआ है, किन्तु इसमें लोहांश की मात्रा मैग्नेटाइट की अपेक्षा थोड़ी-सी कम होती है (इसमें लोहांश 50-60 प्रतिशत तक पाया जाता है)। वर्ष 2018-19 में, लौह अयस्क का लगभग समस्त उत्पादन (97%) ओडिशा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और झारखंड से प्राप्त हुआ। शेष उत्पादन (3%) अन्य राज्यों से हुआ था। **(1) किस लौह अयस्क में सर्वाधिक लोहांश पाया जाता है?** मैग्नेटाइट **(2) सर्वाधिक महत्वपूर्ण औद्योगिक लौह अयस्क कौन सा है ?** हेमेटाइट **(3) "लौह अयस्क एक आधारभूत खनिज है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) भारत में लौह अयस्क के विपुल संसाधन विद्यमान हैं। (ii) भारत उच्च कोटि के लोहांशयुक्त लौह अयस्क में धनी है। (iii)लौह अयस्क औद्योगिक विकास की रीढ़ है। (iv)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	
	5 अंक	**32-4-1**
6	''भारत में बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए सतत्‌ पोषणीय मार्ग को विकसित करना लाभदायक होगा।'' उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए। (i) आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा मूलभूत आवश्यकता है। (ii) कृषि, उद्योग, परिवहन, वाणिज्यिक और घरेलू जैसे हर क्षेत्र को ऊर्जा की आवश्यकता होती है। (iii) संपूर्ण देश में सभी रूपों में ऊर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है। (iv) ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का बढ़ता उपयोग ऊर्जा की सतत्‌ आपूर्ति हो सकेगी।	

	(v) कुशल ऊर्जा कार्यक्रमों के उपयोग के माध्यम से ऊर्जा विकास का एक सतत् तरीका विकसित करना आज के समय की मांग है। (vi) ऊर्जा संरक्षण के लिए जन जागरूकता अभियान चलाए जाए। (vii) सीमित ऊर्जा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति सतर्क दृष्टिकोण। (viii) सौर, पवन और भू–तापीय जैसे ऊर्जा के गैर–परंपरागत स्रोतों का उपयोग। (ix) ऊर्जा बचाने के लिए छोटे–छोटे कदम जैसे सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, उपयोग में न होने पर बिजली का स्विच ऑफ करना, बिजली बचाने वाले उपकरणों का उपयोग करना आदि। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के माध्यम से पुष्टि अपेक्षित है।**	
7	**''हमें अपने खनिजों के संरक्षण के लिए उनका सुनियोजित एवं सतत् पोषणीय ढंग से प्रयोग करना होगा।'' उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) खनिज संसाधन सीमित और गैर–नवीकरणीय हैं। (ii) कोयला एवं लौह जैसे खनिजों का निर्माण काफी लंबे समय के बाद होता है। (iii) खनिज भंडारों पर उद्योग और कृषि की उच्च निर्भरता है। (iv) उपयोग किए गए संसाधनों की पुनःपूर्ति एक समय लेने वाली प्रक्रिया है। (v) खनिज संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग समय की मांग है। (vi) कम लागत पर निम्न–श्रेणी के अयस्कों के उपयोग के लिए प्रौद्योगिकी में सुधार। (vii) धातुओं का पुनः उपयोग। (viii) पर्यावरणीय कानूनों का सख्ती से अनुपालन। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं के माध्यम से पुष्टि अपेक्षित है।	
	2 अंक	**32-6-1**
8	**उर्जा के परंपरागत स्रोतों का संरक्षण क्यों महत्वपूर्ण है? किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए।** (i) आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा एक बुनियादी आवश्यकता है। (ii) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का प्रत्येक क्षेत्र कृषि, उद्योग, परिवहन, वाणिज्यिक और घरेलू, में ऊर्जा की आवश्यकता है। (iii) आर्थिक विकास योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए ऊर्जा की बढ़ती मात्रा की आवश्यकता होती है। (iv) सभी रूपों में ऊर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है और ऊर्जा के पोषनीय विकास का एक स्थायी मार्ग विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। (v) ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों को बनने लाखों वर्ष लग जाते है। उदाहरण के लिए कोयला। (vi) विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-6-2**
9	**उर्जा के गैर- परंपरागत स्रोतों को अपनाना क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।** (i) ऊर्जा के बढ़ते उपभोग ने देश को कोयला, तेल और गैस जैसे परम्परागत (परंपरागत) ऊर्जा स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर कर दिया है।	

	(ii) गैस व तेल की बढ़ती कीमतों तथा इनकी संभाव्य कमी ने भविष्य में ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा के प्रति अनिश्चितताएँ उत्पन्न कर दी हैं। (iii) इनके राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। (iv) इसके अतिरिक्त जीवाश्म ईंधनों का प्रयोग गंभीर पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न करता है। (v) नवीकरणीय योग्य ऊर्जा संसाधनों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, जैविक ऊर्जा तथा अवशिष्ट पदार्थ जनित ऊर्जा के उपयोग की बहुत जरूरत है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-6-3**
10	**खनिजों के संरक्षण हेतु कोई दो उपाय सुझाइए** (i) खनिजों का योजनाबद्ध और सतत तरीके से उपयोग। (ii) निम्न गुणवत्ता वाले अयस्कों का कम लागत पर प्रयोग करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का सतत विकास करते रहना होगा। (iii) धातुओं का पुनःचक्रण। (iv) रद्दी धातुओं का उपयोग करना। (v) अन्य प्रतिस्थापनों का उपयोग। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**s-1**
11	"अनेक खनिज अवसादी चट्टानों की परतों या संस्तरों में पाए जाते हैं।" उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। (i) अनेक खनिज अवसादी चट्टानों के संस्तरों या परतों में पाए जाते है। इनका निर्माण क्षैतिज परतों में , निक्षेपण, संचयन व जमाव का परिणाम है। (ii) कोयला तथा कुछ अन्य प्रकार के लौह – अयस्कों का निर्माण लंबी अवधि तक अत्यधिक ऊष्मा व दबाव का परिणाम है। (iii) अवसादी चट्टानों में दूसरी श्रेणी के खनिजों में जिप्सम, पोटाश, नमक व सोडियम सम्मिलित है। (iv) इनका निर्माण विशेषकर शुष्क प्रदेशों में वाष्पीकरण के फलस्वरूप होता ळें (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित **है** ।	
	3 अंक	**s-2**
12	नवीकरण योग्य एवं अनीवकरण योग्य संसाधनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।	

	नवीकरण योग्य संसाधन		अनीवकरण योग्य
I	इन संसाधनों की पूर्ति प्रकृति द्वारा की जाती है।	I	ये संसाधन कुछ वर्षों के उपयोग के बाद समाप्त हो जाते हैं और इनकी पुनः पूर्ति नहीं की जा सकती है।
II	पृथ्वी पर यह अपरिमित मात्रा में उपलब्ध है।	II	पृथ्वी पर इनका निश्चित भंडार है।

III	यह ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोत हैं।	III	यह मुख्यतः ऊर्जा के परंपरागत स्रोत हैं।
IV	उदाहण के लिए वायु, जल, सौर – ऊर्जा, पेड़ – पौधे जानवर आदि।	IV	उदाहण के लिए जीवाश्म ईंधन कोयला, पेट्रोलियम, आदि।
V	ये प्रदूषण रहित है।	V	इनके उपयोग से प्रदूषण होता है।

कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

किन्हीं तीन बिन्दुओं के आधार पर अंतर स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।

	2 अंक	**s-3**
13	**''आग्नेय चट्टानों में खनिज दरारों, विदरों, भ्रंशों व जोड़ों में मिलते हैं।'' उदाहरणों सहित कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) छोटी जमाव शिराओं के रूप में और वृहत जमाव परत के रूप में पाए जाते है। (ii) इनका निर्माण भी अधिकतर उस समय होता है जब ये तरल अथवा गैसीय अवस्था में दरारों के सहारे भू–पृष्ठ की ओर धकले जाते हैं। (iii)ऊपर आते हुए ये ठंडे होकर जम जाते हैं। मुख्य धात्विक खनिज जैसे– जस्ता, ताँबा, जिंक और सीसा आदि इसी तरह शिराओं व जमावों के रूप में प्राप्त होते हैं। (iv)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

अध्याय 6: विनिर्माण उद्योग

		सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
	5 अंक	**32-1-1**
1	**"विनिर्माण उद्योग किसी देश के आर्थिक विकास की रीढ़ समझे जाते हैं।" इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) किसी देश की आर्थिक उन्नति विनिर्माण उद्योगों के विकास से मापी जाती है। (ii) विनिर्माण उद्योग कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक हैं। (iii) ये द्वितीयक व तृतीयक सेवाओं में रोजगार उपलब्ध करवाते हैं। (iv) देश में औद्योगिक विकास बेरोजगारी तथा गरीबी उन्मूलन की एक आवश्यक शर्त है। (v) निर्मित वस्तुओं का निर्यात वाणिज्य व्यापार को बढ़ाता है जिससे अपेक्षित विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है। (vi) वे देश ही विकसित हैं जो कच्चे माल को विभिन्न तथा अधिक मूल्यवान तैयार माल में विनिर्मित करते हैं। (vii) जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना का उद्देश्य भी क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। (viii) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु । **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के द्वारा न्यायसंगत ठहराना अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-1-2**
2	**वायु प्रदुषण बढ़ने में उद्योगों के भूमिका को स्पष्ट कीजिए तथा वायु प्रदुषण को कम करने के किन्हीं तीन उपायों को सुझाइए।** (i) अधिक अनुपात में अल्पावधि गैसों की उपस्थिति जैसे सल्फर डाइऑक्साइड तथा कार्बन मोनोऑक्साइड वायु प्रदूषण का कारण है। (ii) वायु में निलंबित कणनुमा पदार्थों में ठोस व द्रवीय दोनों ही प्रकार के कण होते हैं जैसे धूलि, स्प्रे, कुहासा तथा धुआँ। (iii) रसायन व कागज उद्योग, ईंट के भट्टे, तेल शोधनशालाएँ, प्रगलन उद्योग, जीवाश्म ईंधन दहन तथा छोटे-बड़े कारखाने प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करते हुए धुआँ निष्कासित करते हैं। (iv) जहरीली गैसों का रिसाव बहुत भयानक तथा दूरगामी प्रभावों वाला हो सकता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-2-1**
3	**वायु प्रदूषण में वृद्धि के लिए उद्योगों की भूमिका की व्याख्या कीजिए तथा इसकी रोकथाम के लिए उपाय सुझाइए।** **वायु प्रदूषण बढ़ाने में उद्योगों की भूमिका-** (i) वायु प्रदूषण सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अअनचाही गैसों की अधिक अनुपात में उपस्थिति के कारण होता है।	

	(ii) वायु में निलंबित कणनुमा पदार्थों में ठोस व द्रवीय दोनों हीं प्रकार के कण होते हैं जैसे धूलि, स्प्रे, कुहासा और धुआं। (iii) रसायन व कागज़ उद्योग, इंटों के भट्टे, तेल शोधनशालाएं, प्रगलन उद्योग, जीवाश्म ईंधन दहन तथा छोटे-बड़े कारखाने प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करते हुए धुआँ निष्काषित करते हैं। (iv) जहरीली गैस का रिसाव बहुत भयानक तथा दूरगामी प्रभावों वाला हो सकता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के सुझाव-** (i) वायु में निलंबित प्रदुषण को कम करने के लिए कारखानों में चिमनियों की ऊंचाई बढ़ाकर। (ii) चिमनियो में निम्नलिखित उपकरण लगाना- a. इलेक्ट्रोस्टैटिक अवक्षेपण, b. फैब्रिक फिल्टर, c. स्क्रबर और d. जड़त्वीय विभाजक। (iii) कारखानों में कोयले के स्थान पर तेल या गैस का उपयोग करके धुएँ के निष्कासन को कम किया जा सकता है। (iv) नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
4	**पर्यावरणीय निम्नीकरण की रोकथाम के लिए 'राष्ट्रीय ताप विद्‌युतगृह (NTPC)' द्वारा किए गए उपायों की व्याख्या कीजिए।** (i) यह निगम प्राकृतिक पर्यावरण और संसाधन जैसे जल, खनिज तेल, गैस तथा इंधन संरक्षण नीति का हिमायती है तथा इन्हें ध्यान में रखकर हीं विद्‌युत संयंत्रों की स्थापना करता है। (ii) आधुनिकतम तकनीकों पर आधारित उपकरणों का सही उपयोग करके तथा विद्यमान उपकरणों में सुधार द्वारा यह संभव है । (iii) अधिकतम राख का इस्तेमाल कर अपशिष्ट पदार्थों का न्यून उत्पादन। (iv) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए हरित क्षेत्र की सुरक्षा तथा वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना। (v) तरल अपशिष्ट प्रबंधन, राख युक्त जलीय पुनर्चक्रण तथा राख संग्रह प्रबंधन द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को कम करना । (vi) सभी उर्जा संयंत्रों की पारिस्थितिकीय रूप से निगरानी तथा समीक्षा और ऑन-लाइन आंकड़ों का प्रबंधन करना। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
5	**भारतीय अर्थव्यवस्था में विनिर्माण उद्योग के महत्व की व्याख्या कीजिए।** (i) विनिर्माण क्षेत्र को सामान्य रूप से विकास और विशेष रूप से आर्थिक विकास की रीढ़ माना जाता है। (ii) विनिर्माण उद्योग कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक है। (iii) यह लोगों को द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों में रोज़गार उपलब्ध कराकर कृषि पर निर्भरता को कम करता है। (iv) देश में औद्योगिक विकास बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के लिए एक आवश्यक शर्त है। भारत में सार्वजनिक क्षेत्र और संयुक्त क्षेत्र में लगे उद्योग इसी विचार पर आधरित थे। (v) जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना का उद्देश्य भी क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना है।	**32-2-2**

	(vi) निर्मित वस्तुओं के निर्यात से व्यापार और वाणिज्य का विस्तार होता है, और जिससे अपेक्षित विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है। (vii) वे देश हीं विकसित हैं जो कच्चे माल को विभिन्न तथा अधिक मूल्यवान तैयार माल में विनिर्मित करते हैं। (viii) भारत का विकास विविध व शीघ्र औद्योगिक विकास में निहित है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
6	**कृषि और उद्योग के बीच अंतर्संबंध की व्याख्या कीजिए।** (i) कृषि और उद्योग एक दूसरे से पृथक नहीं हैं। वे एक दुसरे के पूरक हैं। (ii) कृषि उपज जैसे गन्ना, चाय, जूट आदि का उपयोग उद्योगों द्वारा बड़े पैमाने पर कच्चे माल के रूप में किया जाता है। (iii) भारत में कृषि पर आधारित उद्योगों ने अपनी उत्पादकता बढ़ाकर कृषि को बढ़ावा दिया है। (iv) कृषि आधारित उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर करते हैं। (v) उद्योग अपने उत्पाद जैसे सिंचाई के लिए पंप, उर्वरक, कीटनाशक दवाएँ, प्लास्टिक पाइप, मशीनें और औज़ार आदि किसानों को बेचते हैं। (vi) इस प्रकार, विनिर्माण उद्योग के विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता ने न केवल कृषकों को अपना उत्पादन बढ़ाने में सहायता की है, बल्कि उत्पादन प्रक्रियाओं को भी बहुत कुशल बना दिया है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-2-3**
7	**उद्योग किस प्रकार वायु प्रदुषण को बढ़ाते हैं? वायु प्रदुषण को कम करने के लिए कोई तीन उपाय सुझाइए।** **वायु प्रदूषण बढ़ाने में उद्योगों की भूमिका-** (vi) वायु प्रदूषण सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अअनचाही गैसों की अधिक अनुपात में उपस्थिति के कारण होता है। (vii) वायु में निलंबित कणनुमा पदार्थों ठोस व द्रवीय दोनों हीं प्रकार के कण होते हैं जैसे धूलि, स्प्रे, कुहासा और धुआं। (viii) रसायन व कागज़ उद्योग, इंटों के भट्टे, तेल शोधनशालाएं, प्रगलन उद्योग, जीवाश्म ईंधन दहन तथा छोटे-बड़े कारखाने प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करते हुए धुआँ निष्काषित करते हैं। (ix) जहरीली गैस का रिसाव बहुत भयानक तथा दूरगामी प्रभावों वाला हो सकता है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के सुझाव-** (vi) वायु में निलंबित प्रदुषण को कम करने के लिए कारखानों में चिमनियों की ऊंचाई बढ़ाकर। (vii) चिमनियो में निम्नलिखित उपकरण लगाना- a) इलेक्ट्रोस्टैटिक अवक्षेपण, b) फैब्रिक फिल्टर, c) स्क्रबर और d) जड़त्वीय विभाजक। (viii) कारखानों में कोयले के स्थान पर तेल या गैस का उपयोग करके धुएँ के निष्कासन को कम किया जा सकता है। (ix) नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
8	**उद्योग किस प्रकार तापीय प्रदूषण को बढ़ाते हैं? तापीय प्रदूषण को कम करने के लिए कोई तीन उपाय सुझाइए।** (i) जल का तापीय प्रदूषण तब होता है जब कारखानों और थर्मल तापघरों से गर्म पानी को ठंडा होने से पहले नदियों और तालाबों में बहा दिया जाता है। (ii) परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के अपशिष्ट के द्वारा। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	

	(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।) **तापीय प्रदूषण कम करने के उपाय-** (i) गर्म पानी और अपशिष्टों को नदियों और तालाबों में छोड़ने से पहले उनका शोधन करना। औद्योगिक अपशिष्टों का उपचार तीन चरणों में किया जा सकता है। (ii) यांत्रिक साधनों द्वारा प्राथमिक शोधन। इसमें अपशिष्ट पदार्थों की छँटाई, उनके छोटे – छोटे टुकड़े करना, ढकना तथा तलछट जमाव आदि सम्मिलित हैं। (iii) जैविक प्रक्रिया द्वारा द्वितीयक शोधन। (iv) जैविक, रासायनिक और भौतिक प्रक्रियाओं द्वारा तृतीयक शोधन। इसमें अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण शामिल है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
9	**नीचे दो कथन दिए गए हैं। वे अभिकथन (A) और कारण (R) हैं। दोनों कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** **अभिकथन (A):** भारत में अधिकांश पटसन उद्योग हुगली नदी के तट एक संकरी मेखला में अवस्थित है। **कारण (R):** भारत पटसन का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। **विकल्प:** (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है। (D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। **उपयुक्त विकल्प: B.** (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।	
	3 अंक	
10	**औद्योगीकरण एवं शहरीकरण ने जल आपूर्ति को किस प्रकार प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए।** (i) इनसे हमारे जल संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। (ii) भूजल संसाधनों का अत्यधिक शोषण किया जा रहा है। (iii) भूजल संसाधनों की कमी होती जा रही है। (iv) उद्योगों द्वारा अव्यवस्थित रूप से अपशिष्ट का प्रवाह जल में विषाक्तता को बढ़ा रहा है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-5-1**
11	दिए गए फ्लो चार्ट का अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए: 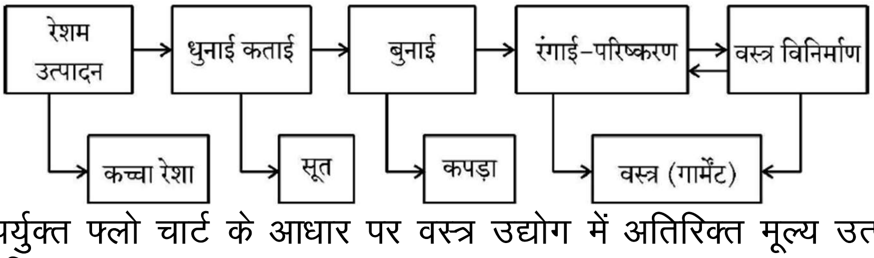 उपर्युक्त फ्लो चार्ट के आधार पर वस्त्र उद्योग में अतिरिक्त मूल्य उत्पाद की व्याख्या कीजिए। (i) कपास को कपास के पौधों से प्राप्त किया जाता है और बीज तथा अशुद्धियों को हटाने के लिए संसाधित किया जाता है। प्राप्त कच्चा रेशा अतिरिक्त मूल्य उत्पाद का प्रारंभिक चरण है।	

	(ii) कच्चे कपास के रेशे को विभिन्न कताई तकनीकों के माध्यम से सूत में काटा जाता है। यह कपास को बुनाई या बुनाई के लिए उपयुक्त बनाकर इसकी उपयोगिता को बढ़ाता है। (iii) सूत को बुनकर कपड़ा बनाया जाता है। यह चरण सामग्री को अधिक कार्यात्मक रूप में बदल देता है, जिससे इसे आगे की प्रक्रिया के लिए उपयुक्त बनाकर मूल्य में वृद्धि होती है। (iv) कपड़े को उसकी सौंदर्य अपील, स्थायित्व और बनावट में सुधार करने के लिए रंगाई, छपाई और परिष्करण प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इससे कपड़े का बाजार मूल्य बढ़ जाता है और यह परिधान उत्पादन के लिए तैयार हो जाता है। (v) तैयार कपड़े को काटकर शर्ट, ड्रेस या जींस जैसे परिधानों में बनाए जाते हैं, जिससे यह उपभोक्ताओं के लिए तैयार हो जाता है। (vi) कपास उद्योग मांग उत्पन्न करके रसायन और रंग जैसे कई अन्य उद्योगों को भी बढ़ावा देता है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
12	**दिए गए फ्लो चार्ट का अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए:** 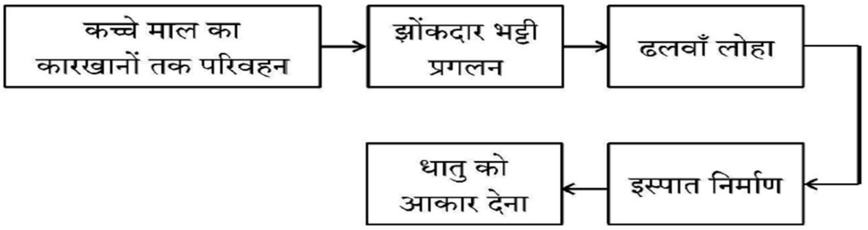 **उपर्युक्त फ्लो चार्ट के आधार पर इस्पात निर्माण प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।** (i) लौह अयस्क, कोयला और चूना पत्थर जैसे कच्चे माल को स्टील प्लांट में ले जाया जाता है। (उदाहरणः भारत में खानों (जैसे ओडिशा या झारखंड) से लौह अयस्क को स्टील प्लांट में ले जाया जाता है।) (ii) कच्चे माल को ब्लास्ट फर्नेस में डाला जाता है, जहाँ उन्हें उच्च तापमान पर पिघलाया जाता है। (उदाहरणः स्टील प्लांट में, कोक का उपयोग लौह अयस्क को पिघलाने के लिए ईंधन के रूप में किया जाता है।) (iii) ब्लास्ट फर्नेस से निकाले गए पिघले हुए लोहे को ढलवाँ आयरन कहा जाता है, जिसमें कार्बन की मात्रा अधिक होती है लेकिन यह अभी स्टील नहीं होता है। (उदाहरणः पिग आयरन का उपयोग स्टील को परिष्कृत करने के लिए किया जाता है।) (iv) ढलवाँ लौहे को अशुद्धियों को कम करने और इसकी संरचना को समायोजित करने के लिए स्टील बनाने वाली भट्टियों में संसाधित किया जाता है। (उदाहरणः कंपनियाँ विभिन्न औद्योगिक उपयोगों के लिए स्टील के विभिन्न ग्रेड बनाती हैं।) (v) शुद्ध किए गए स्टील को फिर रोलिंग, प्रेसिंग, ढलाई और गढ़ाई के माध्यम से शीट, रॉड या बीम जैसे वांछित रूपों में आकार दिया जाता है। (उदाहरणः स्टील का उपयोग निर्माण सामग्री, ऑटोमोबाइल पार्ट्स आदि के निर्माण के लिए किया जाता है।) (vi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु।	

	समग्रता में मूल्यांकन अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-6-1**
13	**जल प्रदूषण के लिए उपयुक्त विकल्पदायी किन्हीं तीन कारकों को स्पष्ट कीजिए।** (i) उद्योगों द्वारा कार्बनिक तथा अकार्बनिक अपशिष्ट पदार्थों के नदी में छोड़ने से जल प्रदूषण फैलता है। (ii) जल प्रदूषण के प्रमुख कारक कागज, लुग्दी, रसायन, वस्त्र, तथा रंगाई उद्योग, तेल शोधन शालाएँ, चमड़ा उद्योग तथा इलैक्ट्रोप्लेटिंग उद्योग हैं। (iii) ये उद्योग रंग, अपमार्जक, अम्ल, लवण तथा भारी धातुएँ जैसे सीसा, पारा, कीटनाशक, उर्वरक, कार्बन, प्लास्टिक और रबर सहित कृत्रिम रसायन आदि जल में वाहित करते हैं। (iv) भारत के मुख्य अपशिष्ट पदार्थों में फ्लाई एश, फोस्फो-जिप्सम तथा लोहा-इस्पात की अशुद्धियाँ हैं। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
14	**वायु प्रदूषण के लिए उपयुक्त विकल्पदायी किन्हीं तीन कारकों को स्पष्ट कीजिए।** (i) अधिक अनुपात में अनचाही गैसों की उपस्थिति जैसे सल्फर डाइऑक्साइड तथा कार्बन मोनोऑक्साइड वायु प्रदूषण का कारण है। (ii) वायु में निलंबित कणनुमा पदार्थों में ठोस व द्रवीय दोनों ही प्रकार के कण होते हैं जैसे- धूलि, स्प्रे, कुहासा तथा धुआँ। (iii) रसायन व कागज उद्योग, ईंटों के भट्टे, तेल शोधनशालाएँ, प्रगलन उद्योग, जीवाश्म ईंधन दहन तथा छोटे-बड़े कारखाने प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करते हुए धुआँ निष्कासित करते हैं। (iv) जहरीली गैसों का रिसाव बहुत भयानक तथा दूरगामी प्रभावों वाला हो सकता है। (v) वायु प्रदूषण, मानव स्वास्थ्य, पशुओं, पौधों, इमारतों तथा पूरे पर्यावरण पर दुष्प्रभाव डालते है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**s-1**
15	भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। (i) उद्योग कृषि को आधुनिक बनाने में मदद करते हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। (ii) वे लोगों को द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों में नौकरियाँ प्रदान करके कृषि आय पर उनकी भारी निर्भरता को कम करते हैं। (iii) हमारे देश से बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के लिए औद्योगिक विकास एक पूर्व शर्त है। (iv) इसका उद्देश्य आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करके क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना भी है। (v) विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात से व्यापार और वाणिज्य का विस्तार होता है, जिससे हमें आवश्यक विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है।	

	(vi) जो देश अपने कच्चे माल को विभिन्न प्रकार के उच्च मूल्य के तैयार माल में बदलते हैं वे समृद्ध होते हैं। भारत की समृद्धि अपने विनिर्माण उद्योगों को यथाशीघ्र बढ़ाने और विविधता लाने में निहित है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
16	**उद्योग वायु प्रदुषण के लिए किस प्रकार उत्तरदायी हैं? इसकी रोकथाम के लिए किन्हीं तीन उपायों को सुझाइए।** (i) वायु प्रदूषण सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अवांछनीय गैसों की उच्च मात्रा की उपस्थिति के कारण होता है। (ii) वायु में निलंबित कणीय पदार्थों में धूल, स्प्रे धुंध और धुआं जैसे ठोस और तरल दोनों प्रकार के कण होते हैं। (iii) धुआं रासायनिक और कागज कारखानों, ईंट भट्ठों, तेल शोधन शालाओं और गलाने वाले संयंत्रों द्वारा उत्सर्जित होता है। (iv) बड़े और छोटे कारखानों में जीवाश्म ईंधन जलाना जो प्रदूषण मानदंडों की अनदेखी करते हैं। (v) जहरीली गैस का रिसाव दीर्घकालिक प्रभाव के साथ बहुत खतरनाक हो सकता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है। (2x1=2)** वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपायः (i) इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स को लगाना। (ii) फैब्रिक फिल्टर का उपयोग करना (iii) स्क्रबर और जड़त्वीय विभाजक। (iv) कारखानों में कोयले के स्थान पर तेल या गैस का उपयोग करके धुएँ को कम किया जा सकता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है। (3x1=3)**	

लोकतांत्रिक राजनीति 2

अध्याय 1: सत्ता की साझेदारी

	1 अंक	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**बेल्जियम ने अपनी बहुसंख्यकवाद की समस्या का समाधान निम्नलिखित में से किस प्रकार की शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करके किया?** A. एकात्मक B. अध्यक्षात्मक C. संघात्मक D. संसदनात्मक **उपयुक्त विकल्प: C. संघात्मक**	**32-1-1**
2	**निम्नलिखित में से सही सुमेलित युग्म का चयन कीजिए:** (देश) (व्यवस्था) A. कनाडा - एकात्मक B. बोलिविया - संघात्मक C. ऑस्ट्रेलिया - एकात्मक D. स्पेन - संघात्मक **उपयुक्त विकल्प: D** स्पेन - संघात्मक	
	3 अंक	**32-1-3**
3	**"राजनीतिक सत्ता का बँटवारा नहीं किया जा सकता" इस कथन के विरुद्ध तर्कों का विश्लेषण कीजिए** (i) सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र का सार है। (ii) लोकतंत्र का एक सिद्धांत है कि लोग सभी प्रकार की शक्तियों के स्रोत होते हैं। (iii) अविभाजित राजनीतिक शक्ति का अर्थ तानाशाही या सर्वसत्तावाद है जो लोकतंत्र के सिद्धांतों के विरुद्ध है। (iv) शक्ति का विभाजन या विकेंद्रीकरण जवाबदेही और उपयुक्त विकल्पदायित्व सुनिश्चित करता है। (v) विभाजित शक्तियाँ संतुलन और नियंत्रण सुनिश्चित करती हैं। (vi) शक्ति का विभाजन शासन में पारदर्शिता लाता है। (vii) लोकतंत्र में लोग स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं के द्वारा स्वयं पर शासन करते हैं। (viii) शक्ति का विभाजन और साझेदारी मूल्यवान और वैध है। (ix) एक अच्छे लोकतंत्र में समाज के विविध समूहों के मतों को महत्व दिया जाता है। (x) सार्वजनिक नीतियों के निर्माण में सभी का मत लिया जाता है। (xi) विभाजित शक्ति निर्णय लेने की गुणवत्ता और व्यक्तियों की गरिमा को बढ़ाती है। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
		32-2-1
4	**निम्नलिखित में से किस संगठन का मुख्यालय ब्रुसेल्स में है?** (A) संयुक्त राष्ट्र संगठन (B) यूरोपीय संघ	

	(C) गुटनिरपेक्ष आंदोलन (D) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ **उपयुक्त विकल्प: (B) यूरोपीय संघ**	
5	**निम्नलिखित में से कौन-सा देश आंतरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का बंटवारा करने का उदाहरण है?** (A) संयुक्त राज्य अमेरिका (B) ऑस्ट्रेलिया (C) बेल्जियम (D) स्विट्ज़रलैंड **उपयुक्त विकल्प: (C) बेल्जियम**	
	3 अंक	
6	**"सरकारी फैसलों ने धीरे-धीरे श्रीलंकाई तमिलों की नाराजगी और शासन को लेकर उनमें बेगानापन बढाया।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) 1956 में, एक क़ानून बनाया गया जिसके तहत तमिल को दरकिनार करके सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया गया। (ii) विश्विद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता देने की नीति भी चली। (iii) नए संविधान में यह प्रावधान भी किया गया कि सरकार बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देगी। (iv) इन सरकारी फैसलों ने श्रीलंकाई तमिलों की नाराजगी और शासन को लेकर उनमें बेगानापन बढाया। (v) उन्हें लगा कि बौद्ध धर्मावलंबी सिंहली नेताओं के नेतृत्व वाले राजनीतिक दल उनकी भाषा और संस्कृति के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। (vi) उन्हें लगा कि संविधान और सरकारी नीतियाँ उन्हें समान राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर रही है । (vii) नौकरियों और फायदे के अन्य कामों में उनके साथ भेदभाव हो रहा है और उनके हितों की अनदेखी की जा रही है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-2-3**
7	**लोकतंत्र की सफलता के लिए सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है? व्याख्या कीजिए।** (i) सत्ता का बँटवारा सामाजिक समूहों के बीच टकराव के अंदेशे को कम करने में मदद करता है। (ii) यह राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता के लिए एक अच्छा तरीका है। (iii) बहुसंख्यक समुदाय की इच्छा को दूसरों पर थोपना तात्कालिक तौर पर लाभकारी लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। (iv) यह लोकतंत्र की आत्मा है। (v) लोकतंत्र का मतलब ही होता है कि जो लोग इस शासन व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं उनके बीच सत्ता को बता जाए। (vi) लोगों को इस बात पर परामर्श लेने का अधिकार है कि उन पर कैसे शासन किया जाए। (vii) एक वैध सरकार वह है जिसमें भागीदारी के माध्यम से सभी समूह शासन व्यवस्था में जुड़ते हैं। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (**किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
8	**निम्नलिखित में से कौन सा समूह श्रीलंका में बहुसंख्यक है?** (A) तमिल-भाषी (B) सिंहली-भाषी (C) तेलुगु-भाषी (D) अंग्रेजी-भाषी	

	उपयुक्त विकल्प: (B) सिंहली-भाषी	
	2 अंक	
9	**भारत के संदर्भ में "सत्ता की साझेदारी" के उर्ध्वाधर वितरण की प्रभावशीलता की व्याख्या कीजिए।** (i) भारतीय संविधान स्पष्ट रूप से सत्ता का विभिन्न स्तरों पर बँटवारा करता है। (ii) सरकार के बीच तीन स्तरों पर सत्ता का बंटवारा हो सकता है। (iii) ये तीन स्तर हैं- केंद्रीय या संघीय सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय सरकार शहरी और ग्रामीण सरकार) । (iv) यह निर्णय लेने में आधारभूत स्तर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करता है। (v) यह शासन की गुणवत्ता में वृद्धि करता है। (vi) यह समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही कर देता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-3-2**
10	**भारत के संदर्भ में "सत्ता के क्षैतिज वितरण"की प्रभावशीलता की व्याख्या कीजिए।** (i) शासन के विभिन्न अंग जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बाँटवारा होता है। (ii) इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रह कर अपनी शक्तियों का उपयोग करते हैं। (iii) ऐसे बँटवारे से यह सुनिश्चित हो जाता है कि कोई भी एक अंग सत्ता का असिमित उपयोग नहीं कर सकता। (iv) हर अंग दूसरे पर अंकुश रखता है। (v) इससे विभिन्न संस्थाओं के बीच सत्ता का संतुलन बनता है। (vi) कार्यपालिका सत्ता का उपयोग ज़रूर करती है पर यह सदन अथवा राज्य विधानसभाओं के प्रति उपयुक्त विकल्पदायी होती है। (vii) यद्यपि न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका करती है पर न्यायपालिका ही कार्यपालिका की गतिविधियों को जाँचती है और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों का पुनरावलोकन करती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-3-3**
11	**विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य सत्ता का वितरण लोकतंत्र के लिए किस प्रकार लाभदायक है? स्पष्ट कीजिए।** (i) यह समानता को बढ़ावा देता है। (ii) यह विविधता को समायोजित करता है। (iii) बहुसंख्यक समुदायों के अल्पसंख्यक समुदायों पर प्रभुत्व को रोकता है। (iv) अल्पसंख्यक समुदाय को सत्ता में उचित भागीदारी देता है।	

	(v) विधानसभा और संसद में "आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र" विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी का उदाहरण है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-5-1**
12	भारत में सत्ता के क्षैतिज वितरण में 'नियंत्रण एवं संतुलन' की व्यवस्था का मूल्यांकन कीजिए। (i) सत्ता के बंटवारे का क्षैतिज स्वरूप सरकार के एक ही स्तर पर उनके विभिन्न अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के मध्य शक्तियों का बंटवारा करके कार्य करने की शक्ति प्रदान करता है। (ii) इस तरह का विभाजन सुनिश्चित करता है कि कोई भी अंग असीमित शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता। (iii) प्रत्येक अंग दूसरे पर नियंत्रण रखता है। (iv) इससे विभिन्न संस्थाओं के बीच शक्ति का संतुलन बना रहता है। (v) लोकतंत्र में, भले ही मंत्री और सरकारी अधिकारी सत्ता का प्रयोग करते हों, लेकिन वे संसद या राज्य विधानसभाओं के प्रति उत्तरदायी होते हैं। (vi) इसी तरह, हालांकि न्यायाधीशों की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा की जाती है, लेकिन वे कार्यपालिका के कामकाज या विधायिकाओं द्वारा बनाए गए कानूनों की जांच कर सकते हैं। (vii) इस व्यवस्था को नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली कहा जाता है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-5-2**
13	भारत में सत्ता के ऊर्ध्वाधर वितरण का विश्लेषण कीजिए। (i) सत्ता का विभिन्न स्तरों पर विभाजन ऊर्ध्वाधर विभाजन कहलाता है। (ii) सत्ता को विभिन्न स्तरों पर सरकारों के बीच साझा किया जा सकता है – पूरे देश के लिए एक सामान्य सरकार और प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर पर सरकारें – राज्य और स्थानीय सरकारें। (iii) पूरे देश के लिए एक सामान्य सरकार को आमतौर पर संघीय सरकार कहा जाता है। (iv) भारत में, हम इसे केंद्र या संघ सरकार के रूप में संदर्भित करते हैं। (v) प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर पर सरकारों को भारत में राज्य सरकार की तरह अलग–अलग देशों में अलग–अलग नामों से पुकारा जाता है। (vi) यही सिद्धांत राज्य सरकार से निचले स्तर की सरकार जैसे नगरपालिका और पंचायत पर भी लागू किया जा सकता है। (vii) संविधान स्पष्ट रूप से सरकार के विभिन्न स्तरों की शक्तियों को का विभाजन करता है। (viii) इसे शक्ति का संघीय विभाजन कहा जाता है। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-5-3**
14	लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए सत्ता का बँटवारा क्यों आवश्यक है? व्याख्या कीजिए।	

	(i) लोकतंत्र में सत्ता के बंटवारे के महत्व को दर्शाने के दो कारण हैं– युक्तिपरक और नैतिक कारण। (ii) सत्ता का बंटवारा अच्छा है क्योंकि इससे सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष की संभावना कम हो जाती है। (iii) सामाजिक संघर्ष अक्सर हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता की ओर ले जाता है। राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सत्ता का बंटवारा एक अच्छा तरीका है। (iv) बहुसंख्यक समुदाय की इच्छा को दूसरों पर थोपना अल्पावधि में एक आकर्षक विकल्प की तरह लग सकता है, लेकिन दीर्घावधि में यह राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। (v) सत्ता का बंटवारा लोकतंत्र की मूल भावना है। (vi) एक लोकतांत्रिक शासन में उन लोगों के साथ सत्ता साझा करना शामिल है जो इसके प्रयोग से प्रभावित होते हैं, और जिन्हें इसके प्रभावों के साथ रहना पड़ता है। (vii) लोगों को इस बात पर परामर्श करने का अधिकार है कि उन्हें कैसे शासित किया जाए। (viii) एक वैध सरकार वह होती है जहाँ नागरिक भागीदारी के माध्यम से व्यवस्था में हिस्सेदारी हासिल करते हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-6-1**
15	**संघात्मक और एकात्मक शासन व्यवस्था के मध्य उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।** **संघात्मक शासन प्रणाली** (i) सरकार के दो या दो से अधिक स्तर । (ii) केंद्र सरकार और राज्य सरकार समन्वय के साथ काम करती हैं। (iii) सत्ता का विकेंद्रीकरण होता है। (iv) सत्ता के विभिन्न स्तरों के बीच शक्तियों का संतुलन होता है। (v) उदाहरण के लिए: बेल्जियम/यू.एस.ए. (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **एकात्मक शासन प्रणालीः** (i) सरकार का केवल एक ही स्तर होता है। (ii) राज्य सरकार केंद्र सरकार की उप-इकाइयों की तरह काम करती हैं। (iii) सारी शक्तियाँ केंद्र सरकार में निहित हैं अतः सत्ता का केन्द्रीकरण होता है। (iv) केंद्र सरकार का पूर्ण नियंत्रण होता है। (v) उदाहरण के लिए: श्रीलंका (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	
16	**“1956 में बनाए गए क़ानून और अन्य संवैधानिक प्रावधानों ने श्रीलंका में दो समुदायों के बीच बड़े टकराव का रूप ले लिया।” इस कथन की पुष्टि कीजिए।**	

	(i) 1956 में एक क़ानून बनाया गया जिसके तहत तमिल को दरकिनार करके सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया गया। (ii) विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता देने की नीति भी चली। (iii) नए संविधान में यह प्रावधान भी किया गया कि सरकार बौद्ध मत को संरक्षण देगी। (iv) इस सरकारी फैसलों ने श्रीलंकाई तमिलों की नाराजगी और शासन को लेकर उनमें बेगानापन बढ़ाया। (v) उन्हें लगा कि संविधान और सरकार की नीतियाँ उन्हें सामान राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर रही थी। (vi) तमिल और सिंहली समुदायों के संबंध बिगड़ते चले गए। (vii) श्रीलंकाई तमिलों ने अपनी राजनीतिक पार्टियां बनाई और तमिल को राजभाषा बनाने के लिए संघर्ष किया। (viii) उन्होंने क्षेत्रीय स्वायत्तता तथा शिक्षा और रोज़गार में सामान अवसरों की माँग की। (ix) लेकिन उनकी माँगों को लगातार नाकारा गया। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की पुष्टि अपेक्षित है।)**	
17	**सत्ता मे साझेदारी विभिन्न समूहों के मध्य विश्वास को बढ़ाती है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) लोकतंत्र का एक बुनियादी सिद्धांत है कि जनता ही सारी राजनीतिक शक्ति का स्रोत हैं। (ii) सत्ता की साझेदारी जनमत निर्माण में योगदान देती है। (iii) सत्ता की साझेदारी समूहों के बीच संघर्ष की संभावना को कम करने में मदद करती है। (iv) सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र की आत्मा है। (v) बेल्जियम सत्ता की साझेदारी का प्रमुख उदाहरण है। (vi) सत्ता का बंटवारा विभिन्न सामाजिक समूहों, मसलन भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच भी हो सकता है। (vii) विभिन्न प्रकार के दबाब समूह और आन्दोलनों द्वारा शासन और आन्दोलनों द्वारा शासन को प्रभावित और नियंत्रित किया जाता है। (viii) सत्ता में साझेदारी अल्पसंख्यक समुदायों को सत्ता में बेहतर प्रतिनिधि प्रदान करता है। (ix) सत्ता की साझेदारी सामाजिक विविधता को आत्मसात करती है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-6-3**
18	**1956 में बनाए गए कानून और अन्य संवैधानिक प्रावधानों ने श्रीलंका में दो समुदायों के बीच बड़े टकराव का रूप ले लिया इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) 1956 में एक अधिनियम पारित करके सिंहली को एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई जिसने तमिल भाषा की उपेक्षा हुई। (ii) सरकारों ने विश्वविद्यालय में पदों और सरकारी नौकरियों के लिए सिंहली आवेदकों को वरीयता देने की नीति को अपनाया।	

	(iii) नए संविधान में यह प्रावधान किया गया कि राज्य बौद्ध धर्म की रक्षा और संवर्धन करेगा। (iv) तमिल भाषी लोगों को लगा कि बौद्ध सिंहली नेताओं के नेतृत्व में कोई भी प्रमुख राजनीतिक दल उनकी भाषा और संस्कृति के प्रति संवेदनशील नहीं था। (v) उन्हें लगा कि संविधान और सरकारी नीतियों ने उन्हें समान राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। (vi) सरकार ने नौकरियाँ और अन्य अवसर प्राप्त करने में उनके साथ भेदभाव किया और उनके हितों की अनदेखी की। (vii) समय के साथ सिंहली और तमिल समुदायों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए। (viii) तमिलों की आबादी वाले प्रांतों को अधिक स्वायत्तता देने की उनकी मांग को बार–बार अस्वीकार किया गया। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की पुष्टि अपेक्षित है।)**	
19	**सत्ता में साझेदारी विभिन्न समूहों के मध्य विश्वास को बढ़ाती है इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) सत्ता का वास्तविक जनतंत्र निर्माण में योगदान देती है। (ii) सत्ता का उपयोग जनतंत्र को मजबूत बनाने में होता है और इससे समाज में नए अवसर मिलते हैं। (iii) शासन की विभिन्न संस्थाओं को स्पष्ट रूप से विभाजित किया गया है। (iv) लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का वितरण सुनिश्चित है। (v) शासन को सही ढंग से चलाने के लिए सत्ता का बंटवारा आवश्यक है। (vi) विभाजित सत्ता जनतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है। (vii) शासन में न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करते हैं। (viii) सत्ता का विभाजन लोगों को शासन में समान अवसर देता है। (ix) विभाजित सत्ता दुरुपयोग को रोकती है और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावशाली बनाती है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की पुष्टि अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**s-2**
20	**श्रीलंका में सरकारी फैसलों ने किस प्रकार तमिलों की नाराजगी और शासन को लेकर उनमें बेगानापन बढ़ाया? स्पष्ट कीजिए।** (i) 1956 में एक अधिनियम पारित करके सिंहली को एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई जिसने तमिल भाषा की उपेक्षा हुई। (ii) सरकारों ने विश्वविद्यालय में पदों और सरकारी नौकरियों के लिए सिंहली आवेदकों को वरीयता देने की नीति को अपनाया। (iii) नए संविधान में यह प्रावधान किया गया कि राज्य बौद्ध धर्म की रक्षा और संवर्धन करेगा। (iv) तमिल भाषी लोगों को लगा कि बौद्ध सिंहली नेताओं के नेतृत्व में कोई भी प्रमुख राजनीतिक दल उनकी भाषा और संस्कृति के प्रति संवेदनशील नहीं था।	

	(v) उन्हें लगा कि संविधान और सरकारी नीतियों ने उन्हें समान राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। (vi) सरकार ने नौकरियाँ और अन्य अवसर प्राप्त करने में उनके साथ भेदभाव किया और उनके हितों की अनदेखी की। (vii) समय के साथ सिंहली और तमिल समुदायों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए। (viii) तमिलों की आबादी वाले प्रांतों को अधिक स्वायत्तता देने की उनकी मांग को बार–बार अस्वीकार किया गया। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

अध्याय 2: संघवाद

		सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
	4 अंक	**32-1-1**
1	**दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **ब्राज़ील का एक प्रयोग** ब्राज़ील के शहर पोर्ता एलग्रे ने विकेंद्रीकरण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी वाले लोकतंत्र के मेल का एक विलक्षण प्रयोग किया है। इस शहर के नगर परिषद के समांतर एक संगठन खड़ा किया गया और अपने शहर के बारे में वास्तविक फ़ैसले करने का अधिकार स्थानीय निवासियों को दिया गया है। इस शहर के करीब 13 लाख लोग अपने शहर का बजट तैयार करने में भागीदारी करते हैं। शहर को अनेक उप-क्षेत्रों में बाँटा गया है। लगभग वैसे ही जिन्हें हम वार्ड कहते हैं। हर उप-क्षेत्र की अपनी-अपनी बैठक होती है जिसका स्वरूप ग्राम सभा की तरह है और इसमें उस इलाके के सभी नागरिक भाग ले सकते हैं। फिर, कुछ बैठकें पूरे शहर को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर होती हैं और उसमें शहर का कोई भी नागरिक भाग ले सकता है। इसमें शहर के बजट पर चर्चा होती है। इसके बाद इन प्रस्तावों को नगरपालिका के सामने पेश किया जाता है जो अंतिम फैसला लेती है। **(35.1) 'सहभागी लोकतंत्र के अर्थ को स्पष्ट कीजिए ।** (i) भागीदारी लोकतंत्र का अर्थ है निर्णय लेने की प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी या प्रत्यक्ष संलग्रता। **(35.2) शक्तियों के बँटवारे के संदर्भ में, दिया गया उदाहरण किस प्रकार की शासन प्रणाली को परिभाषित करता है?** (i) स्थानीय स्व-शासन **(35.3) ब्राज़ील के उपर्युक्त उदाहरण से लगभग मिलती-जुलती भारत की व्यवस्था के गठन का वर्णन कीजिए।** (i) स्थानीय स्वशासन- पंचायती राज, नगरपालिका और नगर निगम। (ii) सभी स्थानीय स्वशासन निकाय का चुनाव लोगों के द्वारा चुना जाता है। (iii) ग्राम पंचायत के अंतर्गत ग्राम सभा में उस क्षेत्र के लोग सीधे भाग लेते हैं। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
	4 अंक	**32-2-1**
2	**दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दी गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **भारत में विकेंद्रीकरण** विकेंद्रीकरण की ज़रूरत हमारे संविधान में भी स्वीकार की गई। इसके बाद से गाँव और शहर के स्तर पर सत्ता के विकेंद्रीकरण की कई कोशिशें हुई हैं। सभी राज्यों में गाँव के स्तर पर ग्राम पंचायतों और शहरों में नगरपालिकाओं की स्थापना की गई थी। पर इन्हें राज्य सरकारों के सीधे नियंत्रण में रखा गया था। इन स्थानीय सरकारों के लिए नियमित ढंग से चुनाव भी नहीं कराए जाते थे। इनके पास न तो अपना कोई अधिकार था न संसाधन। इस प्रकार प्रभावी ढंग से सत्ता का विकेंद्रीकरण नाम मात्र का हुआ था। वास्तविक विकेंद्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम 1992 में उठाया गया। संविधान में संशोधन करके लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के इस तीसरे स्तर को ज़्यादा शक्तिशाली और प्रभावी बनाया गया।	

	35.1. भारतीय संविधान में सत्ता का विकेंद्रीकरण कितने स्तरों पर किया गया है? (1) -केंद्र/ राज्य/ स्थानीय शासन (ग्रामीण एवं शहरी) **35.2. समस्याओं के समाधान में स्थानीय स्व-शासन की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। (1)** (i) अनेक समस्याएं और मुद्दे हैं जिन्हें स्थानीय स्तर पर ही सुलझाया जाना सबसे अच्छा है। (ii) लोगों को अपने इलाके की समस्याओं के बारे में बेहतर समझ होती है। (iii) लोगों को इस बात की अच्छी जानकारी होती है कि पैसा कहाँ खर्च किया जाए और चीज़ों का अधिक कुशलता से उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित है।)** **35.3 "स्थानीय सरकारों की स्थापना स्व-शासन के लोकतांत्रिक सिद्धांत को वास्तविक बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए। (2)** (i) स्थानीय सरकार विविध समूहों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है। (ii) लोगों के लिए निर्णय लेने में सीधे भाग लेना संभव है। (iii) यह लोगों की बड़ी भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को गहरा बनाता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-2-2**
3	**भारतीय संविधान में दिए गए सत्ता के उर्ध्वाधर वितरण की व्याख्या कीजिए।** (i) भारत का संविधान विभिन्न स्तरों पर सरकारों के बीच सत्ता का बँटवारा करता है - पूरे देश के लिए एक सामान्य सरकार और प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर पर अलग अलग सरकारें। (ii) भारत में पूरे देश की सामान्य सरकार को आमतौर पर केंद्र या संघ सरकार कहा जाता है। (iii) भारत में प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर की सरकार को राज्य सरकार कहा जाता है। (iv) भारत के संविधान में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का बँटवारा किस तरह होगा। (v) 1992 के संवैधानिक संशोधन के माध्यम से इसी सिद्धांत को राज्य सरकार से निचले स्तरों जैसे नगर पालिका और पंचायत तक बढ़ा दिया गया है। (vi) उच्चतर और निम्नतर स्तर की सरकारों के बीच सत्ता के ऐसे बंटवारे को ऊर्ध्वाधर वितरण कहा जाता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
4	**निम्नलिखित में से कौन सी भाषा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है?** (A) भोजपुरी (B) मगधी (C) राजस्थानी (D) तमिल **उपयुक्त विकल्प:** (D) तमिल	
5	**निम्नलिखित में से सही सुमेलित युग्म का चयन कीजिए:** (A) समवर्ती सूची - शिक्षा (B) समवर्ती सूची - रक्षा (C) समवर्ती सूची - पुलिस (D) समवर्ती सूची – व्यापार उपयुक्त विकल्प: (A) समवर्ती सूची – शिक्षा	

	2 अंक	
6	**भारत के संदर्भ में सत्ता के क्षैतिज वितरण की प्रभावशीलता की व्याख्या कीजिए।** (i) भारतीय संविधान स्पष्ट रूप से सत्ता का विभिन्न स्तरों पर बाँटवारा करता है। (ii) सरकार के बीच तीन स्तरों पर सत्ता का बाँटवारा हो सकता है। (iii) ये तीन स्तर हैं — केन्द्रीय या संघीय सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय सरकार (शहरी और ग्रामीण सरकार)। (iv) यह निर्णय लेने में आधारभूत स्तर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करता है। (v) यह शासन की गुणवत्ता में वृद्धि करता है। (vi) यह समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही कर देता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	
7	**"केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का बँटवारा भारतीय संविधान की बुनियादी बात है।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन का विश्लेषण कीजिए ।** (i) भारतीय संविधान में संघीय व्यवस्था को स्वीकार किया गया है, जहाँ सत्ता का बँटवारा केंद्र और राज्य सरकार के बीच किया गया है। (ii) अधिकारों के इस बँटवारे में बदलाव करना आसान नही है। (iii) अकेले संसद इस व्यवस्था में बदलाव नहीं कर सकती। (iv) ऐसे किसी भी बदलाव को पहले संसद के दोनों सदनों में 2/3 बहुमत से मंजूर किया जाना होता है फिर कम से कम आधे राज्यों की विधान सभाओं से उसे मंजूर करवाना होता है। (v) संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के क्रियान्वयन की देख-रेख में न्यायपालिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। (vi) (vi)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-3-2**
8	**भारतीय संविधान केंद्र और राज्य सरकारों के मध्य शक्तियों के बँटवारे को किस प्रकार सुनिश्चित करता है? व्याख्या कीजिए।** (i) संविधान में स्पष्ट रूप से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विधायी अधिकारों को तीन हिस्से में बाँटा गया है। (ii) ये तीन सूचियाँ इस प्रकार हैं - संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। (iii) संघ सूची में, प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, बैंकिंग, संचार और मुद्रा जैसे अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय हैं। (iv) राज्य सूची में, पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि और सिंचाई जैसे प्रांतीय और स्थानीय महत्त्व के विषय हैं। (v) समवर्ती सूची में, शिक्षा, वन, मजदूर-संघ, विवाह, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे विषय हैं। (vi) केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का बँटवारा हमारे संविधान की बुनियादी बात है। (vii) संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के कार्यान्वयन की देखरेख में न्यायपालिका महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	

	4 अंक	**32-4-1**
9	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **स्थानीय स्वशासन** स्थानीय शासन का ढाँचा ज़िला स्तर तक का है। कई ग्राम पंचायतों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है। इसे मंडल या प्रखंड स्तरीय पंचायत भी कह सकते हैं। इसके सदस्यों का चुनाव उस इलाके के सभी पंचायत सदस्य करते हैं। किसी ज़िले की सभी पंचायत समितियों को मिलाकर ज़िला परिषद् का गठन होता है। ज़िला परिषद् के अधिकांश सदस्यों का चुनाव होता है। ज़िला परिषद् में उस ज़िले से लोक सभा और विधान सभा के लिए चुने गए सांसद और विधायक तथा ज़िला स्तर की संस्थाओं के कुछ अधिकारी भी सदस्य के रूप में होते हैं। ज़िला परिषद् का प्रमुख इस परिषद् का राजनीतिक प्रधान होता है। इस प्रकार स्थानीय शासन वाली संस्थाएँ शहरों में भी काम करती हैं। शहरों में नगरपालिका होती है। बड़े शहरों में नगर निगम का गठन होता है। नगरपालिका और नगर निगम, दोनों का कामकाज निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैं। नगरपालिका प्रमुख नगरपालिका के राजनीतिक प्रधान होते हैं। नगर निगम के ऐसे पदाधिकारी को मेयर कहते हैं। स्थानीय सरकारों की यह नयी व्यवस्था दुनिया में लोकतंत्र का अब तक का सबसे बड़ा प्रयोग है। 1 ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के बीच संबंधों को स्पष्ट कीजिए। (1) (i) ग्राम पंचायतों को मिलाकर पंचायत समितियां बनाई जाती हैं। (ii) पंचायत समिति कानून जिला परिषद व ग्राम पंचायत के मध्य सेतू का कार्य करता है। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किसी एक बिन्दु की व्याख्या कीजिए।** 2 नगर निगम की संरचना नगरपालिका से किस प्रकार भिन्न है? (1) (i) नगर निगम एक शहरी स्थानीय स्वशासन निकाय है जो शहर का प्रशासन करता है। नगर पालिका भी एक शहरी स्वशासन निकाय है जो शहर का प्रशासन करता है। (ii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किसी एक बिन्दु की व्याख्या कीजिए।** 3 स्थानीय सरकार की संरचना लोकतंत्र को कैसे बढ़ावा देती है? परख कीजिए।(2) (i) यह जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा देता है। (ii) यह लोकतंत्र को गहरा करता है। (iii) महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है। (iv) निर्णय लेने में लोगों की भागीदारी। (v) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या कीजिए।	

	4 अंक	**32-5-1**
10	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **राज्य पुनर्गठन आयोग** राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट को 1 नवंबर, 1956 को लागू किया गया था। अपने दौर में और अपने तरीके से इसने राष्ट्र के राजनीतिक और संस्थागत जीवन को एकदम बदल दिया था.... गाँधीजी और अन्य नेताओं ने अपने अनुयायियों से वादा किया था कि जब मुल्क आज़ाद होगा तो इस नए देश में नए प्रांत बनेंगे और भाषा के आधार पर प्रांतों का पुनर्गठन किया जाएगा। पर जब 1947 में मुल्क आज़ाद हुआ तो इसका बँटवारा भी हो गया... बहरहाल, भारत की एकता को कमज़ोर करने की जगह भाषा के आधार पर गठित राज्यों ने इसकी एकता को मज़बूत करने में मदद की है। एक व्यक्ति कन्नड़ और भारतीय या बंगाली और भारतीय अथवा तमिल और भारतीय या गुजराती और भारतीय जैसी दो-दो पहचानों के साथ आसानी से जीता है। 1 गाँधीजी ने अपने अनुयायियों से क्या वादा किया था? (1) (i) जब मुल्क आजाद होगा तो इस नए देश में नए प्रांत बनेंगे। (ii) भाषा के आधार पर प्रांतों का पुनर्गठन किया जाएगा। (iii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किसी एक बिन्दु का वर्णन अपेक्षित है। 2 भाषा ने किस प्रकार भारत की एकता को मजबूत किया? (1) (i) भाषाई राज्यों ने भारतीय एकता को कमजोर करने के बजाय इसे मजबूत करने में मदद की है। (ii) भाषाई राज्यों के गठन ने वास्तव में देश को और अधिक एकजुट बना दिया है। (iii) इसने प्रशासन को भी आसान बना दिया है। (iv) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किसी एक बिन्दु का वर्णन अपेक्षित है। 3 केरल एवं आंध्रप्रदेश राज्यों की प्रमुख भाषा का नाम उल्लेख कीजिए। (2) केरल – मलयालम आंध्र प्रदेश – तेलुगू	
		s-1
11	संघीय व्यवस्था की सफलता के लिए संवैधानिक प्रावधानों का होना क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए। (i) विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित होते है। इसलिए संविधान सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा देता है।	

	(ii) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती। ऐसे बदलाव दोनों स्तर की सरकारों की सहमति से ही हो सकता है। (iii) अदालतों को संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार है। (iv) वित्तीय स्वायतता निश्चित करने के लिए विभिन्न स्तर की सरकारों के लिए राजस्व के अलग – अलग स्रोत संवैधानिक रूप से निर्धारित है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

अध्याय 3: जाति,धर्म और लैंगिक मसले

		सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
	2 अंक	**32-1-1**
1	**लैंगिक असमानता को दूर करने के कोई दो उपाय सुझाइए ।** (i) महिलाओं के बीच साक्षरता दर बढ़ाकर (ii) महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर (iii) लड़कियों की शिक्षा में निवेश करके (iv) रोजगार क्षेत्र में महिलाओं को कानूनी सुरक्षा प्रदान करके (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **कोई दो सुझाव अपेक्षित हैं।**	
	2 अंक	**32-1-2**
2	**भारत की विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए को दो उपाय सुझाइए** (i) महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन (ii) राजनीतिक दलों में महिलाओं को टिकट देना (iii) महिलाओं को राजनीतिक प्रशिक्षण व प्रोत्साहन (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **कोई दो सुझाव अपेक्षित हैं।**	
	2 अंक	**32-2-1**
3	**भारत में धर्म-निरपेक्ष शासन के मॉडल को स्थापित करने के लिए संविधान में किए गए किन्हीं दो प्रावधानों का वर्णन कीजिए।** (i) भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। (ii) हमारा संविधान किसी भी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता है। (iii) सभी व्यक्तियों और समुदायों को किसी भी धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने या किसी का पालन न करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। (iv) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है। (v) साथ ही, संविधान राज्य को धार्मिक समुदायों के भीतर समानता सुनिश्चित करने के लिए धर्म के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यह अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-2-2**
4	**"भारत का संविधान सभी नागरिकों को किसी भी धर्म का पालन करने की आज़ादी देता है।" दो तर्क देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (vii) भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। (viii) हमारा संविधान किसी भी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता है। (ix) सभी व्यक्तियों और समुदायों को किसी भी धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने या किसी का पालन न करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।	

	(x) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है। (xi) साथ ही, संविधान राज्य को धार्मिक समुदायों के भीतर समानता सुनिश्चित करने के लिए धर्म के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यह अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाता है। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं द्वारा पुष्टि अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-2-3**
5	**"भारत का संविधान धर्म के आधार पर किये जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है।" दो तर्क देकर इस कथन को न्यायसांगत ठहराइए।** (i) भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। (ii) हमारा संविधान किसी भी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता है। (iii) सभी व्यक्तियों और समुदायों को किसी भी धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने या किसी का पालन न करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। (iv) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है। (v) साथ ही, संविधान राज्य को धार्मिक समुदायों के भीतर समानता सुनिश्चित करने के लिए धर्म के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यह अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं द्वारा न्यायसंगत ठहराना अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
6	**भारत के निम्नलिखित में से किस अंग में महिलाएँ आरक्षण का लाभ उठा रही हैं?** (A) नगरपालिका (B) विधान परिषद (C) राज्य सभा (D) न्यायपालिका **उपयुक्त विकल्प:** (A) नगरपालिका	
7	**निम्नलिखित में से कौन सा कथन लैंगिक समानता को दर्शाता है?** (A) महिलाओं के मत का मूल्य पुरुषों के मत के मूल्य से अधिक होना। (B) महिलाओं को घरेलू कामों तक सीमित रखना। (C) पुरुषों को अधिक अधिकार प्रदान करना। (D) पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से मताधिकार प्रदान करना। **उपयुक्त विकल्प:** (D) पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से मताधिकार प्रदान करना।	
	5 अंक	
8	**"धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की बुनियादी बात है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) (i)भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। (ii) संविधान सभी धर्मों में समानता सुनिश्चित करता है। (iii) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। (iv) संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में दखल देने की अनुमति देता है। (v) संविधान सभी नागरिकों और समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की आज़ादी देता है।	

	(vi) अतः हम कह सकते हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की बुनियादी अवधारणा है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
9	**श्रम की लैंगिक समानता को स्थापित करने हेतु कोई पाँच उपाय सुझाइए ।** (i) महिलाओं के बीच शिक्षा का प्रसार करना। (ii) रोजगार के अवसरों में समानता लाना। (iii) समान कार्य के लिए समान मजदूरी अधिनियम 1976 का पालन किया जाना चाहिए। (iv) महिलाओं की राजनीतिक, कानूनी और रोज़गार के अवसरों को प्रोत्साहित करना। (v) ऊँची तनख्वाह वाले और ऊँचे पदों पर पहुंचने के लिए नौकरियों में महिलाओं को प्रोत्साहित करना। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	2 अंक	**32-4-1**
10	महिलाओं की नेतृत्व भूमिकाओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की कोई दो तरीके सुझाइये। (i) प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वृद्धि। (ii) मेंटरशिप कार्यक्रमों में वृद्धि। (iii) महिलाओं के लिए करियर और शैक्षिक अवसरों में सुधार। (iv) महिलाओं में विभिन्न कौशल विकसित करना। (v) नारी शक्ति वंदन अधिनियम,2023 जैसे कानूनों का सख्ती से अनुपालन हो। (vi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। कोई दो सुझाव अपेक्षित हैं।	
	2 अंक	**32-4-2**
11	नारीवादी आंदोलनों ने किस प्रकार सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने में सहायता की? स्पष्ट कीजिए। (i) नारीवादी आंदोलन पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान अधिकारों और अवसरों का समर्थन करते हैं। (ii) अब सार्वजनिक जीवन में महिलाओं का भागीदारी पहले की अपेक्षा अधिक हुई है। (iii) नारीवादी आंदोलनों ने महिलाओं की कानूनी स्थिति को बेहतर बनाया है। (iv) महिलाएं वैज्ञानिक, इंजीनियर व डॉक्टर के रूप में कार्य कर रही हैं। (v) समान काम के लिए समान वेतन को प्रोत्साहन देने से महिलाओं की स्थिति में सुधार आया है। (vi) शिक्षा और करियर के बेहतर अवसरों के उपलब्ध होने से महिलाओं की सार्वजनिक जीवन में भागीदारी बढ़ी है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	

	2 अंक	**32-5-1**
12.	भारत की विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए कोई दो उपाय सुझाइए। (i) निर्वाचित निकायों में महिलाओं का उचित अनुपात सुनिश्चित करना। (ii) महिलाओं के राजनीतिक, शिक्षा और जागरूकता को बढाना। (iii) महिलाओं के बीच शिक्षा और कौशल विकास को बढाना। (iv) महिला शक्ति वंदन अधिनियम 2023, जैसे कानूनों का सख्ती से अनुपालन किया जाए। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। कोई दो सुझाव अपेक्षित है।	
	2 अंक	**32-5-2**
13	महिलाओं के प्रति हिंसा को रोकने के लिए कोई दो उपाय सुझाइए। (i) देश में सभी की साक्षरता दर में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की, समाज में महिलाओं के साथ व्यवहार को बेहतर बनाने में मदद करेगी। (ii) घरेलू हिंसा और अन्य प्रकार के शोषण से महिलाओं को बचाने के लिए मौजूदा कानूनों के बारे में महिलाओं के बीच कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देना। (iii) घरेलू और कार्यस्थल पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कानूनों को मजबूत करना। (iv) राजनीतिक प्रतिनिधित्व में वृद्धि करना। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। कोई दो सुझाव अपेक्षित है।	
	2 अंक	**32-6-1**
14	**भारतीय संविधान में वर्णित पंथनिरपेक्षता को बढ़ावा देने के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। (ii) भारत का संविधान किसी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता है। (iii) संविधान सभी नागरिकों और समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की आज़ादी देता है। (iv) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है। (v) इसके साथ ही संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार देता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
15	**महिलाओं की सार्वजनिक जीवन में भागीदारी को सुनिश्चित करने हेतु कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) महिलाओं में साक्षरता दर बढ़ाना। (ii) लैंगिक समानता को बढ़ावा देना। (iii) समान मजदूरी अधिनियम का सख्ती से पालन करना। (iv) महिलाओं को सार्वजनिक / राजनीतिक जीवन में बढ़ा हुआ प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना। (v) उदाहरण के लिए महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया है।	

	(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	4 अंक	**s-1**
16	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सामाजिक और धार्मिक विविधता *भारत की जनगणना में प्रत्येक दस साल के बाद सभी नागरिकों के धर्म को दर्ज किया जाता है। जनगणना विभाग के आदमी घर – घर जाकर लोगों से उनके बारे में सूचनाएँ जुटाते हैं। धर्म समेत सभी बातों के बारे में लोग जो कुछ बताते हैं, ठीक वैसा ही फार्म में दर्ज किया जाता है। अगर कोई कहता है कि वह "नास्तिक" है या 'किसी धर्म को नहीं मानता' तो फार्म में भी इसे वैसे ही दर्ज कर दिया जाता है। इस कारण देश के विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोगों की संख्या और उनके अनुपात में आए किसी बदलाव के बारे में हमारे पास विश्वसनीय सूचनाएँ हैं। रिकार्ड से देश के छह प्रमुख धार्मिक समुदायों की आबादी के अनुपात का पता चलता है। आजादी के बाद से प्रत्येक धार्मिक समुदाय की आबादी में काफी वृद्धि हुई है।* (1) भारत की जनगणना किस अंतराल पर की जाती है? **(1)** 10 वर्ष (2) भारत में जनगणना के आँकड़ों को विश्वसनीय क्यों माना जाता है? **(1)** (i) जनगणना फॉर्म भरने वाला व्यक्ति प्रत्येक घर का दौरा करता है और प्रत्येक सदस्य का रिकॉर्ड स्वयं दर्ज करता है। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है। (3) भारत में सामाजिक विविधता को समझने के लिए जनगणना किस प्रकार महत्वपूर्ण उपकरण है? **(2x1=2)** (i) जनगणना देश में विभिन्न सामाजिक समुदायों के अनुपात और पिछले कुछ वर्षों में इसमें कैसे बदलाव आया है, इस पर विश्वसनीय जानकारी देती है। (ii) आंकडे देश में छह प्रमुख धार्मिक समुदायों के जनसंख्या अनुपात को दर्शाते हैं। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	

अध्याय 4: राजनीतिक दल

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**निम्नलिखित में से कौन से राजनीतिक दल के मुख्य घटक हैं? सही विकल्प का चयन कीजिए:** I. नेता II. सक्रिय सदस्य III. समर्थक IV. दवाब समूह विकल्प: A. केवल I, II और III सही हैं। B. केवल II, III और IV सही हैं। C. केवल I, III और IV सही हैं। D. केवल I, II और IV सही हैं। उपयुक्त विकल्प: A. केवल I, II और III सही हैं।	**32-1-1**
	3 अंक	
2	**लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के महत्व की व्याख्या कीजिए ।** (i) राजनीतिक दल लोकतान्त्रिक व्यवस्था की संस्थाओं में अलग से दिखायी देते हैं। (ii) वे समाज के बुनियादी राजनीतिक विभाजन को दर्शाते हैं। (iii) राजनीतिक दल चुनावों में भाग लेते हैं। (iv) दल विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते हैं और मतदाता अपनी पसंद की नीतियों और कार्यक्रमों को चुनते हैं। (v) दल देश के लिए कानून बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। (vi) दल सरकार बनाते और चलाते हैं। (vii) दल विभिन्न विचारों को व्यक्त करके और सरकार की गलत नीतियों की आलोचना करके विपक्ष की भूमिका निभाते हैं। (viii) दल जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (ix) दल लोगों को सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाये जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों की पहुंच बनाते हैं। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
3	**भारत ने बहुदलीय व्यवस्था को क्यों अपनाया? उचित तर्कों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) दलीय व्यवस्था का चुनाव करना किसी देश के हाथ में नहीं है। यह एक लम्बे दौर के काम काज के बाद खुद विकसित होती है। (ii) भारत ने अपनी सामाजिक विविधता के कारण बहुदलीय व्यवस्था अपनाई। (iii) भारत में विशाल भौगोलिक विविधता है। इसलिए, दो या तीन पार्टियाँ इतने बड़े देश में विविधताओं को समेट पाने में अक्षम है। (iv) बहुदलीय व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न हितों और विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल पाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	1 अंक	**32-2-1**
4	**निम्नलिखित में से सही सुमेलित युग्म का चयन कीजिए:** राजनीतिक दल - राज्य (A) जनता दल (सेक्युलर) - बिहार (B) महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी - गोवा (C) द्रविड़ मुनेत्र कड़गम - आंध्र प्रदेश (D) अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक - पंजाब **उपयुक्त विकल्प:** (B) महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी - गोवा	
	3 अंक	
5	**राजनीतिक दलों के तीन प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ने के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन करते हैं । (ii) दल अलग-अलग नीतियाँ और कार्यक्रम मतदाताओं के सामने रखते हैं और मतदाता उनमें से अपनी पसंद की नीतियां चुनते हैं। (iii) दल किसी देश के लिए कानून बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। (iv) दल सरकारें बनाते और चलाते हैं। दल सरकार चलाने के लिए नेताओं की भर्ती करते हैं, उन्हें प्रशिक्षित करते हैं और फिर उन्हें मंत्री बनाते हैं। (v) जो दल चुनाव हार जाते हैं, वे विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं। (vi) सरकार की विफलताओं या गलत नीतियों के लिए आलोचना करने के साथ अपनी अलग राय भी रखते हैं । (vii) दल मुद्दों को उठाकर और उजागर करके जनतमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (viii) दल कभी-कभी लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन भी चलाते हैं। (ix) दल लोगों को सरकारी मशीनरी और सरकारों द्वारा कार्यान्वित कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
6	**भारत में राजनीतिक दलों के समक्ष तीन प्रमुख चुनौतियों का वर्णन कीजिए।** (i) दुनिया भर में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी है- पार्टियों के पास न सदस्यों की खुली सूची होती है, न नियमित रूप से सांगठनिक बैठकें होती हैं और नियमित रूप से आंतरिक चुनाव भी नहीं होते हैं। (ii) अधिकांश राजनीतिक दल अपना कामकाज पारदर्शी तरीके से नहीं करते हैं। अनेक दलों में शीर्ष पदों पर हमेशा एक ही परिवार के सदस्यों का नियंत्रण होता है। (iii) दलों में, विशेषकर चुनावों के दौरान, धन और बाहुबल की भूमिका बढ़ रही है। (iv) दल केवल चुनाव जीतने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, इसलिए वे चुनाव जीतने के लिए जायज-नाजायज तरीका अपनाने से परहेज़ नहीं करते हैं। (v) अक्सर राजनीतिक दल मतदाताओं को कोई सार्थक विकल्प प्रदान नहीं करते हैं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-2-2**
7	**राजनीतिक दलों के तीन प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ने के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन करते हैं । (ii) दल अलग-अलग नीतियाँ और कार्यक्रम मतदाताओं के सामने रखते हैं और मतदाता उनमें से अपनी पसंद की नीतियां चुनते हैं। (iii) दल किसी देश के लिए कानून बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। (iv) दल सरकारें बनाते और चलाते हैं। दल सरकार चलाने के लिए नेताओं की भर्ती करते हैं, उन्हें प्रशिक्षित करते हैं और फिर उन्हें मंत्री बनाते हैं। (v) जो दल चुनाव हार जाते हैं, वे विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं।	

	(vi) सरकार की विफलताओं या गलत नीतियों के लिए आलोचना करने के साथ अपनी अलग राय भी रखते हैं । (vii) दल मुद्दों को उठाकर और उजागर करके जनतमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (viii) दल कभी-कभी लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन भी चलाते हैं। (ix) दल लोगों को सरकारी मशीनरी और सरकारों द्वारा कार्यान्वित कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
8	**भारत में राजनीतिक दलों के समक्ष तीन प्रमुख चुनौतियों का वर्णन कीजिए।** (i) दुनिया भर में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी है- पार्टियों के पास न सदस्यों की खुली सूची होती है, न नियमित रूप से सांगठनिक बैठकें होती हैं और नियमित रूप से आंतरिक चुनाव भी नहीं होते हैं। (ii) अधिकांश राजनीतिक दल अपना कामकाज पारदर्शी तरीके से नहीं करते हैं। अनेक दलों में शीर्ष पदों पर हमेशा एक ही परिवार के सदस्यों का नियंत्रण होता है। (iii) दलों में, विशेषकर चुनावों के दौरान, धन और बाहुबल की भूमिका बढ़ रही है। (iv) दल केवल चुनाव जीतने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, इसलिए वे चुनाव जीतने के लिए जायज-नाजायज तरीका अपनाने से परहेज़ नहीं करते हैं। (v) अक्सर राजनीतिक दल मतदाताओं को कोई सार्थक विकल्प प्रदान नहीं करते हैं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
9	**भारत की दलीय व्यवस्था में सुधार हेतु राजनीतिक दलों को निम्नलिखित में से कौन सा कार्य करना अनिवार्य कर दिया गया है? सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।** I. अब सभी राजनीतिक दलों के लिए आयकर रिटर्न भरने की अनिवार्यता होना। II. अब सभी दलों में एक-तिहाई महिला सदस्यों की अनिवार्यता होना। III. अब सभी राजनीतिक दलों के लिए अपने सांगठनिक चुनाव कराने की अनिवार्यता होना। IV. अब शपथ-पत्र द्वारा सभी उम्मीदवारों को न्यायालय में चल रहे मामलों की जानकारी देने की अनिवार्यता होना। **विकल्प:** (A) केवल I, II और III सही हैं। (B) केवल I, II और IV सही हैं। (C) केवल I, III और IV सही हैं। (D) केवल II, III और IV सही हैं। **उपयुक्त विकल्प:** (C) केवल I, III और IV सही हैं।	
10	**नीचे दो कथन दिए गए हैं। वे अभिकथन (A) और कारण (R) हैं। दोनों कथनों को पढ़ें और सही विकल्प का चयन कीजिए:** अभिकथन (A): भारत में प्रत्येक पार्टी को चुनाव आयोग में पंजीकरण कराना होता है। कारण (R): भारत में सभी राजनीतिक दलों को सरकार चुनाव चिन्ह प्रदान करती है। **विकल्प:** (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।	

	(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है। (D) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है। **उपयुक्त विकल्प: C.** (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।	
	3 अंक	**32-4-1**
11	**बहुदलीय व्यवस्था की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) कई राजनीतिक दलों का अस्तित्व। (ii) गठबंधन सरकार की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। (iii) जाँच और संतुलन प्रदान करता है। (iv) मतदाताओं के लिए अधिक विकल्प। (v) विविध विचारों को समायोजित करता है। (vi) समावेशी नीति निर्माण। (vii) राजनीतिक स्थिरता को बढ़ाता है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-4-2**
12	**लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** (i) चुनाव हारने वाले दल विपक्ष की भूमिका निभाते है। (ii) वे विभिन्न विचार व्यक्त करते हैं। (iii) सरकार की विफलताओं की आलोचना करते हैं। (iv) वे गलत नीतियों का विरोध करते हैं। (v) सरकार के विरूद्ध जनमत जुटाते हैं। (vi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-4-3**
13	**लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** (i) दल चुनाव लड़ते हैं। (ii) दल अलग–अलग नीतियाँ और कार्यक्रम पेश करते हैं। (iii) दल देश के लिए कानून बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। (iv) दल सरकार बनाते हैं और चलाते हैं। (v) जो दल चुनाव हार जाते हैं, वे विपक्ष की भूमिका निभाते हैं। (vi) दल जनमत को आकार देते हैं। (vii) दल लोगों की सरकारी मशीनरी और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-5-1**
14	**भारत मे राजनीतिक दलों के समक्ष तीन प्रमुख चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।** (i) पहली चुनौती दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी है। (ii) एक या कुछ नेताओं के हाथों में शक्तियों का केंद्रित होना।	

	(iii) दल सदस्यता रजिस्टर नहीं रखते है, संगठनात्मक बैठकें नहीं करते हैं और नियमित रूप से आंतरिक चुनाव नहीं करवाते हैं। (iv) वंशवाद की चुनौती का सामना सामान्य रूप से राजनीतिक दल कर रहे हैं। (v) अधिकांश राजनीतिक दल अपने कामकाज के लिए खुली और पारदर्शी प्रक्रियाओं का पालन नहीं करते हैं। (vi) दलों में चुनावों के दौरान धन और बाहुबल की बढ़ती भूमिका राजनीतिक दलों के लिए एक अन्य चुनौती है। (vii) दलों का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना होता है, इसलिए बहुधा वह चुनाव जीतने के लिए जायज – नाजायज तरीकों को अपनाते है। (viii) वे उन उम्मीदवारों को नामांकित करते है जिनके पास बहुत सारा धन होता है या वे बहुत सारा धन जुटा सकते हैं। (ix) पार्टियों को धन देने वाले अमीर लोग और कंपनियाँ पार्टी की नीतियों और निर्णयों पर प्रभाव डालती हैं। (x) कुछ मामलों में, पार्टियाँ ऐसे अपराधियों का समर्थन करती हैं जो चुनाव जीत सकते हैं। (xi) प्रायः राजनीतिक दल अपने मतदाताओं को सार्थक विकल्प उपलब्ध नहीं करवा पाते हैं। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं तीन चुनौतियों की व्याख्या अपेक्षित है।	
	4 अंक	**32-6-1**
15	**दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दी गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:** **राजनीतिक दलों की आवश्यकता** राजनीतिक दलों का उदय प्रतिनिधित्व पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के उभार के साथ जुड़ा है। हम पढ़ चुके हैं कि बड़े समाजों के लिए प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र की जरूरत होती है। जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग विचारों को समेटने और सरकार की नजर में लाने के लिए किसी माध्यम या एजेंसी की जरूरत होती है। विभिन्न जगहों से आए प्रतिनिधियों को साथ करने की जरूरत होती है ताकि एक जिम्मेवार सरकार का गठन हो सके। उन्हें सरकार का समर्थन करने या उस पर अंकुश रखने, नीतियाँ बनवाने और नीतियों का समर्थन अथवा विरोध करने के लिए उपकरणों की जरूरत होती है। प्रत्येक प्रतिनिधि-सरकार की ऐसी जो भी जरूरतें होती हैं, राजनीतिक दल उनको पूरा करते हैं। इस तरह हम कह सकते हैं कि राजनीतिक दल लोकतंत्र की एक अनिवार्य शर्त हैं। **(1) 'प्रतिनिधि लोकतंत्र' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।** (i) प्रतिनिधि लोकतंत्र शासन का एक तरीका है जब किसी देश के नागरिक जनता अपने देश पर शासन करने के लिए अपने नेता/प्रतिनिधि को चुनते हैं। (ii) इसे अप्रत्यक्ष लोकतंत्र के नाम से भी जाना जाता है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किसी एक बिंदु की व्याख्या कीजिए।)** **(2) राजनीतिक दल किस प्रकार जनमत का निर्माण करते हैं?** (i) वे मुद्दों को उठाते हैं और उनपर बहस करते हैं। (ii) राजनीतिक दल कभी-कभी लोगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन भी शुरू करती हैं। (iii) अक्सर विभिन्न दलों द्वारा रखी जाने वाली राय के इर्द-गिर्द ही समाज के लोगों की राय बनती जाती है।	

	(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । (किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।) **(3) राजनीतिक दलों को लोकतंत्र के लिए आवश्यक शर्त क्यों माना जाता है? व्याख्या कीजिए।** (i) पार्टियाँ लोकतंत्र के स्तंभ है। (ii) उन्हें सरकार का समर्थन करने या उसे नियंत्रित करने, नीतियां बनाने, उनका समर्थन अथवा विरोध करने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता थी। (iii) राजनीतिक दल इन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं जो प्रत्येक प्रतिनिधि सरकार की जरुरत होती हैं। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**s-1**
16	वर्तमान समय में भारतीय राजनीतिक दलों के समक्ष किन्हीं तीन चुनौतियों की व्याख्या कीजिए। (i) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव। (ii) राजनीतिक दल नियमित आंतरिक चुनाव नहीं कराते और बैठकें नहीं करते। (iii) वंशवाद की चुनौती। (iv) धन और बाहुबल की बढ़ती भूमिका। (v) मतदाताओं के लिए वह सार्थक विकल्प के रूप में प्रतीत नहीं होते। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	3 अंक	**s-3**
17	भारत के लिए बहुदलीय व्यवस्था क्यों आवश्यक है? किन्हीं तीन कारणों की व्याख्या कीजिए। (i) जब कई पार्टियाँ सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं और दो या दो से अधिक पार्टियों के पास सत्ता में आने का उचित मौका होता है तो इसे बहुदलीय प्रणाली कहा जाता है। (ii) बहुदलीय प्रणाली सामाजिक और भौगोलिक विविधता को समायोजित करती है, यही कारण है कि भारत ने इस प्रणाली को अपनाया है। (iii) इस प्रणाली में समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न दलों द्वारा एक गठबंधन बनाकर सरकार का गठन किया जाता है। (iv) बहुदलीय प्रणाली में चुनावी तानाशाही की संभावना कम होती है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	

अध्याय 5: लोकतंत्र के परिणाम

		सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
	3 अंक	**32-1-1**
1	**"वह लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था अच्छी मानी जाती है जिसमें अधिक से अधिक नागरिकों को राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदार बनाया जाए।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) लोकतांत्रिक प्रणाली में लोग सभी राजनीतिक शक्तियों के स्रोत होते हैं इसलिए इसे बेहतर माना जाता है। (ii) लोकतंत्र में लोग स्व-शासन के संस्थानों के माध्यम से स्वयं पर शासन करते हैं। (iii) लोकतंत्र लोगों के लिए सक्रिय भागीदारी, प्रतिनिधित्व और निर्णय लेने के अवसर सुनिश्चित करता है। (iv) लोकतंत्र सार्वजनिक बहसों और विचारों को प्रोत्साहित करता है। इन सार्वजनिक विचारों का उपयोग नीति निर्माण में किया जाता है। (v) लोकतंत्र में, लोग सरकारों को जवाबदेह बना सकते हैं क्योंकि लोकतान्त्रिक प्रणाली पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अवसर देती है। (vi) यह सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष की संभावनाओं को कम करने में मदद करता है। (vii) लोकतांत्रिक सरकारों का चुनाव लोगों द्वारा किया जाता है। यह सरकार को वैधता प्रदान करता है। इस प्रकार, यह राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने का एक अच्छा तरीका है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	
2	**लोकतंत्र के परिणामों का मुल्यांकन करने वाले किन्हीं पाँच आधारों की व्याख्या कीजिए।** लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन निम्नलिखित आधार पर किया जा सकता है: (i) यह नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है। (ii) यह व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है। (iii) इससे फैसलों में बेहतरी आती है। (iv) टकरावों को टालने सँभालने का तरीका देता है। (v) इसमें गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है। (vi) सामाजिक विविधता को समायोजित करता है। (vii) एक ऐसी सरकार का निर्माण करता है जो नागरिकों के प्रति उपयुक्त विकल्पदायी हो। (viii) नागरिकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील है। (ix) यह बातचीत और मोलतोल के विचार पर आधारित है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
3	**लोकतंत्र के किन्हीं पाँच मूल्यों की व्याख्या कीजिए।** (i) समान अधिकार और अवसर । (ii) अपने शासक को चुनने और राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने की स्वतंत्रता । (iii) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।	

	(iv) यह सम्मान, गरिमा और स्वतंत्रता पर आधारित है। (v) लोकतंत्र में, नागरिकों के पास निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच करने का अधिकार और साधन होता है। (vi) सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य । (vii) ऐसी सरकार का निर्माण करता है जो नागरिकों के प्रति उपयुक्त विकल्पदायी होती है। (viii) नागरिकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील । (ix) बातचीत और मोलतोल के विचार पर आधारित (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-1-2**
4	**सत्ता की साझेदारी दरअसल लोकतंत्र की आत्मा है" इस कथन की उपयुक्त तर्क देकर पुष्टि कीजिए।** (i) यह सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष को कम करने में मदद करता है। (ii) सत्ता में साझेदारी राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने का एक अच्छा तरीका है। (iii) यह राष्ट्र की एकता के लिए अच्छा है। (iv) लोग राजनीतिक शक्ति के स्रोत हैं। (v) विभिन्न समूहों और विचारों का सम्मान किया जाता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-1-3**
5	**"लोकतंत्र की एक खासियत है कि इसकी जांच परख कभी खत्म नहीं होती।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) जब लोकतंत्र एक जाँच पर खरा उतरे तो अगली जाँच आ जाती है। (ii) लोगों को जब लोकतंत्र से थोड़ा लाभ मिल जाता है, तो वे और लाभों की माँग करने लगते हैं और लोकतंत्र को बेहतर बनाना चाहते हैं। (iii) लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोग अपनी अन्य अपेक्षाओं का पुलिंदा खोल देते हैं। (iv) इसे लोकतंत्र की सफलता की गवाही माना जा सकता है। (v) इससे पता चलता है कि लोग सचेत हो गए हैं और वे सत्ता में बैठे लोगों के कामकाज का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने लगे हैं। (vi) लोकतंत्र के कामकाज से लोगों का असंतोष जताना लोकतंत्र की सफलता को बताता है। (vii) यह लोगों को प्रजा से नागरिक की स्थिति में बदल देता है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
6	**"लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य व्यवस्थाओं से बेहतर है।" उपयुक्त तर्कों सहित कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) यह नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देती है। (ii) यह व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।	

	(iii) यह निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है। (iv) यह टकरावों को सँभालने का एक तरीका देता है। (v) इसमें त्रुटियों को सुधारने को सुधरने की गुंजाइश होती है। (vi) यह एक जवाबदेह सरकार होती है। (vii) यह विचार-विमर्श और वार्ता पर आधारित होता है। (viii) यह एक जिम्मेदार सरकार होती है। (ix) यह एक वैध सरकार होती है। (x) यह सामाजिक विविधता में सामंजस्य करता है। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-2-1**
7	**लोकतंत्र किस प्रकार अन्य शासन व्यवस्थाओं से बेहतर है? विश्लेषण कीजिए।** (i) लोकतांत्रिक सरकार नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देती है; (ii) यह व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है। (iii) इससे फैसले लेने में बेहतरी आती है। (iv) यह संघर्षों को टालने-सँभालने का तरीका देता है। (v) यह गलतियों को सुधारने की गुंजाइश देता है। (vi) यह सरकार का उपयुक्त विकल्पदायी, जिम्मेवार और वैध रूप है। (vii) यह सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य लाता है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-3-1**
8	**लोकतंत्र किस प्रकार एक उपयुक्त विकल्पदायी, जिम्मेवार और वैध शासन की स्थापना करता है? व्याख्या कीजिए ।** (i) लोगों को अपना शासक चुनने का अधिकार और शासकों पर नियंत्रण का अधिकार रहता है। (ii) लोगों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी करने में सक्षम होना चाहिए ताकि लोगों के प्रति जिम्मेदार सरकार बन सके (iii) सरकार द्वारा लिए गए निर्णय मानदंडों और प्रक्रियाओं पर आधारित होते हैं। (iv) लोकतांत्रिक सरकार वैध शासन व्यवस्था है। यह सुस्त हो सकती है, कम कार्यकुशल हो सकती है, इसमें भ्रष्टाचार हो सकता है, यह लोगों की ज़रूरतों की कुछ हद तक अनदेखी कर सकती है, लेकिन लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था लोगों की अपनी शासन व्यवस्था है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	**32-4-1**
9	''लोकतांत्रिक शासन नागरिकों की अपेक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होता है।'' उपयुक्त तर्कों सहित कथन को न्यायसंगत ठहराइए। (i) लोकतंत्र में नागरिकों अपने नेताओं का चयन करते हैं जिससे सरकार का निर्माण होता है। (ii) नेता नागरिकों के प्रति जवाबदेह होते हैं। (iii) सरकारें नागरिकों की मांगों और अपेक्षाओं के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य हैं। (iv) सरकार द्वारा निर्णय लेना विचार–विमर्श और बातचीत के माध्यम से होता है।	

	(v) नागरिकों को सरकार और उसके कामकाज के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है। (vi) निर्णय लेना मानदंडों और प्रक्रियाओं पर आधारित है। (vii) यह लोगों की अपनी सरकार है और सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर न्यायसंगत ठहराना अपेक्षित है।**	
10	**''लोकतंत्र तानाशाही की तुलना में सामाजिक विविधताओं को बेहतर ढ़ंग से समायोजित करता है।'' उपयुक्त तर्कों सहित कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) तानाशाही की तुलना में लोकतंत्र सामाजिक विविधता को बेहतर ढंग से समायोजित करता है। (ii) लोकतंत्र विवादों को हल करने के लिए प्रक्रिया विकसित करता है जबकि तानाशाही विवादों का दमन करती है। (iii) लोकतंत्र तनावों को विस्फोटक या हिंसक होने से रोकने के लिए प्रक्रियाएं विकसित करती हैं। तानाशाही निर्णयों को थोपती है जो कि हिंसा की तरफ ले जाती है। (iv) लोकतंत्र मतभेदों को हल करने के लिए प्रक्रिया विकसित करता है जबकि तानाशाही मतभेदों को दमन करती है। (v) लोकतंत्र अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक दोनों के साथ मिलकर काम करता है जबकि तानाशाही का झुकाव बहुसंख्यकों की तरफ होता है एवं अल्पसंख्यकों को दबाती है। (vi) लोकतंत्र बहुमत वाली सरकार का समर्थन करता है, बहुसंख्यकवाद का नहीं। जबकि तानाशाही बहुसंख्यकवाद को समर्थन देती है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर न्यायसंगत ठहराना अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-4-2**
11	**''लोकतंत्र लोगों को प्रजा से नागरिक बनाने की गवाही देता है।'' इस कथन को उपयुक्त तर्कों सहित न्यायसंगत ठहराइये।** (i) लोकतांत्रिक सिद्धांत लोगों को अधिक अपेक्षाएँ रखने की अनुमति देते हैं। (ii) लोकतंत्र के प्रति असंतोष दिखाने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोगों को प्रजा से नागरिक की स्थिति में बदलने का संकेत देती है। (iii) लोकतंत्र नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है। (iv) यह नागरिकों की गरिमा को बढ़ाता है। (v) यह निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है। (vi) यह संघर्षों को हल करने के तरीके प्रदान करता है। (vii) यह गलतियों को सुधारने की गुंजाइश देता है। (viii) लोकतंत्र के परिणामों के बारे में लोगों की शिकायतें अपने आप में इसकी सफलता का प्रमाण हैं। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर न्यायसंगत ठहराया जाना अपेक्षित है।**	

12	**''लोकतंत्र और विकास एक साथ चलते है।'' इस कथन को उपयुक्त तर्कों सहित कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) लोकतंत्र सत्ता के बंटवारे को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे प्रत्येक नागरिक को शासन में अपनी बात रखनें का अवसर मिलता है। (ii) लोकतंत्र द्वारा अपनाई गई विकेंद्रीकरण की नीति संपूर्ण राष्ट्र के विकास को सुनिश्चित करती है। (iii) लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता का समर्थन करता है, जो उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। (iv) विविधता का समायोजन राष्ट्र में सद्भाव सुनिश्चित करता है जिससे विकास होता है। (v) समानता लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों में से एक है जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास होता है। (vi) लोकतंत्र द्वारा अपनाई गई वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित किया है जिससे प्रगति हुई है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर न्यायसंगत ठहराया जाना अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-4-3**
13	**''लोकतांत्रिक सरकारें लोगों की जरूरतों और मांगों का ध्यान रखती हैं।'' उचित तर्कों सहित कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) लोकतंत्र नियमित और स्वतंत्र चुनाव कराने में सफल होते हैं, जिससे सभी नागरिकों को सरकार चुनने का उचित अवसर मिलता है। (ii) लोकतांत्रिक सरकार एक वैध सरकार होती है, क्योंकि यह नागरिकों द्वारा चुनी जाती है और यह उनके प्रति जवाबदेह होती है। (iii) लोकतंत्र अपने सभी लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करता है। (iv) लोकतांत्रिक सरकारें प्रमुख नीतियों और कानूनों पर खुली सार्वजनिक बहस को प्रोत्साहित करती हैं। (v) लोकतांत्रिक सरकारें पारदर्शी होती हैं, क्योंकि वे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच करने की अनुमति देती हैं। (vi) लोकतांत्रिक सरकारें गैर–लोकतांत्रिक सरकारों की तुलना में भ्रष्टाचार से काफी हद तक मुक्त होती हैं। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर न्यायसंगत ठहराया जाना अपेक्षित है।**	
14	**''व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में लोकतंत्र किसी भी अन्य प्रकार की सरकार से बेहतर है।'' उपयुक्त तर्कों सहित कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) प्रत्येक व्यक्ति अपने साथियों से सम्मान प्राप्त करना चाहता है। (ii) लोगों के मध्य संघर्ष तब उत्पन्न होता हैं जब उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार नहीं किया जाता। (iii) सम्मान और स्वतंत्रता की चाह ही लोकतंत्र का आधार है जिसे विभिन्न लोकतांत्रिक देशों में विभिन्न स्तरों पर हासिल किया गया है। (iv) विश्व भर में महिलाओं ने सदा ही सम्मान और समान व्यवहार के लिए संघर्ष किया है।	

	(v) लोकतंत्र में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों ने उन्हें ये अधिकार हासिल करने में मदद की है। (vi) लोकतंत्र ने वंचित और भेदभाव वाले समुदायों के समान दर्जे और समान अवसर के दावों को मजबूत किया है। (vii) लोकतंत्र में सम्मान और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने से लोगों की स्थिति प्रजा से नागरिक की हो गई है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर न्यायसंगत ठहराया जाना अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-5-1**
15	**देश के आर्थिक क्षेत्र में लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन कीजिए।** (i) आर्थिक विकास कई कारकों पर निर्भर करता है: देश की जनसंख्या, आकार, वैश्विक स्थिति, अन्य देशों से सहयोग, देश द्वारा अपनाई गई आर्थिक प्राथमिकताएँ, आदि। (ii) समानता लोकतंत्र का बुनियादी सिद्धांत है, इसलिए लोकतंत्रों से आर्थिक असमानताओं को कम करने की अपेक्षा की जाती है। (iii) लोकतंत्र सुधारों और नीतियों के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है। (iv) लोकतंत्र मेक इन इंडिया और मनरेगा जैसी योजनाओं को बढ़ावा देता है। (v) लोकतंत्रों द्वारा अपनाई गई वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित किया है जिससे प्रगति हुई है। (vi) यह बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मजबूत करता है। (vii) यह डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार करता है। (viii) यह आसान ऋण, सब्सिडी का समर्थन करता है और कृषि विकास को बढ़ावा देता है। (ix) यह सतत् विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करता है। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं द्वारा मूल्यांकन अपेक्षित है।**	
16	**देश के सामाजिक क्षेत्र में लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन कीजिए।** (i) लोकतंत्र नागरिकों के बीच शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण जीवन की ओर ले जाता है। (ii) यह सामाजिक मतभेदों को सुलझाता है। (iii) यह तनाव की संभावना को कम करता है। (iv) यह संघर्षों को हल करने का एक तरीका तैयार करता है। (v) इसमें सामाजिक मतभेदों, विभाजनों और संघर्षों को संभालने की क्षमता होती है। (vi) बहुमत को अल्पसंख्यक के साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है जिससे सरकार सबकी भलाई के लिए कार्य कर सके। (vii) लोकतांत्रिक चुनाव विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली बहुमत वाली सरकार के गठन को सुनिश्चित करती है, न कि बहुसंख्यकवादी सरकार की। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।**	

	5 अंक	32-5-2
17	**भारत में आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लोकतंत्र की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित है। प्रतिनिधियों के चुनाव में सभी व्यक्तियों का समान महत्व होता है। (ii) लोकतंत्र आर्थिक स्थिति, भाषा, धर्म आदि के आधार पर भेदभाव को हतोत्साहित करता है। (iii) लोकतांत्रिक सरकार गरीबी उन्मूलन के लिए योजनाएँ बनाती है। (iv) लोकतंत्र वंचित और भेदभाव वाले समूहों के समान व्यवहार और समान अवसर के दावों को मजबूत करता है। (v) लोकतांत्रिक सरकारें सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसे विशेष प्रावधान करती हैं। (vi) लोकतांत्रिक सरकारें रोजगार सृजन कार्यक्रम शुरू करती हैं। (vii) लोकतांत्रिक सरकार समाज के विभिन्न स्तरों के बीच समान रूप से संपत्ति वितरित करने का प्रयास करती है। (viii) लोकतांत्रिक सरकारें समाज के वंचित वर्गों को बेहतर वर्ग के बराबर लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू करती हैं। (ix) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
18	**नागरिकों की गरिमा स्थापित करने में लोकतंत्र की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में लोकतंत्र किसी भी अन्य प्रकार की सरकार से कहीं बेहतर है। (ii) हर व्यक्ति अपने साथियों से सम्मान प्राप्त करना चाहता है। (iii) अक्सर व्यक्तियों के बीच संघर्ष उत्पन्न होते हैं क्योंकि कुछ लोगों को लगता है कि उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। (iv) दुनिया भर के लोकतंत्रों ने इसे मान्यता दी है एवं इसे हल करने के लिए व्यवस्था प्रदान की है। (v) यह विभिन्न लोकतंत्रों में विभिन्न स्तरों पर हासिल किया गया है। (vi) भारत में लोकतंत्र ने वंचित और जाति/लिंग के भेदभाव से पीड़ित लोगों के समान दर्जे और समान अवसरों के दावों को मजबूत किया है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-5-3**
19	**लोकतंत्र किस प्रकार एक उत्तरदायी एवं वैध शासन व्यवस्था है? व्याख्या कीजिए।** (i) लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को अपने शासक चुनने का अधिकार हो और लोगों का शासकों पर नियंत्रण हो। (ii) लोग अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा शासित होना चाहते हैं। लोकतंत्र में, लोग निर्णय लेने में भाग लेने में सक्षम होते हैं, जिसका उन सभी पर प्रभाव पड़ता है। (iii) नेता जिम्मेदारीपूर्वक लोगों की जरूरतों और इच्छाओं के अनुसार काम करते हैं।	

	(iv) यह एक ऐसी सरकार बनाता है जो नागरिकों की जरूरतों और अपेक्षाओं के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी होती है। (v) लोकतांत्रिक सरकार एक वैध सरकार होती है। (vi) लोकतांत्रिक सरकार लोगों की अपनी सरकार होती है। (vii) लोकतंत्र अपना समर्थन स्वयं उत्पन्न करता है। (viii) लोकतंत्र सरकार का सबसे उपयुक्त रूप है। (ix) संपूर्ण संसार में लोकतंत्र के विचार को भारी समर्थन मिल रहा है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
20	**सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करने में लोकतंत्र के योगदान की व्याख्या कीजिए।** (i) लोकतंत्र नागरिकों के बीच शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण जीवन की ओर ले जाता है। (ii) लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं आमतौर पर अपन अंदर की प्रतिद्वंद्विताओ को संभालने की प्रक्रिया का विकास करती है। (iii) लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं तनावों के विस्फोटक या हिंसक होने की संभावना को कम करती है। (iv) कोई भी समाज विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच संघर्षों को पूरी तरह और स्थायी रूप से हल नहीं कर सकता है। (v) नागरिक मतभेदों का सम्मान करना सीखते हैं और संवाद के तंत्र का विकास करते हैं। (vi) लोकतंत्र में सामाजिक मतभेदों, विभाजनों और संघर्षों को संभालने की क्षमता होती है। (vii) बहुमत को अल्पसंख्यक के साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है ताकि सरकारें सभी का प्रतिनिधित्व करने के लिए काम करें। (viii) चुनाव विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली बहुमत वाली सरकार के गठन को सुनिश्चित करते हैं, न कि बहुसंख्यकवादी सरकार के। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**s-1**
21	**लोकतंत्र किस प्रकार किन्हीं अन्य शासन व्यवस्थाओं से बेहतर है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) लोकतंत्र नागरिकों के मध्य समानता को बढ़ावा देता है। (ii) लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को बढ़ावा देता है। (iii) लोकतंत्र निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देता है। (iv) लोकतंत्र टकरावों को टलाने एवं संभालने का तरीका देता है। (v) लोकतंत्र में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है। (vi) सामाजिक विविधित का सामंजस्य करता है। (vii) यह शासन का एक जिम्मेवार व वैध तरीका है।	

	(viii) लोगों की स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
22	**लोकतंत्र किस प्रकार सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करता है? उदारहणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) लोकतंत्र नागरिकों के बीच शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण जीवन की ओर ले जाता है। (ii) लोकतंत्र ने जातीय आबादी के बीच मतभेदों को सफलतापूर्वक सुलझाया है। (iii) लोकतंत्र मतभेदों को सुलझाने के लिए एक तंत्र विकसित करता है। (iv) अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक मिलकर काम करते हैं। (v) सामाजिक सांमजस्य के परिणाम को उत्पन्न करने के लिए प्रतियोगिता करता है। (vi) एक लोकतंत्र में सामाजिक मतभेदों, विभाजनों और संघर्षों को संभालने की क्षमता होती है। (vii) महिलाओं के साथ समान व्यवहार एक लोकतांत्रिक समाज का आवश्यक तत्व है। (viii) लोकतंत्र ने वंचितों के दावों को मजबूत किया है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**s-2**
23	**लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था किस प्रकार देश की आर्थिक संवृद्धि एवं विकास में सहायक है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) लोकतांत्रिक सरकारों से यह उम्मीद की जाती है कि वह मूलभूत जरूरतों को पूरा करें। (ii) लोकतांत्रिक सरकारें जनकल्याण कार्यक्रमों के तहत समाज के सभी वर्गों तक संसाधनों को पहुचाँनें का कार्य करती है। (iii) जैसाकि वास्तविक लोकतंत्र में सभी लोगों के मत का मूल्य समान होता है इसलिए लोकतांत्रिक सरकारों से यह उम्मीद की जाती है कि वह समाज के सभी वर्गों के अनुरूप आर्थिक नीतियों का निर्माण करें। (iv) खाद्य सुरक्षा, रोजगार सृजन जैसे कार्यक्रम आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाते है। (v) लोकतांत्रिक सरकारें आर्थिक असमानता को कम करने की कोशिश करती है। (vi) लोकतांत्रिक सरकारें आर्थिक संवृद्धि के लिए आवश्यक आधारभूत जरूरतों को पूरा करती है। (vii) कोई अन्य प्रसांगिक बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
24	**महिलाओं की गरिमा और आजादी के मामलें में लोकतांत्रिक व्यवस्था किस प्रकार किसी अन्य शासन प्रणाली से काफी आगे है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) लैंगिक समानता के लिए संवेदनशीलता का भाव उत्पन्न किया किया है। (ii) लोकतंत्र महिलाओं के लिए समानता के अवसर सरलता से उपलब्ध करवा रहा हैं। (iii) लोकतांत्रिक व्यवस्था में लैंगिक भेदभाव कानूनी आधार पर समाप्त किया गया है।	

	(iv) लोकतंत्र में महिलाओं को वोट देने के अधिकार सहित समान अधिकार प्राप्त होते है। (v) कुछ लोकतांत्रिक देशों में विधायिकाओं में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित हैं। (vi) कोई अन्य प्रसांगिक बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

अध्याय 1: विकास

<table>
<tr><td></td><td>< 1 > अंक के प्रश्न</td><td>सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा</td></tr>
<tr><td>1</td><td>‘विश्व मानव विकास सूचकांक’ से सम्बंधित निम्नलिखित तालिका का अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उपयुक्त विकल्प दीजिए:
<table>
<tr><td>क्रम संख्या</td><td>देश</td><td>विश्व में मानव विकास सूचकांक का क्रमांक</td></tr>
<tr><td>1.
2.
3.
4.</td><td>भारत
म्यांमार
नेपाल
पाकिस्तान</td><td>130
148
149
150</td></tr>
</table>
दिए गए देशों में से, निम्नलिखित में से कौन सा देश ‘मानव विकास सूचकांक’ में उच्चतम स्थान रखता है?
A. पाकिस्तान
B. भारत
C. नेपाल
D. म्यांमार
उपयुक्त विकल्प: B. भारत</td><td>32-1-1</td></tr>
<tr><td></td><td>5 अंक</td><td></td></tr>
<tr><td>2</td><td>“हाल के प्रमाण बताते हैं कि देश के कई भागों में भूमिगत जल का अति उपयोग एक गंभीर संकट बनता जा रहा है।“ विकास की धारणीयता के सन्दर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।
(i) धारणीयता का अर्थ है कि विकास पर्यावरण को बिना नुक्सान पहुंचाए हो और वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करे।
(i) भूमिगत जल नवीकरणीय साधन का उदाहरण है। इसकी पुनः पूर्ति प्रकृति के द्वारा किया जाता है।
(ii) देश के कई भागों में जनसंख्या वृद्धि और कृषि सम्बन्धी कार्यों के कारण भूमिगत जल के अति-उपयोग होने का गंभीर संकट है।
(iii) सिंचाई के लिए भूजल का अत्यधिक उपयोग भूजल स्तर को कम कर सकता है।
(iv) प्रभावी नीतियों और नियमों की कमी से भूजल के अतिदोहन होने की संभावना है।
(v) 300 जिलों से सूचना मिली है कि वहाँ पिछले 20 सालों में पानी के स्तर में 4 मीटर से अधिक की गिरावट आयी है।
(vi) देश का लगभग एक तिहाई भाग, भूमिगत जल भण्डारों का अति-उपयोग कर रहा है।
(vii) यदि इस साधन के प्रयोग करने का वर्तमान तरीका जारी रहा तो अगले 25 वर्षों में देश का 60 प्रतिशत भाग इस साधन का अति उपयोग कर रहा होगा।</td><td></td></tr>
</table>

(viii) भूमिगत जल का अति-उपयोग विशेष रूप से पंजाब और पश्चिमी उपयुक्त विकल्प प्रदेश के कृषि की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्रों में पायी जाती है।

(ix) जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग।

(x) भूमि पर अत्यधिक और विषाक्त अपशिष्ट के डंपिंग पर नियंत्रण ताकि भूजल के प्रदूषण को रोका जा सके।

(xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

किन्हीं पाँच बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।

3 **"विभिन्न श्रेणी के लोगों के विकास के लक्ष्य भिन्न हो सकते हैं।" इस कथन का मूल्यांकन कीजिए ।**

(i) हम में से प्रत्येक अपने जीवन में अलग-अलग चीजें पाना चाहता है।

(ii) लोग ऐसी चीजें चाहते हैं जो उनके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है अर्थात वे चीजें जो उनकी आकाँक्षाओं और इच्छाओं को पूरा कर सके।

(iii) कभी-कभी, दो व्यक्ति या दो गुट ऐसी चीजें चाह सकते हैं जिनमें परस्पर विरोध हो सकता है।

(iv) उदाहरण के लिए, एक लड़की अपने भाई के समकक्ष स्वतंत्रता और अवसर मिलने और भाई भी घर के काम काज में हाथ बंटाएगा, की आशा रखती है।

(v) एक के लिए जो विकास है, वह दुसरे के लिए विकास ना हो।

(vi) उदाहरण के लिए अधिक बिजली पाने के लिए, उद्योगपति ज्यादा बांध चाहते हैं लेकिन जो विस्थापित हो जाएँ वे इसका विरोध कर सकते हैं।

(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु ।

किन्हीं पाँच बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।

32-2-1

4 **'विश्व मानव विकास सूचकांक' से संबंधित निम्नलिखित तालिका का अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:**

क्रम संख्या	देश	विश्व में मानव विकास सूचकांक का क्रमांक
1.	भारत	130
2.	म्यांमार	148
3.	नेपाल	149
4.	पाकिस्तान	150

निम्नलिखित में से कौन-सा देश मानव विकास सूचकांक' में निम्न स्थान रखता है?

(A) भारत

(B) म्यांमार

(C) नेपाल

(D) पाकिस्तान

उपयुक्त विकल्प: (D) पाकिस्तान

5	**रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए:** **किसी देश के अंदर किसी विशेष वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य ___________ कहलाता है।** (A) प्रति व्यक्ति आय (B) प्रति व्यक्ति उत्पादन (C) सकल राष्ट्रीय आय (D) सकल घरेलू उत्पादन **उपयुक्त विकल्प:** (D) सकल घरेलू उत्पादन		
	5 अंक		
6	**देश के विकास का आकलन करने में आय किस प्रकार एक महत्वपूर्ण कारक है? विश्व बैंक द्वारा किए गए वर्गीकरण का उल्लेख कीजिए।** (i) देशों की तुलना के लिए उनकी आय सबसे महत्वपूर्ण विशिष्टता है। (ii) अधिक आय वाले देश कम आय वाले अन्य देशों की तुलना में अधिक विकसित समझे जाते हैं। (iii) यह इस समझ पर आधारित है कि अधिक आय का अर्थ है मानवीय आवश्यकताओं की सभी वस्तुओं का अधिक होना। (iv) जो कुछ लोगों को पसंद है, और जो उनके पास होना चाहिए, वे उन्हें अधिक आय के साथ प्राप्त कर पाएंगे। इसलिए, अधिक आय अपने आप में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य समझा जाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **विश्व बैंक द्वारा किया गया वर्गीकरण-** विश्व बैंक द्वारा (2019 में) प्रकाशित विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार, (i) जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय US$ 49,300 प्रति वर्ष और उससे अधिक है, उन्हें उच्च आय या अमीर देश कहा जाता है। (ii) जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय US$ 2500 से US$ 49,300 के बीच है उन्हें मध्य आय वाले देश कहा जाता है। (iii) जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय US$ 2500 या उससे कम है उन्हें निम्न आय वाले देश कहा जाता है। (iv) भारत मध्य आय वाले देशों की श्रेणी में आता है क्योंकि 2019 में इसकी प्रति व्यक्ति आय केवल US$ 6700 प्रति वर्ष थी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**		

7	**भारत के कई भागों में भूमिगत जल के अत्यधिक उपयोग ने किस प्रकार गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है? धारणीय विकास के संदर्भ में उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** (i) भूमिगत जल नवीकरणीय संसाधन का एक उदाहरण है। इस संसाधन की आपूर्ति प्रकृति द्वारा की जाती है। (ii) लेकिन यहाँ भी अत्यधिक सिंचाई, उद्योग आदि द्वारा इस संसाधन का अति-उपयोग किया जा रहा है। (iii) भूमिगत जल के मामले में, यदि हम वर्षा द्वारा पुनः पूर्ति की जाने वाली मात्रा से अधिक उपयोग करते हैं तो हम इस संसाधन का अति उपयोग कर रहे होंगे। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **धारणीय विकास के संदर्भ में उदाहरण:** (i) हाल के प्रमाणों से पता चलता है कि देश के कई हिस्सों में भूमिगत जल के अति उपयोग होने का गंभीर ख़तरा है। (ii) कई जिलों में जल स्तर में तेज़ गिरावट गिरावट दर्ज की गई है। (iii) देश का लगभग एक-तिहाई हिस्सा अपने भूजल भंडार का अति उपयोग कर रहा है। (iv) यदि इस संसाधन का उपयोग करने का वर्तमान तरीका जारी रहा तो आने वाले वर्षों में, देश के अधिकाँश हिस्सों में जल का अभाव हो जाएगा। (v) भूमिगत जल का अति उपयोग विशेष रूप से पंजाब और पश्चिमी उपयुक्त विकल्प प्रदेश के कृषि की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्रों, मध्य और दक्षिण भारत के कठोर चट्टानी पठारी क्षेत्रों, कुछ तटीय क्षेत्रों और तेजी से बढ़ती शहरी बस्तियों में पाया जाता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
8	**नीचे एक काल्पनिक देश से संबंधित आँकड़े दिए गए हैं। इन आँकड़ों का अध्ययन कीजिए और उनके नीचे दिए गए प्रश्न का उपयुक्त विकल्प लिखिए:**	

आयु	कुल जनसंख्या	निवल उपस्थिति
7 और 8 वर्ष की आयु 14 और 15 वर्ष की आयु	1200 1000	1000 800
कुल	2200	1800

इस देश में 14 और 15 वर्ष के आयु वर्ग का उपस्थिति प्रतिशत _________ है।
(A) 90 प्रतिशत (B) 80 प्रतिशत
(C) 70 प्रतिशत (D) 60 प्रतिशत
उपयुक्त विकल्प: (B) 80 प्रतिशत

9	**मानव विकास रिपोर्ट का प्रकाशन किस संस्था द्वारा किया जाता है?** (A) विश्व व्यापार संगठन (B) एमनेस्टी इंटरनेशनल (C) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (D) विश्व स्वास्थ्य संगठन **उपयुक्त विकल्प:** (C) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम	
	2 अंक	**32-4-1**
10	**जीवन की गुणवत्ता के लिए सार्वजनिक सुविधाओं की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** (i) सार्वजनिक सुविधाएँ सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं। (ii) स्वास्थय सुविधाओं में सरकार द्वारा निवेश बढ़ाने से नागरिकों के जीवन में खुशहाली आती है। (iii) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (विशेषरूप से प्राथमिक शिक्षा), प्रदान करना जिससे मानव संसाधन का विकास हो। (iv) सुरक्षित पेयजल अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करेगा। (v) गरीबों को आवास सुविधाएँ प्रदान करने से आधारभूत जीवन स्तर में सुधार होता है। (vi) सुरक्षित और अच्छी परिवहन सुविधाएँ प्रदान करने से आर्थिक गतिविधियों का विकास होता है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं को स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-5-1**
11	**विकास के सामाजिक एवं आर्थिक लक्ष्यों का विश्लेषण कीजिए।** **सामाजिक लक्ष्य** (i) सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास। (ii) सभी के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं। (iii) समान अवसरों और नेतृत्व में भूमिकाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण। (iv) सभी व्यक्तियों के लिए सम्मान, समानता और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना। (v) विविधतापूर्ण समाज में सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना। (vi) बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच समन्वय और सहयोग को मजबूत करना। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।** **आर्थिक लक्ष्य** (i) जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि। (ii) संतुलित आर्थिक विकास के लिए क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना। (iii) रोजगार और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना। (iv) आर्थिक विस्तार का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना। (v) उच्च उत्पादकता और स्थिरता के लिए कृषि का आधुनिकीकरण करना। (vi) नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना। (vii) स्थानीय विनिर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना। (viii) पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करना। (ix) वैश्विक व्यापार का विस्तार करना। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	

12	**वर्तमान समय में विकास की धारणीयता का प्रश्न चुनौतीपूर्ण क्यों होता जा रहा है? उपर्युक्त कारणों का विश्लेषण कीजिए।** (i) सतत् पोषणीय विकास का तात्पर्य भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करना है। (ii) बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों की बढ़ती मांग के साथ वर्तमान समय में सतत् पोषणीय विकास चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। (iii) पर्यावरण क्षरण के परिणाम राष्ट्रीय या राज्य की सीमाओं का सम्मान नहीं करते हैं। सतत् पोषणीय विकास एक वैश्विक मुद्दा है और इसके लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। (iv) सतत् पोषणीय विकास द्वारा औद्योगीकरण को बढ़ावा देने से संसाधन दक्षता और दीर्घकालिक आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सकता है। (v) पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियां पर्यावरण की रक्षा करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं। सतत् पोषणीय विकास को सरकारी नीतियों द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है। (vi) जीवन शैली में बदलाव से अति उपभोग हो रहा है। जन जागरूकता और जिम्मेदार उपभोग दीर्घकालिक सतत् पोषणीय विकास में योगदान दे सकता है। (vii) सौर और पवन ऊर्जा जैसी वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है। (viii) पर्यावरण कानूनों और विनियमों को मजबूत करने से प्रदूषण को नियंत्रित करने और पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में मदद मिलती है। (ix) वनीकरण और जैव विविधता संरक्षण को प्रोत्साहित करने से पारिस्थितिक संतुलन प्राप्त होता है। (x) सतत् पोषणीय कृषि में निवेश प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है। (xi) जल संरक्षण पहल और कुशल सिंचाई तकनीक जल सुरक्षा को बढ़ाती है। (xii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-5-3**
13	**एक के लिए विकास किस प्रकार दूसरे के लिए विनाशकारी भी हो सकता है? व्याख्या कीजिए।** (i) विकास के बारे में अलग–अलग लोगों की अलग–अलग धारणाएँ होती हैं। (ii) वे ऐसी चीज़ों की तलाश करते हैं जो उनके लिए सबसे ज़रूरी होती हैं, यानी जो उनकी आकांक्षाओं या इच्छाओं को पूरा कर सकती हैं। (iii) वास्तव में, कई बार दो व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह ऐसी चीज़ें चाहते हैं जो परस्पर विरोधी हों। (iv) एक लड़की अपने भाई जितनी ही आज़ादी और अवसर की उम्मीद करती है, और चाहती है कि वह भी घर के कामों में हाथ बँटाए। हो सकता है कि उसके भाई को यह पसंद न आए। (v) अधिक बिजली पाने के लिए उद्योगपति अधिक बाँध चाहते हैं। (vi) इससे ज़मीन जलमग्न हो सकती है और वहाँ रहने वाले लोगों का जीवन अस्त–व्यस्त हो सकता है। वे इससे नाराज़ हो सकते हैं और अपनी ज़मीन की सिंचाई के लिए छोटे चेक डैम या टैंक बनाना पसंद कर सकते हैं। (vii) यह प्रदर्शित करता है किसी एक के लिए विकासात्मक लक्ष्य दूसरे के लिए विनाशकारी भी हो सकता है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

14	देशों की तुलना करने के लिए उनकी आय क्यों सबसे महत्वपूर्ण समझी जाती है? व्याख्या कीजिए। (i) औसत आय को प्रति व्यक्ति आय भी कहा जाता है। (ii) हम औसत आय की तुलना करते हैं जो देश की कुल आय को उसकी कुल जनसंख्या से विभाजित करती है। (iii) देश की तुलना के लिए उनकी आय सबसे महत्वपूर्ण विशिष्टता है। (iv) अधिक आय वाले देश कम आय वाले देशों की तुलना में अधिक विकसित समझे जाते है। (v) यह इस विचार पर आधारित है कि अधिक आय का अर्थ है मानवीय आवश्यकताओं को सभी वस्तुओं की अधिकता। (vi) जो कुछ भी लोगों को पसंद है और जिसे वह पाना चाहते है, वे उन्हें अधिक आय के साथ प्राप्त हो जाएगा। (vii) कुल आय की तुलना करने से हमें यह पता नहीं चलता कि एक औसत व्यक्ति कितना कमा सकता है। (viii) विश्व बैंक द्वारा जारी विश्व विकास रिपोर्ट में, प्रति व्यक्ति आय मानदंड का उपयोग देशों को विकसित और विकासशील के रूप में वर्गीकृत करने में किया जाता है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-6-1**
15	**'सकल घरेलु उत्पाद' को परिभाषित कीजिए एवं इसके महत्व की व्याख्या कीजिए।** किसी विशेष वर्ष में प्रत्येक क्षेत्रक द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य, उस वर्ष में क्षेत्रक के कुल उत्पादन की जानकारी प्रदान करता है। तीनों क्षेत्रकों के उत्पादन के योगफल को देश का सकल घरेलू उत्पाद कहते है। **महत्व** (i) यह किसी देश के जीवन स्तर का सूचक है। (ii) इससे पता चलता है कि किसी देश विशेष की अर्थव्यवस्था कितनी स्वस्थ है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(समग्रता में मूल्यांकन अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	
16	**"पर्यावरण में गिरावट के परिणाम राष्ट्रीय और राज्य सीमाओं का ख्याल नहीं करते हैं।" विकास की धारणीयता के सन्दर्भ में इस कथन की परख कीजिए।** (i) बीसवीं सदी के उत्तरार्ध से कई वैज्ञानिक हमें चेतावनी देते आ रहे हैं कि विकास का वर्तमान प्रकार और स्तर धारणीय नहीं हैं। (ii) सतत विकास का तात्पर्य पर्यावरण को किसी भी नुकसान के बिना आर्थिक विकास से है। (iii) भूमिगत जल नवीकरणीय संसाधन का एक उदाहरण है जिसका अति उपयोग किया जा रहा है। (iv) इसका उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए ताकि जल स्तर बनाए रखा जा सके। (v) बड़े पैमाने पर शहरीकरण और औद्योगीकरण ने भूमिगत जल भंडार का अति दोहन किया है।	

	(vi) हमें भावी पीढ़ियों के लिए विकास को बनाए रखने की आवश्यकता है क्योंकि हमारा भविष्य एक साथ जुड़ा हुआ है। (vii) गैर- नवीकरणीय संसाधनों जैसे कोयला, पेट्रोलियम का न्यायोचित मात्रा में उपयोग करना जिससे पर्यावरण निम्नीकरण को रोका जा सके। (viii) उदाहरण के लिए, किसी शहर या देश में खराब वायु गुणवत्ता पड़ोसी शहर या देश में वायु की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। (ix) ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन हमारे संसाधनों का विवेकपूर्ण ढंग से रखरखाव न करने का परिणाम है और इसका अनुभव सभी के द्वारा किया जा रहा है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)**		
17	**विकास की धारणीयता का प्रश्न दिनो-दिन जटिल होता जा रहा है।" भारत में भूमिगत जल के उपयोग के सन्दर्भ में इस कथन की परख कीजिए।** (i) गुजरते दिनों के साथ, हमें गंभीरता से धारणीयता के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि हमारे मूल्यवान संसाथन दिन-ब-दिन तेज गति से कम हो रहे हैं। (ii) सतत विकास का तात्पर्य पर्यावरण को किसी भी नुकसान के बिना आर्थिक विकास से है। (iii) उदाहरण के लिए, भूजल नवीकरणीय संसाधन का एक उदाहरण है जिसका भारत में अत्यधिक उपयोग किया जाता है। (iv) हाल के प्रमाणों से पता चलता है कि देश के कई हिस्सों में भूजल के अति प्रयोग होने का गंभीर खतरा है।। (v) कई जिलों से सूचना मिली है कि वहाँ पिछले कुछ सालों में भूमिगत जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। (vi) वर्तमान में देश का लगभग एक तिहाई भाग, भूमिगत जल भण्डारों का अति-उपयोग कर रहा है। (vii) यदि इस साथन के प्रयोग करने का वर्तमान तरीका जारी रहा तो आने वाले वर्षों में देश का अधिकाँश भाग इस साधन का अति-दोहन कर रहा होगा। (viii) गैर-नवीकरणीय संसाधनों का भी अत्यधिक उपयोग हो रहा है और उनमें से कुछ समाप्त होने वाले हैं। (ix) आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधन उचित मात्रा में उपलब्ध कराये जाने चाहिए। (x) विकास या प्रगति का प्रश्न हमेशा चलने वाला प्रश्न है। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)**		
	3 अंक	**32-6-2**	
18	**अंतिम वस्तुओं और सेवाओं की गणना किस प्रकार की जाती है? एक उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।** (i) किसी विशेष वर्ष में प्रत्येक क्षेत्र द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य, उस वर्ष में क्षेत्र के कुल उत्पादन की जानकारी प्रदान करता है।		

	(ii) तीनों क्षेत्रों के उत्पादनों के योगफल को देश का सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं। यह किसी देश के भीतर किसी विशेष वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है। (iii) यहाँ एक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उत्पादित और बेची गई प्रत्येक वस्तु या सेवा की गणना करने की आवश्यकता नहीं है। (iv) केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं की गणना की ही औचित्य है। जैसे, एक किसान किसी आटा-मिल को ₹20 प्रति कि.ग्रा. की दर से गेहूँ बेचता है। मिल में गेहूँ की पिसाई होती है और बिस्कुट कंपनी को आटा ₹25 प्रति कि.ग्रा. की दर से बेचा जाता है। (v) बिस्कुट कंपनी आटा के साथ चीनी एवं तेल जैसी चीज़ों का उपयोग करती है और बिस्कुट के चार पैकेट बनाती है। वह बाज़ार में उपभोक्ताओं को ₹80 में ₹20 प्रति पैकेट बिस्कुट बेचती है। (vi) अतः बिस्कुट ही अंतिम उत्पाद है, अर्थात् वह वस्तु जो उपभोक्ताओं तक पहुँचती है। अंतिम वस्तुओं के मूल्य में मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य पहले से ही शामिल होता है। (vii) अंतिम वस्तु के मूल्य ₹80 में पहले से ही आटा का मूल्य ₹25 शामिल है। (viii) इसी प्रकार अन्य सभी मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य भी शामिल होगा। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी तीन बिंदुओं का विस्तारण अपेक्षित है।)**	
	5 अंक	
19	**"विकास के लक्ष्य परस्पर विरोधी भी हो सकते हैं" उदाहरणों के माध्यम से कथन की परख कीजिए।** (i) विभिन्न व्यक्तियों के विकास के लक्ष्य अलग-अलग हो सकते हैं और जो एक के लिए विकास हो सकता है, वह दूसरे के लिए विकास नहीं हो सकता। (ii) यह दूसरे के लिए विनाशकारी भी हो सकता है। उनमें से प्रत्येक अलग-अलग चीज़ें पाना चाहता है। (iii) वे ऐसी चीज़ों की तलाश करते हैं जो उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, अर्थात् वे चीज़ें जो उनकी आकांक्षाओं या इच्छाओं को पूरा कर सके। (iv) कई बार, दो व्यक्ति एक ही गुण ऐसी चीज़ें चाह सकते हैं जो विरोधाभासी/विरोधी हों। (v) एक लड़की अपने भाई के समान स्वतंत्रता और अवसर की आशा करती है, और यह भी कि वह घरेलू काम में भाग ले। उसके भाई को यह पसंद नहीं आ सकता। (vi) इसी तरह, अधिक बिजली प्राप्त करने के लिए, उद्योगपति ज्यादा बाँध चाहते हैं लेकिन इससे भूमि जलमग्न हो सकती है और उन लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है जो बेघर हो जाएँ। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (viii) **(किसी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
20	**विभिन्न देशों के मध्य तुलना करने के लिए औसत आय के महत्व एवं सीमाओं की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** **महत्व:** (i) औसत आय को प्रति व्यक्ति आय के रूप में भी जाना जाता है। (ii) यह जनसंख्या के भीतर जीवन स्तर को मूलभूत समझ प्रदान करता है, जो प्रति व्यक्ति औसत आय की राशि को दर्शाता है। (iii) यह विकास का एक संकेतक है जो लोगों के बीच उच्च जीवन स्तर को दर्शाता है।	

(iv) 2019 में प्रति व्यक्ति आय 49,300 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष और उससे अधिक वाले देशों को उच्च आय या समृद्ध देश कहा जाता है।

(v) जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय 2500 अमेरिकी डॉलर या उससे कम है, उन्हें निम्न-आय वाले देश कहा जाता है।

(vi) भारत निम्न-मध्य आय वाले देशों की श्रेणी में आता है क्योंकि 2019 में इसकी प्रति व्यक्ति आय केवल 6700 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष थी।

(vii) समृद्ध देशों को, मध्य पूर्व के देशों और कुछ अन्य छोटे देशों को छोड़कर, सामान्यतः विकसित देशों के रूप में जाना जाता है।

(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किसी दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

सीमाएँ:

(i) औसत आय आर्थिक विकास का एक विश्वसनीय संकेतक नहीं है।

(ii) औसत आय व्यक्तियों की विषमताओं पर विचार नहीं करती।

(iii) औसत आय तुलना के लिए उपयोगी है लेकिन असमानताओं को भी छिपाती है।

(iv) औसत आय जीवन स्तर की गुणवत्ता को नहीं दर्शाती है।

(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किसी तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

(समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाना है।)

	5 अंक	**32-6-3**

21 **विकास के लिए सार्वजनिक सुविधाओं के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।**

(i) अधिकांश आर्थिक गतिविधियाँ ऐसी हैं, जिनकी प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार पर है।

(ii) इन पर व्यय करना सरकार की अनिवार्यता है। जैसे–सभी के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

(iii) समुचित ढंग से विद्यालय चलाना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विशेषकर प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है।

(iv) सरकार को मानव विकास के पक्षों, जैसे सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

(v) निर्धनों के लिए आवासीय सुविधाएँ और भोजन एवं पोषण पर ध्यान देने की जरूरत है। जन वितरण प्रणाली की व्यवस्था।

(vi) सरकार का यह भी कर्तव्य है कि वह बजट बढ़ाकर अत्यंत निर्धनों की ओर देश के पूर्णतया उपेक्षित भागों को देखभाल करे।

(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किसी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

22 **मानव विकास रिपोर्ट किस संस्था द्वारा प्रकाशित की जाती है? इस रिपोट में देशों के मध्य तुलना के लिए जिन मापदंडों का प्रयोग किया जाता है ?**

(i) मानव विकास रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित की जाती है।

मापदंड:

(i) शैक्षिक स्तर,

(ii) स्वास्थ्य स्थिति

(iii) प्रति व्यक्ति आय

(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

(समग्रता में मूल्यांकन अपेक्षित है।)

	4 अंक	s-1
23	दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। विकास की धारणीयता *''हाल के प्रमाणों से पता चलता है कि देश के कई भागों में भूमिगत जल का अति–उपयोग होने का गंभीर संकट है। लगभग 300 जिलों से सूचना मिली है कि वहाँ पिछले 20 सालों में पानी के स्तर में 4 मीटर से अधिक की गिरावट आई है। देश के लगभग एक – तिहाई भाग, भूमिगत जल भण्डारों का अति उपयोग कर रहा है। यदि इस साधन के प्रयोग करने का वर्तमान तरीका जारी रहा तो अगले 25 वर्षों में देश का 60 प्रतिशत भाग इस साधन का अति – उपयोग कर रहा होगा। भूमिगत जल का अति– उपयोग विशेष रूप से पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कृषि की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्रों, मध्य और दक्षिण भारत के चट्टानी पठारी क्षेत्रों, कुछ तटवर्ती क्षेत्रों और तेजी से विकसित होती शहरी बस्तियों में पाया जाता है।''* (1) विकास की धारणीयता का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **(1)** (i) सतत विकास का अर्थ है 'पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास होना चाहिए और वर्तमान विकास में भावी पीढ़ियों की जरूरतों के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए।' (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है। (2) भूमिगत जल के अति–उपयोग के कारण होने वाले गंभीर संकट का वर्णन कीजिए। **(1)** (i) हाल के साक्ष्यों से पता चलता है कि देश के कई हिस्सों में भूजल के अत्यधिक उपयोग से गंभीर ख़तरा है। (ii) पिछले 20 वर्षों के दौरान लगभग 300 जिलों में जल स्तर में 4 मीटर से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है। (3) कृषि में भूमिगत जल के अति–उपयोग को कम करने के लिए कृषकों के लिए किन्हीं दो सुझावों का उल्लेख कीजिए। **(2x1=2)** (i) फसल पैटर्न में बदलाव।. (ii) सिंचाई की नई तकनीकों जैसे स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई आदि का उपयोग। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	

	किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	3 अंक	**s-2**
24	''पर्यावरण में गिरावट का परिणाम राष्ट्रीय और राज्य सीमाओं का ख्याल नहीं करते हैं।'' इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। (i) पर्यावरण में गिरावट का परिणाम किसी क्षेत्र या राष्ट्र विशेष का नहीं है क्योंकि यह हमारे भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। (ii) वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, दार्शनिक और अन्य सामाजिक वैज्ञानिक इस क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। (iii) ग्रीनहाउस प्रभाव वाली गैसों और ओजोन परत की कमी के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग से पूरी दुनिया को खतरा है। (iv) जल निकायों का प्रदूषण एक और गंभीर मुद्दा है जिसके लिए फिर से संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।	
	3 अंक	**s-3**
25	''लोगों के विकास के लक्ष्य भिन्न हो सकते हैं।'' इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। (i) प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक और सांस्कृतिक ज़रूरतें अलग–अलग होती हैं और लक्ष्य भी अलग–अलग होते हैं। (ii) एक लड़की अपने भाई जितनी ही आज़ादी और अवसर की उम्मीद करती है और यह उम्मीद करती है कि उसका भाई घर के काम में भी भागीदारी करें। लेकिन यह बात शायद उसके भाई को पसंद नहीं आए। (iii) उद्योगपति अधिक बिजली पाने के लिए अधिक बांध चाहते होंगे। (iv) जल निकायों के आसपास रहने वाले लोग –जैसे आदिवासी, अपनी भूमि की सिंचाई के लिए छोटे चक बांध या तालाब को शायद वरीयता देगें। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।	

अध्याय 2: भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	'X' एक कस्बे में रहता है । वह फूलों की खेती के साथ-साथ पशुपालन भी करता है । 'X' का कार्य अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्रक के अंतर्गत आएगा? A. प्राथमिक B. द्वितीयक C. तृतीयक D. चतुर्थक **उपयुक्त विकल्प: A. प्राथमिक**	**32-1-1**

2	**दिए गए चित्र को देखिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उपयुक्त विकल्प दीजिए:** चित्र में किया जाने वाला कार्य अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्रक के अंतर्गत आता है? A. प्राथमिक B. चतुर्थक C. द्वितीयक D. तृतीयक **उपयुक्त विकल्प: C. द्वितीयक**	
3	निम्नलिखित में से किसका कार्य अर्थव्यवस्था के द्वितीयक क्षेत्रक में आता है? A. मधुमक्खी पालक B. साहूकार C. टोकरी बुनकर D. मछुआरा **उपयुक्त विकल्प: C.** टोकरी बुनकर	
	3 अंक	
4	**भारतीय अर्थव्यवस्था के सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक में अंतर को उदहारण सहित स्पष्ट कीजिए ।** (i) सार्वजनिक क्षेत्रक में अधिकांश परिसंपत्तियों पर सरकार का स्वामित्व होता है और सरकार ही सभी सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं जबकि निजी क्षेत्रक में परिसम्पतियों पर स्वामित्व और सेवाओं के वितरण की जिम्मेदारी एकल व्यक्ति या कंपनी के हाथों में होता है। (ii) रेलवे, डाक घर सार्वजनिक क्षेत्रक के उदहारण हैं जबकि टाटा आयरन एवं स्टील कम्पनी लिमिटेड (टिस्को) अथवा रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड निजी क्षेत्र के उदहारण हैं। (iii) सार्वजनिक क्षेत्रक का ध्येय केवल लाभ कमाना नहीं होता है जबकि निजी क्षेत्रक की गतिविधियों का ध्येय लाभ अर्जित करना होता है। (iv) सरकार खर्चों को पूरा करने के लिए करों के माध्यम से धन जुटाती है जबकि निजी क्षेत्र अपने धन की व्यवस्था स्वयं करता है। (v) सार्वजनिक क्षेत्र अपनी सेवाओं के लिए कम शुल्क लेता है जबकि निजी क्षेत्र बहुत अधिक शुल्क लेता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **किन्हीं तीन विन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	3 अंक	32-1-3
5	**भारत में सकल घरेलू उत्पाद में तृतीयक क्षेत्रक के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।** (i) तृतीयक क्षेत्र भारत में सबसे बड़े क्षेत्र के रूप में उभरा है। (ii) इस क्षेत्र के अंतर्गत अस्पताल, डाक घर, पुलिसथाना, बैंक, बीमा इत्यादि सेवाएँ आती हैं। (iii) यह क्षेत्र अनेक सेवाएँ उपलब्ध करवा कर अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है और सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देती है। (iv) प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र के विकास से सेवाओं की मांग बढ़ती जा रही है। (v) जैसे-जैसे आय बढ़ती है, कई सेवाओं जैसे रेस्तरां, पर्यटन, शॉपिंग इत्यादि की मांग बढ़ती जा रही है। (vi) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित कुछ नई सेवाएँ महत्वपूर्ण एवं अपरिहार्य हो गयी हैं और इन सेवाओं की मांग बढ़ती जा रही है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है। (vii) कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।**	
	1 अंक	32-2-1
6	दिए गए चित्र को देखिए और नीचे दिए गए प्रश्न का उपयुक्त विकल्प दीजिए: **चित्र में किया जा रहा कार्य अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र के अंतर्गत आता है?** (A) प्राथमिक (B) चतुर्थक (C) तृतीयक (D) द्वितीयक **उपयुक्त विकल्प: (D) द्वितीयक**	
7	**निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य अर्थव्यवस्था के तृतीयक क्षेत्र के अंतर्गत आती है?** (A) टोकरी बुनाई (B) पशुपालन (C) दूध बेचना (D) गुड़ बनाना **उपयुक्त विकल्प:** (C) दूध बेचना	

8	**राखी ने अपने क्षेत्र का आर्थिक सर्व किया है। सर्वे से पता चला है कि लोग विभिन्न कार्य करके अपनी आजीविका कमाते हैं। इसके लिए राखी द्वारा तैयार की गई तालिका नीचे दी गई है। तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्न का उपयुक्त विकल्प दीजिए:**	

क्रम संख्या	कार्य	व्यक्तियों की संख्या
1. 2. 3. 4. 5.	अपने खेतों में काम करने वाला किसान स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक अपने घर में काम करने वाला हथकरघा बुनकर बड़े कारखानों में काम करने वाले श्रमिक क्षेत्र के एक अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारी	250 10 70 140 60
कुल		530

संगठित क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं?

(A) 380 (B) 140 (C) 320 (D) 210

उपयुक्त विकल्प: D 210

3 अंक

9 **भारत में कृषि के क्षेत्र में अल्प बेरोज़गारी की समस्या का विश्लेषण कीजिए।**

(i) कृषि में आवश्यकता से अधिक लोग कार्यरत हैं। इसका मतलब है अगर कुछ लोगों को कृषि क्षेत्र से हटा देते हैं तो भी उत्पादन प्रभावित नहीं होता। दूसरे शब्दों में, कृषि क्षेत्र में श्रमिक अल्प-बेरोज़गार हैं।

(ii) एक परिवार के सभी सदस्य साल भर खेतों में काम करते हैं। क्योंकि उन्हें कहीं और रोज़गार उपलब्ध नहीं है, प्रत्येक व्यक्ति काम कर रहा है, कोई बेकार नहीं है। परंतु, वास्तव में उनका श्रम-प्रयास विभाजित है।

(iii) हर कोई कुछ काम कर रहा है लेकिन किसी को भी पूर्ण रोज़गार प्राप्त नहीं है। यह अल्परोज़गारी की स्थिति है, जहां लोग प्रत्यक्ष तौर पर काम तो कर रहे हैं, लेकिन सभी अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं।

(iv) इस प्रकार की अल्प बेरोज़गारी को छिपी हुई कहते हैं क्योंकि यह उन लोगों की बेरोज़गारी जिनके पास कोई रोज़गार नहीं है और बेकार बैठे हुए हैं, से अलग है। इसलिए इसे प्रच्छन्न बेरोज़गारी भी कहा जाता है।

(v) कोल्ड स्टोरेज, शहद संग्रह केंद्र, सब्जी प्रसंस्करण उद्योग आदि खोलने जैसे अतिरिक्त अवसर प्रदान करके अतिरिक्त श्रमिकों को लाभप्रद रूप से नियोजित किया जा सकता है।

(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)

	3 अंक	**32-2-2**
10	**भारत में रोज़गार सृजन में प्राथमिक क्षेत्रक की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) प्राकृतिक संसाधनों का सीधे उपयोग करके किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिक क्षेत्रक की गतिविधि के रूप में जाना जाता है। (ii) उदाहरण के लिए, कपास की खेती, जो किसानों और कृषि श्रमिकों को रोजगार प्रदान करती है। (iii) डेयरी जैसी गतिविधियों के मामले में, जो जानवरों की जैविक क्रिया और चारे की उपलब्धता पर निर्भर होती है, रोजगार के अवसर पैदा करती है। (iv) इसी तरह, खनिज और अयस्क भी प्राकृतिक उत्पाद हैं। खनिजों का निष्कर्षण खनिकों को रोजगार प्रदान करता है। (v) भारत में पिछले चार दशकों में सकल घरेलू उत्पाद में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी में परिवर्तन आया है परंतु रोजगार में समान बदलाव नहीं हुआ है। (vi) प्राथमिक क्षेत्र अब भी सबसे बड़ा नियोक्ता बना हुआ है। (vii) इस अवधि के दौरान वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में नौ गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है परंतु इस क्षेत्रक में रोजगार लगभग तीन गुना हीं बढा है। (viii) यही बात तृतीयक क्षेत्रक पर भी लागू होती है। सेवा क्षेत्रक में उत्पादन लगभग **14** गुना बढ़ गया**,** लेकिन इस क्षेत्रक में रोजगार केवल पाँच गुना ही बढा। (ix) परिणामस्वरूप**,** देश में आधे से अधिक श्रमिक प्राथमिक क्षेत्र**,** मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र**,** में काम कर रहे हैं**,** जिसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग एक- छठा भाग है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(**किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**)**	
	3 अंक	**32-2-3**
11	**'सकल घरेलू उत्पाद' के सम्बन्ध में भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रकों में हो रहे परिवर्तनों का विश्लेषण कीजिए।** (i) सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में तीनों क्षेत्रकों (प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र) के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। (ii) 1973-74 में सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक प्राथमिक क्षेत्रक था, उसके बाद तृतीयक और द्वितीयक क्षेत्रक थे । (iii) पिछले कुछ वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में तीन क्षेत्रकों की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है।	

	(iv) वर्ष 2013-14 में सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र तृतीयक क्षेत्र था, उसके बाद द्वितीयक और प्राथमिक क्षेत्र थे । (v) यह प्राथमिक क्षेत्र से माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र में बदलाव का संकेत देता है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
12	**निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर क्षेत्रक की पहचान करें और सही विकल्प का चयन कीजिए:** इस क्षेत्रक का उद्देश्य लाभ अर्जित करना होता है। इस क्षेत्रक का स्वामित्व किसी व्यक्ति या कंपनी के हाथ में होता है। टाटा आयरन एंड स्टील इस क्षेत्रक का एक उदाहरण है। **विकल्प:** (A) सहकारी क्षेत्रक (B) असंगठित क्षेत्रक (C) सार्वजनिक क्षेत्रक (D) निजी क्षेत्रक **उपयुक्त विकल्प:** (D) निजी क्षेत्रक	
13	**विषम की पहचान कीजिए।** (A) हिंदुस्तान कंप्यूटर्स लिमिटेड (B) भारती एयरटेल लिमिटेड (C) हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (D) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड **उपयुक्त विकल्प:** (D) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	
	2 अंक	
14	**1947-1991 के मध्य भारत सरकार ने विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश को सीमित क्यों नहीं किया? स्पष्ट कीजिए।** (i) भारतीय उत्पादकों को विदेशी उत्पादकों के प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए। (ii) स्वदेशी उद्योगों की रक्षा करने के लिए। (iii) भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए। (iv) भारतीय उद्योगों की वृद्धि और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	5 अंक	
15	**अर्थव्यवस्था के सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक में उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए ।**	

सार्वजनिक क्षेत्रक	निजी क्षेत्रक
1. सार्वजनिक क्षेत्रक में अधिकांश परिसंपत्तियों पर सरकार का स्वामित्व होता है और सरकार ही सभी सेवाएँ उपलब्ध कराती है।	1. निजी क्षेत्रक में परिसंपत्तियों पर स्वामित्व और सेवाओं के वितरण की जिम्मेदारी एक व्यक्ति या कंपनी के हाथों में होती है।
2. सार्वजनिक क्षेत्रक के उदाहरण हैं भारतीय रेलवे, बीएचईएल आदि।	2. निजी क्षेत्रक के उदाहरण हैं- टिस्को, आरआईएल आदि।

3. सार्वजनिक क्षेत्रक का ध्येय केवल लाभ कमाना नहीं होता है। सरकार सेवाओं पर किए गए व्यय की भरपाई करों या अन्य तरीकों से करती है।	3. निजी क्षेत्रक की गतिविधियों का ध्येय लाभ अर्जित करना होता है। इनकी सेवाओं को प्राप्त करने के लिए हमें इन एकल स्वामियों और कंपनियों को भुगतान करना पड़ता है।
4. सरकार सभी तरह की गतिविधियों/सेवाओं पर धन व्यय करती है जिनकी आवश्यकता समाज के सभी सदस्यों को होती है।	4. निजी क्षेत्रक इस तरह की गतिविधियों/सेवाओं को उचित कीमत पर उपलब्ध नही कराते हैं।
5. कुछ गतिविधियों/सेवाओं पर बहुत अधिक पैसे खर्च करने पड़ते हैं, जो निजी क्षेत्रकों की क्षमता से बाहर होती हैं । जैसे, सड़कों, पुलों, रेलवे, पत्तनों, बिजली आदि का निर्माण और बाँध आदि से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना।	5. इस तरह की बड़ी सेवाओं/गतिविधियों पर बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्रक धन खर्च नहीं कर सकता।
6. सार्वजनिक क्षेत्रक की सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध होती हैं।	6. निजी क्षेत्रक की सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध नहीं होती हैं।

7. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

16 **मान लीजिये आप अपने गाँव के सरपंच हैं। गाँव में अतिरिक्त रोजगार के सृजन हेतु आप कौन से सुझाव देंगे जिससे ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों की बेरोजगारी की समस्या कम की जा सके?**

(i) मनरेगा-2005 के कार्य दिवसों में वृद्धि करेंगे।
(ii) सिंचाई की सुविधाओं का विकास करेंगे।
(iii) ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को क़र्ज़, औपचारिक ऋण स्रोतों से लेने को प्रोत्साहित करेंगे।
(iv) स्थानीय औद्यगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेंगे।
(v) लघु कुटीर उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करेंगे।
(vi) स्वरोजगार के अवसरों के सृजन, के लिए जागरूकता फैलायेंगे ।
(vii) स्वयं सहायता समुह संगठित करने को प्रोत्साहित करेंगे।
(viii) स्थानीय बाज़ारों एवं मेलों के आयोजन को प्रोत्साहित करेंगे।
(ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु ।

(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

4 अंक

17 **दिए गए स्रोत्र को पढ़िए और उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:**

संगठित क्षेत्रक

कान्ता संगठित क्षेत्रक में काम करती है। संगठित क्षेत्रक में वे उद्यम अथवा कार्यस्थान आते हैं जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है और इसलिए लोगों के पास सुनिश्चित काम होता है। वे क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं और उन्हें सरकारी नियमों एवं विनियमों का अनुपालन करना होता है। इन नियमों एवं विनियमों का अनेक विधियों जैसे- कारखाना अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, सेवानुदान अधिनियम, दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम इत्यादि में उल्लेख किया गया है। इसे संगठित क्षेत्रक कहते हैं क्योंकि इसकी कुछ औपचारिक प्रक्रियाएँ एवं कार्यविधियाँ हैं। इनमें कुछ लोग किसी के द्वारा नियोजित नहीं होते बल्कि ते स्वतः काम कर सकते हैं परन्त उन्हें

	भी आने को सरकार के समक्ष पंजीकृत बल्कि वे स्वतः काम कर सकते हैं, परन्तु उन्हें भी अपने को सरकार के समक्ष पंजीकृत कराना होता है और नियमों एवं विनियमों का अनुपालन करना होता है। **(1) संगठित क्षेत्रक की कार्यदशाओं की किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए ।** (i) रोजगार की अवधि नियमित होती है। (ii) कार्य समय निश्चित होता है। (iii) लोगों के पास सुनिश्चित काम होता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(2) संगठित क्षेत्रक के कर्मचारियों को नियोक्ता द्वारा मिलने वाले किसी एक लाभको स्पष्ट कीजिए ।** (i) इसमें कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश मिलता है। (ii) इसमें कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित होती है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **(3) स्व-रोजगार में जुटे हुए सभी लोगों को सरकार के समक्ष पंजीकरण करवाना क्यों आवश्यक है ?** (i) स्व-रोजगार में जुटे हुए सभी लोगों को सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करने के लिए। (ii) यह सरकार को संगणनात्मक आधार बनाने में मदद करता है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु ।	
	3 अंक	**32-4-1**
18	भारत की अर्थव्यवस्था में प्राथमिक क्षेत्रक के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए। (i) द्वितीयक क्षेत्र को कच्चा माल प्रदान करता है। (ii) रोज़गार प्रदान करता है। (iii) खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है। (iv) राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देता है। (v) विदेशी मुद्रा लाता है। (vi) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-4-3**
19	भारत में तृतीयक क्षेत्रक के विकास को प्रेरित करने वाले कारकों की परख कीजिए। (i) अस्पतालों, स्कूलों, बैंकों आदि जैसे संस्थानों/संगठनों की आवश्यकता बढ़ रही है। (ii) कृषि और उद्योग के विकास ने बुनियादी ढांचे के विकास की मांग को बढ़ा दिया है। (iii) आय के स्तर में वृद्धि ने परिवहन, खरीदारी, होटल और रेस्तरां जैसी सेवाओं की मांग में वृद्धि की है। (iv) संचार और प्रौद्योगिकी में सुधार ने व्यापार और वाणिज्य को सुविधाजनक बनाया है। इससे तृतीयक क्षेत्र में विकास की आवश्यकता हुई है। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	

	3 अंक	**32-5-1**
20	**भारत में शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के किन्हीं तीन उपायों को सुझाइए।** (i) शिक्षा क्षेत्र में सुधार किया जाना चाहिए। (ii) स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार किया जाना चाहिए। (iii) क्षेत्रीय शिल्प उद्योग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। (iv) आईटी जैसे क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। (v) पर्यटन क्षेत्र में सुधार और उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। (vi) सड़क, राजमार्ग, भवन, स्कूल आदि जैसे बुनियादी ढांचे का विकास किया जाना चाहिए। (vii) कुछ क्षेत्रों को सरकार से उचित योजना और समर्थन की आवश्यकता है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **कोई तीन सुझाव अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-5-2**
21	**''भारत में संगठित क्षेत्रक के कर्मचारियों को रोजगार – सुरक्षा के लाभ मिलते हैं।'' उपयुक्त तर्क देकर इस कथन की परख कीजिए।** (i) संगठित क्षेत्रक में श्रमिकों को नियुक्ति पत्र दिया जाता है, जिसमें काम की सभी शर्तें और नियम लिखे होते हैं। (ii) संगठित क्षेत्रक में श्रमिकों को बिना किसी कारण के नौकरी से नहीं हटाया जा सकता। (iii) संगठित क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं और उन्हें इसके नियमों और विनियमों का पालन करना होता है, जो विभिन्न कानूनों जैसे कि कारखाना अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, दुकानें और प्रतिष्ठान अधिनियम आदि में दिए गए हैं। (iv) संगठित क्षेत्रक में श्रमिकों को सवेतन अवकाश मिलता है। (v) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन तर्कों के अनुसार परख अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-5-3**
22	**भारतीय अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्रक के योगदान की परख कीजिए।** (i) तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रक में उत्पादन प्रक्रिया के लिए सहायता प्रदान करती है। (ii) यह अर्थव्यवस्था के विकास के लिए आवश्यक अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, डाक और तार सेवाएँ, पुलिस स्टेशन, न्यायालय, ग्राम प्रशासनिक कार्यालय, नगर निगम, रक्षा, परिवहन, बैंक, बीमा कंपनियाँ आदि जैसी बुनियादी सेवाएँ प्रदान करती है। (iii) परिवहन, व्यापार, भंडारण आदि जैसी सेवाएँ प्रदान करके कृषि और उद्योग के विकास में सहायता प्रदान की है, जिससे सेवाओं और विकास हुआ है। (iv) लोगों की आय के स्तर में वृद्धि के साथ बाहर खाना, पर्यटन, खरीदारी, निजी अस्पताल, निजी स्कूल, व्यावसायिक प्रशिक्षण आदि जैसी सेवाओं की माँग में वृद्धि हुई है।	

	(v) पिछले एक दशक में, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी जैसी कुछ नई सेवाएँ महत्वपूर्ण और आवश्यक हो गई हैं। ये तृतीयक क्षेत्रक द्वारा उत्पादित की जाती हैं जो अर्थव्यवस्था के विकास में मदद करती हैं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-6-3**
23	**रोज़गार प्रदान करने में प्राथमिक क्षेत्रक की भूमिका का वर्णन कीजिए।** (i) प्राकृतिक संसाधनों का सीधे उपयोग करके किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि के रूप में जाना जाता है। (ii) उदाहरण के लिए, कपास की खेती, जो किसानों और कृषि श्रमिकों को रोजगार प्रदान करती है। (iii) इसी तरह, डेयरी जैसी गतिविधियों के मामले में, जानवरों की जैविक क्रिया और चारे की उपलब्धता पर निर्भरता होती है, जो पशुपालन में रोजगार के अवसर पैदा करती है। (iv) इसी तरह, खनिज और अयस्क भी प्राकृतिक उत्पाद हैं। खनिजों का निष्कर्षण खनिकों को रोजगार प्रदान करता है। (v) चूंकि अधिकांश प्राकृतिक उत्पाद जो हमें मिलते हैं, वे कृषि, डेयरी, मछली पकड़ने और वानिकी से होते हैं, इसलिए इस क्षेत्र को कृषि और सहायक क्षेत्र भी कहा जाता है, जो मछुआरों, दूध वालों, लकड़ी इकट्ठा करने वालों आदि को रोजगार प्रदान करता है। (vi) प्राथमिक क्षेत्र अर्थव्यवस्था के अन्य दो क्षेत्रों- विनिर्माण और तृतीयक क्षेत्र को जोड़ने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)	
	5 अंक	**s-1**
24	भारत में तृतीयक क्षेत्रक के बढ़ते महत्व की व्याख्या कीजिए। (i) किसी भी देश में कई सेवाओं जैसे अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, डाक और तार सेवाएं, पुलिस स्टेशन, अदालतें, ग्राम प्रशासनिक कार्यालय, नगर निगम, रक्षा, परिवहन, बैंक, बीमा कंपनियां आदि की आवश्यकता होती है। इन्हें बुनियादी सेवाएँ माना जा सकता है। (ii) विकासशील देश में सरकार को इन सेवाओं के प्रावधान की जिम्मेदारी लेनी होगी। (iii) कृषि और उद्योग के विकास से परिवहन, व्यापार, भंडारण और इसी तरह की सेवाओं का विकास होता है। (iv) प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रकों का विकास जितना अधिक होगा, इस प्रकार की सेवाओं की मांग उतनी ही अधिक होगी। (v) जैसे–जैसे आय का स्तर बढ़ता है, कुछ वर्ग के लोग बाहर का खाना, पर्यटन, खरीदारी, निजी अस्पताल, निजी स्कूल, पेशेवर प्रशिक्षण आदि जैसी कई और सेवाओं की मांग करने लगते हैं। (vi) पिछले लगभग एक दशक में, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित कुछ नई सेवाएँ महत्वपूर्ण और आवश्यक हो गई हैं। इन सेवाओं का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या किया जाना अपेक्षित है।	

25	संगठित एवं असंगठित क्षेत्रकों में अंतर स्पष्ट कीजिए।				
		संगठित क्षेत्रक		असंगठित क्षेत्रक	
	I	इसमें उन उद्यमों या कार्यस्थलों को शामिल किया गया है जहां रोजगार की शर्तें नियमित हैं। इसलिए लोगों को निश्चित काम मिलता है।	I	असंगठित क्षेत्रक में अधिकाशंतः छोटी और बिखरी हुई इकाइयाँ होती हैं जिन पर सरकार के बनाए नियम ठीक से क्रियान्वित नहीं हो पाते है।	
	II	उन्हें कुछ नियमों और विनियमों का पालन करना होता है जो विभिन्न कानून जैसे फैक्ट्री अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, दुकानें और प्रतिष्ठान अधिनियम आदि में दिए गए हैं।	II	नियम—कायदे तो होते हैं लेकिन उनका ठीक से अनुपालन नहीं किया जाता।	
	III	इसे संगठित इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें कुछ औपचारिक प्रक्रियाओं को पूर्ण किया जाता हैं।	III	इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे लोग शामिल हैं जो सड़क पर सामान बेचने या मरम्मत का काम करने जैसे रोजमर्रा के काम करते हैं। वे किसी औपचारिक प्रक्रिया का पालन नहीं करते है।	
	IV	संगठित क्षेत्रकों के श्रमिकों का रोजगार निश्चित होता है।	IV	नौकरियाँ कम वेतन वाली होती हैं और अक्सर नियमित नहीं होतीं। रोजगार सुरक्षित नहीं है. लोगों को बिना किसी कारण बताए नौकरी से निकाला जा सकता है।	
	V	उनके कार्य के घंटे निश्चित होते है।	V	उनके कार्य के घंटे निश्चित नहीं होते हैं।	
	VI	यदि वे अधिक काम करते हैं, तो उन्हें नियोक्ता द्वारा ओवरटाइम का भुगतान करना होगा।	VI	ओवरटाइम का कोई प्रावधान नहीं होता है।	
	VII	इन्हें नियोक्ता से कई अन्य/विशेष भत्तें प्राप्त होते है।	VII	इन्हें नियोक्ता से कोई अन्य/विशेष भत्ता प्राप्त नहीं होता है।	
	VIII	उन्हें सवैतनिक छुट्टी, छुट्टियों के दौरान भुगतान, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी आदि मिलता है।	VIII	श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश, छुट्टियाँ, बीमारी आदि के कारण छुट्टी नहीं मिलती है।	
	कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के माध्यम से अंतर स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।** ? ?				

	5 अंक	s-3

26 अर्थव्यवस्था के सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रकों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

	सार्वजनिक क्षेत्रक		निजी क्षेत्रक
I	सार्वजनिक क्षेत्रक में, सरकार अधिकांश संपत्तियों की मालिक होती है और सभी सेवाएँ प्रदान करती है।	I	निजी क्षेत्रक में, संपत्ति का स्वामित्व और सेवाओं की डिलीवरी निजी व्यक्तियों या कंपनियों के हाथों में होती है।
II	सार्वजनिक क्षेत्रक की गतिविधियों का उद्देश्य सामाजिक कल्याण होता है।	II	निजी क्षेत्रक की गतिविधियों का उद्देश्य लाभ अर्जित करना होता है।
III	सामान और सेवाएँ उचित कीमत पर प्रदान की जाती हैं।	III	वस्तुओं की कीमतें अधिक हो सकती हैं।
IV	बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है इसलिए सार्वजनिक क्षेत्रक उन सुविधाओं को प्रदान करेगा, भले ही ऐसा करना सार्वजनिक क्षेत्रक के लिए लाभदायक न हो।	IV	निजी क्षेत्रक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की जिम्मेदारी नहीं लेता है।
V	सार्वजनिक क्षेत्रक की कुछ सुविधाएं सरकार द्वारा एकत्र किए गए करों से वित्त पोषित होती हैं।	V	निजी क्षेत्रक निजी पूंजी का उपयोग करता है।
VI	रेलवे या डाकघर सार्वजनिक क्षेत्र का उदाहरण है।	VI	टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (टिस्को) या रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) जैसी कंपनियां निजी स्वामित्व वाली हैं।

कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

किन्हीं पाँच बिन्दुओं के माध्यम से अंतर स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।

27 **उन आर्थिक गतिविधियों की व्याख्या कीजिए जिनकी प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार पर है।**

(i) डाक एवं तार सेवाएँ
(ii) ग्राम प्रशासनिक कार्यालय
(iii) नगर निगम
(iv) परिवहन सुविधाएँ
(v) बैंक संबंधी सुविधाएँ
(vi) बीमा संबंधी सुविधाएँ
(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या किया जाना अपेक्षित है।

अध्याय 3: मुद्रा और साख

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए सरकारी बैंकों से ऋण लेना कठिन क्यों हो जाता है? निम्नलिखित कारणों को पढ़िए और सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:** I. ऋणाधार का अभाव II. जटिल प्रक्रिया III. ऋण की उच्चतर लागत IV. जागरूकता का अभाव विकल्प: A. केवल I, II, और III सही हैं B. केवल II, III और Iv सही हैं C. केवल I, II, और Iv सही हैं D. केवल I, III, और Iv सही हैं **उपयुक्त विकल्प: C.** केवल I, II, और Iv सही हैं	**32-1-1**
2	**भारत के शहरी क्षेत्रों में निम्नलिखित में से कौन सा समूह अपनी ऋण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर है?** A. गरीब परिवार B. कम संपत्ति वाले परिवार C. दोनो, गरीब और कम संपत्ति वाले परिवार D. दोनो, समृद्ध और कम संपत्ति वाले परिवार **उपयुक्त विकल्प: C.** दोनो, गरीब और कम संपत्ति वाले परिवार	
	4 अंक	
3	**सहकारी समितियों से ऋण** बैंकों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते ऋण का एक अन्य प्रमुख स्रोत सहकारी समितियाँ हैं। सहकारी समिति के सदस्य अपने संसाधनों को कुछ क्षेत्रों में सहयोग के लिए एकत्र करते हैं। कई प्रकार की सहकारी समितियाँ संभव है, जैसे किसानों, बुनकरों एवं औद्योगिक मज़दूरों इत्यादि की सहकारी समितियाँ। कृषक सहकारी समिति सोनपुर के नज़दीक एक गाँव में काम करती है। इसके 2300 किसान सदस्य हैं। यह अपने सदस्यों से जमा प्राप्त करती है। इस जमा पूँजी को ऋणाधार मान हुए. इस सहकारी समिति ने बैंक से बड़ा ऋण प्राप्त किया है। इस पूँजी का इस्तेमाल सदस्यों को कर्ज देने के लिए किया जाता है। यह ऋण लौटाने के बाद कर्ज का दूसरा दौर शुरू किया जा सकता है। कृषक सहकारी समिति कृषि उपकरण खरीदने, खेती तथा कृषि व्यापार करने, मछली पकड़ने, घर बनाने और अन्य विभिन्न प्रकार के खर्चों के लिए ऋण मुहैया कराती है।	

(1) सहकारी समितियाँ ऋण के किस स्रोत के अंतर्गत आती हैं?

(i) ऋण का औपचारिक स्रोत

(2) सहकारी समितियों की पूँजी के किन्हीं दो स्रोतों का उल्लेख कीजिए ।

(i) सहकारी समिति के सदस्यों से जमा

(ii) जमा को ऋणाधार के रूप में लेकर सहकारी समितियाँ बैंकों से बड़ा ऋण प्राप्त करते हैं।

(iii) सहकारी समितियों द्वारा दिए गए ऋण पर अर्जित ब्याज।

(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित है।)

(3) किसानों की आय वृद्धि में सहकारी समितियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(i) सहकारी समितियाँ कम ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करती हैं, जिसका उपयोग फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

(ii) वे जमा पर भी ब्याज देती है। यह किसानों के लिए छोटी बचत की आदतों को बढ़ावा देत्ता है।

(iii) सहकारी समितियाँ विभिन्न खर्चों के लिए ऋण प्रदान करती हैं जैसे कृषि उपकरणों की खरीद, मत्स्य ऋण आदि, जो किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होते हैं।

(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

1 अंक — **32-2-1**

4 भारत में ग्रामीण परिवारों की ऋण आवश्यकता पूर्ति के लिए ऋण के निम्नलिखित स्रोतों को अधिक से कम के क्रम में व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

I. सरकार 56 II. सहकारी बैंक और समितियाँ 10

III. साहूकार 23 IV. रिश्तेदार और मित्र 7

विकल्प:

(A) III, II, I, IV (B) III, II, IV, I

(C) I, III, II, IV (D) I, III, IV, II

उपयुक्त विकल्प: C I,III,II,IV

4 अंक

5 **दिए गए स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दी गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दीजिए:**

अरुण की कहानी

अरुण एक किसान मज़दूर के काम का निरीक्षण करता है । अरुण के पास 7 एकड़ ज़मीन है । अरुण सोनपुर के उन कुछ लोगों में से है, जिसे खेती के लिए बैंक से ऋण मिला है । इस ऋण पर वार्षिक ब्याज दर 8·5 प्रतिशत है और इसे अगले तीन वर्षों में कभी भी लौटाया जा सकता है । अरुण की योजना है कि वे फसल तैयार होने पर अपनी उपज का कुछ हिस्सा बेचकर इस ऋण की अदाएगी कर देगा । वह बाकी आलू की फसल को शीत भंडार गृह में रखकर बैंक से इसके बदले नया ऋण लेने के लिए आवेदन देना चाहता है । बैंक उन किसानों को ऐसी सुविधा देने के लिए तैयार है जो पहले ही खेती के लिए उससे ऋण ले चुके हैं ।

	(1) अरुण का ऋण किस स्रोत के अंतर्गत आता है? (1) बैंक/ औपचारिक स्रोत **(2) बैंक से ऋण लेने की एक प्रमुख शर्त का उल्लेख कीजिए। (1)** (i) समर्थक ऋणाधार (ii) ब्याज दर (iii) आवश्यक कागजात (iv) भुगतान के तरीके (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित है।)** **(3) अरुण का ऋण किस प्रकार लाभकारी है? किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए। (2)** (i) ब्याज दर कम है। (ii) ऋण अगले तीन वर्षों में कभी भी आसानी से चुकाया जा सकता है। (iii) कम ब्याज दर के कारण वह पूंजी बचा सकता है और अन्य उद्यमों या खेती के लिए आवश्यक सामानों की खरीदारी में निवेश कर सकता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
6	**औपचारिक क्षेत्रक से ऋण लेना आसान क्यों नहीं है? निम्नलिखित कारणों को पढ़िए और सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:** I. बैंकों की अनुपलब्धता II. ऋणाधार की कमी III. ऋण की लंबी और जटिल प्रक्रिया IV. ऋणार्थी की जागरूकता विकल्प: (A) केवल I, II और III सही हैं। (B) केवल II, III और IV सही हैं। (C) केवल I, II और IV सही हैं। (D) केवल I, III और IV सही हैं। **उपयुक्त विकल्प: A.** (A) केवल I, II और III सही हैं।	
	3 अंक	
7	**भारतीय बैंकों पर नियंत्रण रखने में भारतीय रिज़र्व बैंक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्रीय सरकार की ओर से मुद्रा जारी करता है। (ii) यह बैंक ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्यप्रणाली पर नज़र रखता है। (iii) बैंक अपनी जमा का एक न्यूनतम नकद हिस्सा अपने पास रखते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक नज़र रखता है कि बैंक वास्तव में नकद शेष बनाए हुए हैं।	

	(iv) भारतीय रिज़र्व बैंक इस पर भी नज़र रखता है कि बैंक केवल लाभ अर्जित करने वाले व्यावासियों और व्यापारियों को ही ऋण मुहैया नहीं करा रहे बल्कि छोटे किसानों, छोटे उद्योगों, छोटे कर्जदारों इत्यादि को भी ऋण दें रहे हैं। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	3 अंक	**32-3-2**
8	**विनिमय के माध्यम के रूप में मुद्रा के किन्हीं तीन कार्यों का वर्णन कीजिए।** (i) मुद्रा विनिमय के माध्यम की समस्या का समाधान करती है (ii) यह आवश्यकता के दोहरे संयोग को समस्या को समाप्त करती है (iii) एक स्थान से दुसरे स्थान तक ले जाना आसान होता है (iv) मूल्य को आसानी से निर्धारित किया जा सकता है (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है)	
	3 अंक	**32-3-3**
9	**बैंक जमा के महत्व की परख कीजिए।** (i) लोग बैंकों में निक्षेप के रूप में मुद्रा रखते हैं। (ii) बैंक जमा स्वीकार करते हैं और इस पर सूद (ब्याज) भी देते हैं। (iii) इस तरह लोगों का धन बैंकों के पास सुरक्षित रहता है और इस पर सूद (ब्याज) भी मिलता है। (iv) लोगों को अपनी आवश्यकता के अनुसार इससे धन निकालने की सुविधा भी उपलब्ध होती है। (v) चूंकि बैंक खातों में जमा धन को माँग के जरिए निकाला जा सकता है, इसलिए इस जमा को माँग जमा कहा जाता है। (vi) यह लोगों की बचत की आदतों को बढ़ावा देता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)	
	3 अंक	**32-4-1**
10	कल्पना कीजिए कि आप एक 'स्वयं सहायता समूह' (**SHG**) का हिस्सा हैं। नए सदस्य के लिए स्वयं सहायता समूह (**SHG**) की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। (i) एसएचजी एक ऐसा संगठन है जो ग्रामीण गरीबों, खास तौर पर महिलाओं के साथ काम करता है। (ii) इसमें आमतौर पर एक मोहल्ले के 15–20 सदस्य होते हैं। (iii) वे नियमित रूप से मिलते हैं और बचत करते हैं। (iv) लोगों की बचत करने की क्षमता के आधार पर प्रति सदस्य बचत 25 से 100 रुपये या उससे अधिक होती है। (v) सदस्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत कम ब्याज दर पर समूह से छोटे ऋण ले सकते हैं। (vi) यदि समूह नियमित रूप से बचत करता है, तो वह बैंक से ऋण लेने के लिए पात्र हो जाता है। (vii) सदस्यों के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए समूह के नाम पर ऋण स्वीकृत किया जाता है।	

	(viii) बचत और ऋण गतिविधियों से संबंधित निर्णय समूह के सदस्यों द्वारा लिए जाते हैं। (ix) ऋण की अदायगी के लिए समूह जिम्मेदार होता है। (x) किसी एक सदस्य द्वारा ऋण न चुकाने की स्थिति में, अन्य सदस्य इसे गंभीरता से लेते हैं। (xi) उन्हें बैंकों से बिना किसी जमानत के भी ऋण मिल जाता है। (xii) एसएचजी स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू हिंसा आदि जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा और कार्रवाई करने का एक मंच भी है। (xiii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं को स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।**	
11	**कल्पना कीजिए कि आप एक गाँव के ग्राम विकास अधिकारी हैं। किसानों के लिए ऋण के औपचारिक स्रोतों की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।** (i) ऋण के औपचारिक स्रोत में बैंक और सहकारी समितियाँ शामिल हैं। (ii) छोटे किसानों को ऋण दिया जाता है। (iii) ब्याज की उचित दरें ली जाती हैं। (iv) ऋण प्राप्त करने वाले के लिए लागत बहुत कम होती है। (v) ऋण प्राप्त करने वाले के पास खुद के लिए अधिक आय बचती है। (vi) RBI द्वारा निगरानी की जाती है। (vii) ऋण लेकर उद्यम शुरू करने की इच्छा रखने वाले लोगों को प्रोत्साहित करता है। (viii) सस्ता और किफायती ऋण देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। (ix) ग्रामीण ऋणग्रस्तता की कम संभावना। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं को स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।**	
	5 अंक	**32-4-2**
12	**ग्रामीण अर्थव्यवस्था में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास और वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण। (ii) किसानों को गैर–कृषि गतिविधियों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता है। (iii) कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने के लिए किसान की सहायता करता हैं। (iv) कृषि उत्पादन में वृद्धि करता है। (v) चल रहे खर्चों का प्रबंधन करने में मदद करता है। (vi) किसान को ऋणजाल में फंसा सकता है। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
13	**औपचारिक और अनौपचारिक ऋण के स्रोतों में अंतर का विश्लेषण कीजिए।**	

ऋण के औपचारिक स्रोत	ऋण के अनौपचारिक स्रोत
भारतीय रिजर्व बैंक उनके कामकाज की निगरानी करता है।	कोई भी उनके कामकाज की निगरानी नहीं करता है।
शहरी क्षेत्रों में, यह ऋण का मुख्य स्रोत है।	ग्रामीण क्षेत्रों में, यह ऋण का मुख्य स्रोत है।

समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता होती है।	समर्थक ऋणाधार की कोई आवश्यकता नहीं है।
ऋण लेने की लागत कम है।	ऋण लेने की लागत अधिक है।
ऋण देने की प्रक्रिया लंबी और जटिल है।	ऋण आसानी से उपलब्ध है।
अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग नहीं करते।	अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग करते हैं।
उदाहरणः बैंक, सहकारी समितियां, आदि।	उदाहरणः साहूकार, मित्र, परिवार, रिश्तेदार, कृषि व्यापारी, आदि।
कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु।	कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु।

किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।

	5 अंक	**32-4-3**

14 **देश की अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।**

(i) विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता या ऋण प्रदान करता है।
(ii) लोगों की बचत की आदतों को बढ़ावा देता है।
(iii) उन लोगों के बीच मध्यस्थता करना जिनके पास अतिरिक्त धन है (जमाकर्त्ता) और जिन्हें धन की आवश्यकता है (ऋण लेने वाले)।
(iv) लोगों द्वारा जमा की गई राशि पर ब्याज का भुगतान करता है।
(v) लोगों के अतिरिक्त धन की देखभाल करता है।
(vi) देश में आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।
(vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु।

किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।

15 **भारत में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।**

(i) स्वयं सहायता समूह एक ऐसा संगठन है जो ग्रामीण गरीबों, खासकर महिलाओं के साथ काम करता है।
(ii) इसमें आमतौर पर एक मोहल्ले के 15–20 सदस्य होते हैं।
(iii) वे नियमित रूप से मिलते हैं और बचत करते हैं।
(iv) लोगों की बचत करने की क्षमता के आधार पर प्रति सदस्य बचत 25 से 100 रुपये या उससे अधिक होती है।
(v) सदस्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत कम ब्याज दर पर समूह से छोटे ऋण ले सकते हैं।
(vi) यदि समूह नियमित रूप से बचत करता है, तो वह बैंक से ऋण लेने के लिए पात्र हो जाता है।
(vii) सदस्यों के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए समूह के नाम पर ऋण स्वीकृत किया जाता है।
(viii) बचत और ऋण गतिविधियों के बारे में निर्णय समूह के सदस्यों द्वारा लिए जाते हैं।
(ix) ऋण की अदायगी के लिए समूह जिम्मेदार होता है।
(x) किसी भी सदस्य द्वारा ऋण न चुकाने की स्थिति में, अन्य सदस्य इसे गंभीरता से लेते हैं।
(xi) उन्हें बैंकों से बिना किसी जमानत के भी ऋण मिल जाता है।

	(xii) स्वयं सहायता समूह स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू हिंसा आदि जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने और कार्रवाई करने का एक मंच भी है। (xiii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-5-1**
16	**भारत में ऋण के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।**	

ऋण के औपचारिक स्रोत	ऋण के अनौपचारिक स्रोत
भारतीय रिजर्व बैंक उनके कामकाज की निगरानी करता है।	कोई भी उनके कामकाज की निगरानी नहीं करता है।
शहरी क्षेत्रों में, यह ऋण का मुख्य स्रोत है।	ग्रामीण क्षेत्रों में, यह ऋण का मुख्य स्रोत है।
समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता होती है।	समर्थक ऋणाधार की कोई आवश्यकता नहीं है।
ऋण लेने की लागत कम है।	ऋण लेने की लागत अधिक है।
ऋण देने की प्रक्रिया लंबी और जटिल है।	ऋण आसानी से उपलब्ध है।
अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग नहीं करते।	अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग करते हैं।
उदाहरणः बैंक, सहकारी समितियाँ, आदि।	उदाहरणः साहूकार, मित्र, परिवार, रिश्तेदार, कृषि व्यापारी, आदि।
कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु।	कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु।

किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

	3 अंक	**32-5-2**
17	**भारत में ऋण के अनौपचारिक स्रोतों की तुलना में औपचारिक स्रोत क्यों लाभदायक हैं? कोई तीन तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।** (i) औपचारिक स्रोत, अनौपचारिक ऋण स्रोतों की तुलना में कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करते हैं। (ii) औपचारिक स्रोत की निगरानी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की जाती है, जबकि अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर नज़र रखने के लिए कोई संस्था नहीं है। (iii) औपचारिक स्रोतों से ऋण लेने के लिए समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता होती है, जबकि अनौपचारिक ऋण स्रोतों में समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता नहीं होती है। (iv) शहरी क्षेत्रों में, औपचारिक स्रोत ऋण का मुख्य स्रोत है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग आमतौर पर अनौपचारिक स्रोतों से ऋण लेते हैं। (v) औपचारिक स्रोतों में उधार देने की प्रक्रिया लंबी और जटिल है, जबकि अनौपचारिक स्रोतों से ऋण लेना सरल है।	

	(vi) औपचारिक स्रोत अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग नहीं करते हैं, जबकि अनौपचारिक स्रोतों में ऋणदाता ऋण वसूलने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग कर सकते हैं। (vii) औपचारिक स्रोतों के उदाहरण बैंक, सहकारी समितियाँ आदि हैं, जबकि अनौपचारिक स्रोत साहूकार, कृषि व्यापारी, मित्र, परिवार, रिश्तेदार आदि हो सकते हैं। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	3 अंक	**32-5-3**
18	**देश के आर्थिक विकास में ऋण की भूमिका को उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) देश के विकास में ऋण की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। (ii) लोगों को विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण की आवश्यकता होती है। (iii) सस्ती एवं किफायती साख उपलब्धता गरीब किसान के लिए कृषि प्रक्रियाओं में सहायक होती है। (iv) साख की सरल उपलब्धता एक निर्माता के लिए उसके व्यवसाय को स्थापित करने और उसका विस्तार करने में सहायक होती है। (v) बीमा, परिवहन, भंडारण जैसे तृतीयक क्षेत्रकों में साख सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम करता है। (vi) साख की उपलब्धता से रोजगार सृजन और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होती है। (vii) साख देश के कुल उत्पादन में मूल्य जोड़ता है जिससे अर्थव्यवस्था का समग्र विकास होता है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	
	4 अंक	**32-6-1**
19	**निम्नलिखित स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प लिखिए:** सहकारी समितियों से ऋण बैंकों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते ऋण का एक अन्य स्रोत सहकारी समितियाँ हैं। सहकारी समिति के सदस्य अपने संसाधनों को कुछ क्षेत्रों में सहयोग के लिए एकङ करते हैं। कई प्रकार की सहकारी समितियाँ संभव हैं, जैसे किसानों, बुनकरों एवं औद्योगिक मजदूरों इत्यादि की सहकारी समितियाँ । कृषक सहकारी समिति सोनपुर के नजदीक एक गाँव में काम करती है। इसके 2300 किसान सदस्य हैं। यह अपने सदस्यों से जमा प्राप्त करती हैं। इस जमा पूँजी को जाणाधार मानते हुए, इस सहकारी समिति ने बैंक से बड़ा ऋण प्राप्त किया है। इस पूँजी का इस्तेमाल सदस्यों को कर्ज देने के लिए किया जाता है। यह ऋण लौटाने के बाद कर्ज का दूसरा दौर शुरू किया जा सकता है। कृषक सहकारी समिति कृषि उपकरण खरीदने, खेती तथा कृषि व्यापार करने, मछली पकड़ने, घर बनाने और अन्य विभिन्न प्रकार के खचों के लिए ऋण मुहैया कराती है। **(1) सहकारी समितियों के द्वारा दिया जाने वाला ऋण किस क्षेत्रक के अंतर्गत आता है?** ऋण के औपचारिक स्रोत **(2) स्वयं सहायता समूह बाह्य वित्त-पोषण किस प्रकार प्राप्त करते हैं?** - बैंक/ सहकारी समितियाँ सरकार	

	(3) सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए। (i) सहकारी समिति के सदस्य अपने संसाधनों को कुछ क्षेत्रों में सहयोग के लिए एकत्र करते हैं। (ii) कई प्रकार की सहकारी समितियाँ संभव है, जैसे-किसानों, बुनकरों एवं औद्योगिक मशदूरों इत्यादि की सहकारी समितियाँ। (ii) उदाहरण के लिए कृषक सहकारी समिति सोनपुर के नजदीक एक गाँव में काम करती है। (iii) यह अपने सदस्यों से जमा प्राप्त करती है। इस जमा पूँजी को ऋणाधर मानते हुए, इस सहकारी समिति ने बैंक से बड़ा ऋण प्राप्त किया है। (iv) इस पूँजी का इस्तेमाल सदस्यों को कर्ज देने के लिए किया जाता है। (v) यह ऋण लौटाने के बाद क़र्ज़ का दूसरा दौर शुरू किया जा सकता है। (vi) कृषक सहकारी समिति कृषि उपकरण खरीदने, खेती तथा कृषि व्यापार करने, मछली पकड़ने, घर बनाने और अन्य विभिन्न प्रकार के ख़यों के लिए ऋण मुहैया कराती है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	

अध्याय 4: वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

	< 1 > अंक के प्रश्न	सीबीएसई मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1	**नीचे दो कथन, I एवं II दिए गए हैं दोनों कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** **कथन I:** प्रौद्योगिकी में तीव्र उन्नति वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित करने वाला एक मुख्य कारक है। **कथन II:** इसने लंबी दूरियों तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया है। **विकल्प:** A. कथन I और कथन II दोनो सही हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या है। B. कथन I और कथन II दोनो सही हैं परंतु कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है। C. कथन I सही हैं परंतु कथन II गलत है। D. कथन I गलत हैं परंतु कथन II सही है। **उपयुक्त विकल्प: A.** कथन I और कथन II दोनो सही हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।	**32-1-1**
	2 अंक	
2	**भारत में 1990 के दशक में शुरू की गई उदारीकरण की प्रक्रिया ने किस प्रकार वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया? स्पष्ट कीजिए ।** (i) उदारीकरण की प्रक्रिया, अर्थात् सरकार द्वारा अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया, 1990 के दशक में शुरू हुई। (ii) सरकार ने निर्णय लिया कि भारतीय उत्पादकों के लिए वैश्विक उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का समय आ गया है। (iii) इसने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत में अपने कारखाने स्थापित करने में मदद की। इस प्रकार, भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत हुई और भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। (iv) विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए गए। देश में कई विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) स्थापित किए गए। (v) वस्तुओं के आयात और निर्यात सुगम बनाने तथा विदेशी कंपनियां अपने कारखाने और कार्यालय स्थापित कर सकें इसके लिए कई कदम उठाए गए। इससे भारत का विदेशी व्यापार बढ़ा है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-1-3**
3	**परिवहन प्रद्योगिकी में हुई उन्नति ने किस प्रकार वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया? स्पष्ट कीजिए**	
	(i) लंबी दूरी तक एवं वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया है। (ii) परिवहन प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण लोग बहुत कम समय में लंबी दूरी तय कर सकते हैं। (iii) इसने व्यापार (घरेलु और अंतर्राष्ट्रीय) को सुविधाजनक बनाया है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है)**	**32-2-1**

4	**नीचे दो कथन I और II दिए गए हैं। दोनों कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:** **कथन I:** सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया। **कथन II:** इसका उपयोग एक-दूसरे से संपर्क करने, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने और दूरवर्ती क्षेत्रों से संवाद करने में किया जाता है। **विकल्प:** (A) कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या है। (B) कथन I और II दोनों सही हैं, लेकिन कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है। (C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है। (D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है। **उपयुक्त विकल्प:** (A) कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।	
	2 अंक	
5	**"देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) देशों के बीच विदेशी व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। (ii) अधिकांश बहुराष्ट्रीय कंपनियों की गतिविधियों में सेवाओं और वस्तुओं में बड़े पैमाने पर व्यापार शामिल होता है। (iii) अधिक विदेशी निवेश के परिणामस्वरूप उत्पादन का एकीकरण होता है। (iv) अधिक विदेशी व्यापार के कारण विभिन्न देशों के बाजारों का एकीकरण हुआ। (v) विभिन्न देशों के बीच अधिक से अधिक वस्तुओं और सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान हो रहा है। (vi) विगत कुछ दशकों की तुलना में विश्व के अधिकांश भाग एक दूसरे के अपेक्षाकृत अधिक संपर्क में आये हैं। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
	1 अंक	**32-3-1**
6	**रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए:** **सरकार द्वारा विदेशी व्यापार और निवेश पर अवरोधकों को हटाने की प्रक्रिया ________ के नाम से जानी जाती है।** **विकल्प:** (A) आयात कर (B) निर्यात कर (C) उदारीकरण (D) औद्योगीकरण **उपयुक्त विकल्प:** (C) उदारीकरण	
	2 अंक	**32-3-2**
7	**वर्ष 1991 के प्रारंभ में भारत सरकार ने अपनी आर्थिक नीतियों में क्या परिवर्तन किए? स्पष्ट कीजिए।** (i) विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर से अवरोधों को काफी हद तक हटा दिया गया। (ii) वस्तुओं के आयात और निर्यात सुगमता से किया जा सकता था।	

	(iii) विदेशी कंपनियां यहाँ कारखाने और कार्यालय स्थापित कर सकती थीं। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)	
	2 अंक	**32-3-3**
8	**वैश्वीकरण के किन्हीं दो लाभों को स्पष्ट कीजिए।** (i) वैश्वीकरण के अनेकों लाभ हैं जो समाज, अर्थशास्त्र और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करते हैं। (ii) उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प उपलब्ध हुए हैं। (iii) उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। (iv) उपभोक्ता कम कीमतों से लाभान्वित हो रहे हैं। (v) नए बाज़ारों तक पहुँच। (vi) वैश्वीकरण नवाचार को बढ़ावा देता है। (vii) वैश्वीकरण बेहतर रोज़गार के अवसर प्रदान करता है। (viii) उच्च जीवन स्तर। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)	
	3 अंक	**32-4-1**
9	1991 में लागू की गई व्यापार नीति ने भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया को किस प्रकार उत्प्रेरित किया? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (i) विदेशी व्यापार पर अवरोधों को हटाया गया, जिससे व्यवसायों को आयात और निर्यात के अवसर मिलेंगे। (ii) बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश को प्रोत्साहित किया गया। उदाहरणः सेल फोन, ऑटोमोबाइल, सॉफ्ट ड्रिंक, फास्ट फूड आदि। (iii) भारतीय कंपनियों को दुनिया भर के उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। (iv) भारतीय कंपनियों को विदेशी कंपनियों के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिससे कुछ बड़ी भारतीय कंपनियां स्वयं बहुराष्ट्रीय बन गई हैं। उदाहरणः टाटा मोटर्स और इंफोसिस (v) विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार और नीतियां विकसित करना। उदाहरणः विशेष आर्थिक क्षेत्र। (vi) इसने सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। उदाहरणः आईटी। (vii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। कोई तीन सुझाव अपेक्षित है।	
	3 अंक	**32-4-2**
10	भारत ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सरकारी नीतियों की भूमिका की परख कीजिए। (i) बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित करना। (ii) विभिन्न वस्तुओं पर सब्सिडी प्रदान करना। (iii) सार्वजनिक सुविधाओं में निवेश को बढ़ाना। (iv) उदारीकरण और वैश्वीकरण जैसी नीतियों को अपनाना।	

	(v) ग्रामीण एवं अर्ध–ग्रामीण इलाकों में उद्योगों को बढ़ावा देने की नीति का अनुपालन करके। (vi) स्टार्टअप का समर्थन करना। (vii) गरीबी उन्मूलन व बेरोजगारी समस्या के समाधान के लिए मनेरगा जैसे कानूनों को लागू किया गया है। (viii) औपचारिक ऋणों तक आसान पहुँच को बढ़ावा देना। (ix) विभिन्न कौशल के विकास पर अधिक निवेश करना। (x) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-5-1**
11	**भारत में उदारीकरण ने किस प्रकार वैश्वीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया? व्याख्या कीजिए।** (i) विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश पर लगे अवरोधों को काफी हद तक दूर कर दिया गया। (ii) वस्तुओं का आयात और निर्यात अब आसानी से किया जा सकता है। (iii) विदेशी कंपनियाँ अब भारत में कारखाने और कार्यालय स्थापित कर सकती है। (iv) व्यापार के उदारीकरण के साथ, व्यवसायों को इस बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की अनुमति है कि वे क्या आयात या निर्यात करना चाहते हैं। (v) सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने और आकर्षित करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) बनाए हैं। (vi) बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपने निवेश में वृद्धि की है। (vii) वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रूप में उभरने में सहायता की है। (viii) कोई अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	
	2 अंक	**32-5-3**
12	**वैश्वीकरण के महत्वपूर्ण कारक के रूप में विदेशी व्यापार के योगदान की व्याख्या कीजिए।** (i) वैश्वीकरण के लिए विदेशी व्यापार सबसे महत्वपूर्ण कारक है। (ii) यह आयात और निर्यात के माध्यम से राष्ट्रीय सीमाओं के पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान–प्रदान को सक्षम बनाता है। (iii) यह बाजारों के एकीकरण में मदद करता है और वैश्वीकरण की प्रक्रिया को सक्षम बनाता है। (iv) 1991 में उदारीकरण ने अवरोधों को हटा दिया, वैश्वीकरण में योगदान करते हुए भारतीय बाजारों को विदेशी व्यापार के लिए खोल दिया। (v) वैश्वीकरण के कारण बाजारों के एकीकरण से प्रौद्योगिकी और नवाचारों का आदान–प्रदान हुआ है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	

	2 अंक	32-6-1
13	**सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को किस प्रकार बढ़ावा दिया? स्पष्ट कीजिए।** (i) विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है। (ii) प्रौद्योगिकी में तीव्र उन्नति वह मुख्य कारक है जिसने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया। (iii) विगत पचास वर्षों में परिवहन प्रौद्योगिकी में बहुत उन्नति हुई है। इसने लम्बी दूरियों तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया है। (iv) इससे भी अधिक उल्लेखनीय है सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का विकास। (v) उदाहरण के लिए-संचार उपग्रह उपकरण, मोबाइल फोन, फैक्स आदि। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	
		s-1
14	वैश्वीकरण को संभव बनाने में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (i) वर्तमान समय में दूरसंचार,कंप्यूटर और इंटरनेट के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी द्रूत गति से परिवर्तित हो रही है। (ii) दूरसंचार सुविधाओं (टेलीग्राफ, टेलीफोन, मोबाइल फोन एवं फैक्स) का विश्व भर में एक दूसरे से संपर्क करने, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने और दूरवर्ती क्षेत्रों से संवाद करने के लिए प्रयोग किया जाता है। (iii) ये सुविधाएं संचार उपग्रहों द्वारा सुगम हुई हैं। (iv) कंप्यूटर का अब प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश हो गया है। (v) इंटरनेट की सहायता से सूचनाओं को प्राप्त किया जा सकता है एवं उन्हें आपस में एक दूसरे के साथ साझा किया जा सकता हैं। (vi) इंटरनेट से हम तत्काल इलेक्ट्रोनिक डाक (ई–मेल) भेज सकते है और अत्यंत कम मूल्य पर विश्व भर में बात (वायस मेल) कर सकते हैं। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।	
15	व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुँचाता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (i) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उत्पादन लागत कम करने के लिए दूसरे देशों में पैसा लगाकर उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करती हैं। परिणामस्वरूप, देशों का उत्पादन आपस में जुड़ जाता है। (ii) व्यापार के उदारीकरण के साथ, माल एक बाजार से दूसरे बाजार में आवागमन होता है। बाज़ारों में वस्तुओं के बीच विकल्प बढ़ जाते है। (iii) दोनों बाजारों में समान वस्तुओं की कीमतें बराबर हो जाती हैं। इस प्रकार विदेशी व्यापार के परिणामस्वरूप विभिन्न देशों के बाजारों को जोड़ा जाता है या बाजारों का एकीकरण किया जाता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।	s-3